धमाकों से दहला पाक

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हमले से पहले सेना का संदेश

पहलगाम का बदलाः आधी रात भारत ने किया 'ऑपरेशन सिंदूर'

पीओके और पाक में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक

22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला का जवाब भारत ने एयर स्ट्राइक से दिया। आधी रात 'ऑपरेशन सिंदूर' को लॉन्च किया। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाक में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई. ये हमला बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है।

9 जगहों पर की गई स्ट्राइक

कुल 9 जगहों पर सटीक हमले किए गए। इनमें मुजफ्फराबाद, बहावलपुर और कुछ अन्य स्थानों का जिक्र है, जहां धमाकों की आवाजें सुनी गईं। यह भी बताया गया कि इन हमलों के लिए खास सावधानी बरती गई ताकि किसी नागरिक या सैन्य ठिकाने को नुकसान न पहुंचे।

आज दी जाएगी ऑपरेशन सिंदूर की पूरी जानकारी

रक्षा मंत्रालय ने कहा, "भारत ने गजब की संयम और परिपक्वता के साथ लक्ष्य चुना और ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कदम यह साबित करता है कि भारत अब आतंक के खिलाफ किसी भी हद तक जाने को तैयार है और जो भी दोषी हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।" आज दिन में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

नई दिल्ली ▶▶| एजेंसी

भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक तरीके से इन ठिकानों को निशाना बनाया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके। इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है, न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना। वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में आफरा तफरी मच गई। मस्जिदों से ऐलान किया गया नागरिक घर में रहें।

पाक ने माना 3 लोगों की मौत 12 घायल

जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया गया!

पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी. भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा. पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

पाक मस्जिदों से ऐलान, नागरिक घर में रहे

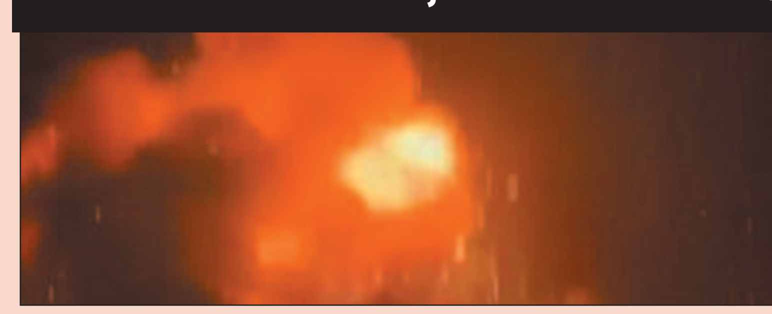

पहलगाम हमले का वायु सेना ने लिया बदला!

पहलगाम में आतंकियों ने बैसरन घाटी को निशाना बनाया था और इस दौरान 26 टूरिस्ट की आतंकियों की गोलीबारी में मौत हो गई थी. इस हमले के बाद भारत ने अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकियों को कड़ी सजा देंगे।

40 लाख आवेदनों में मांगें ज्यादा हैं, शिकायतें कम, यह प्रदेश में सुशासन का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हमारे सुशासन तिहार में 40 लाख आवेदन आए हैं। पहली नजर में यह बहुत ज्यादा दिखते हैं। लेकिन जब इनका अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि इसमें मांग के आवेदन ज्यादा हैं और शिकायतें कम। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में सुशासन है। शासन और प्रशासन को लेकर शिकायतें कम होना अच्छी बात है। जो आवेदन आएं हैं उनमें सबसे ज्यादा पीएम आवास, उज्जवला योजना और पेयजल से जुड़े हैं। हमारी सरकार सभी आवेदनों का निराकरण करने का काम करेगी। सुशासन तिहार के व्यस्ततम दौरे के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सार्थक संवाद किया। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ सार्थक संवाद

- *लोग इतनी गर्मी में विदेश यात्रा की योजना बनाते हैं, आपने गांव की यात्रा की योजना बनाई और पूरे मंत्रिमंडल को भी झोंक दिया, आखिर इसके पीछे का कारण क्या है?*
- *पिछले चुनाव में भाजपा पर भरोसा करके जनता से बहुत बड़ा जनादेश दिया है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता से कहा था, भाजपा की सरकार बनाएं आपके सब काम हों। अब हम सब कामों को करने का काम कर रहे हैं। हमने अपने वादों को मोदी की गारंटी का नाम दिया था। डेढ़ साल हुए हैं हमारी*

▶▶| शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ की दो महिला खिलाड़ियों में गजब का हौसला

67 और 70 साल की दादी ने जीते उम्र से अधिक पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

जिस उम्र में बुजुर्ग महिलाएं ठीक से चल फिर नहीं पातीं, उस उम्र में छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की दो दादी खिलाड़ी अम्मा बनकर मैदानों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। दोनों के घर रखे मेडल और सम्मान पत्र बताते हैं कि उम्र के इस पड़ाव में भी ये दादी अम्मा अपनी उम्र से भी ज्यादा पदक जीत रही हैं। आज विश्व एथलेटिक्स दिवस पर हरिभूमि में पढ़िए 70 वर्षीय एथलेटिक्स शकुंतला सिंह और 67 वर्षीय एथलेटिक्स कलमा देवी मंगतानी की कहानी।

विश्व एथलेटिक्स दिवस विशेष

कुछ दिन बैसाखी के सहारे चली उम्र की संख्या से दोगुने मेडल जीते

कमल देवी मंगतानी, उम्र 67 साल

मनेन्द्रगढ़ के बस स्टैंड इलाके के वार्ड क्रमांक 11 में रहने वाली कमला देवी मंगतानी की उम्र 67 साल है। 40 साल से वे डायबिटीज की मरीज हैं। एक समय ऐसा था जब कमला देवी मंगतानी को चलने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ता था, यहां तक कि डॉक्टरों ने उन्हें घुटना बदलने तक कि बात कह दी थी, लेकिन कमला देवी मंगतानी के हौसले के आगे बैसाखी पीछे चली गई और वो

▶▶| शेष पेज 7 पर

नर्स की नौकरी से लेकर गोल्ड मेडल एथलेटिक्स

शकुंतला सिंह, उम्र 70 साल

मनेन्द्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 15 में रहने वाली 70 वर्षीय महिला रिटायरमेंट लेने के बाद जो कर रही हैं वह किसी हैरत से कम नही है। इस उम्र में भी रोजाना मैदान में जाकर 2 घंटे की प्रेक्टिस जिसमें 1400 मीटर की दौड़ करने के बाद नियमित अभ्यास करती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली पेंशन से वे अपना अभ्यास जारी रखे हुये हैं। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के साऊथ झगराखाण्ड चिकित्सालय में नर्स की नौकरी से रिटायरमेंट के बाद भी इन्होंने खेल जारी रखा और शॉटपुट, हैमर थ्रो, भाला फेंक, जेवलिन थ्रो जैसे खेलों में कई मेडल जीते। देश के बाहर नेपाल में भी इन्होंने मेडल

▶▶| शेष पेज 7 पर

GALGOTIAS UNIVERSITY STUDENTS OUTPERFORM GLOBALLY

10 students won Apple's WWDC 25 Swift Student Challenge on a Worldwide Platform

Abu Shahma Ansari | Aditya Rai | Arnav Chauhan | Avineet Singh Juneja | Harshit Gupta | Kavyansh Pratap Singh | Mayank Verma | Praveen Shrivastav | Raj Pratap Singh | Nalinish Ranjan

AMONGST THE WORLDS BEST

TOP RANKED IN QS ASIA & THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2025

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM
• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

IN CONSULTANCY COLLABORATION WITH
InsPIRE at NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE

AN HONOUR BEYOND WORDS. A LEGACY BEYOND BOUNDARIES.

We will continue to carry forward the vision of our Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji of making India a Vishvaguru & Viksit Bharat and the dream of our Dynamic Leader, Hon'ble Chief Minister of UP, Shri Yogi Aditya Nath Ji of making the State of Uttar Pradesh a truly Global Knowledge Superpower.

Her Excellency Smt. Anandiben Patel, Hon'ble Governor Of Uttar Pradesh felicitating Dr Dhruv Galgotia, CEO, Galgotias University for the University's exceptional performance in the QS Asia-World University Rankings 2025.

ALWAYS LEADING BY EXAMPLE

Transforming Galgotias University as one of the leading **"Industry Integrated Learning Campuses"** in India; supported by multiple centers of excellence including

wipro | SAMSUNG | LG | Infosys | hp | Tech Mahindra | intel | ITMI | T-Series

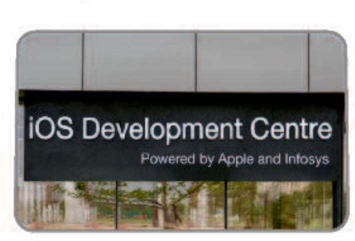

iOS Development Centre Powered by Apple and Infosys

The Edge That Sets Us Apart

Amongst **#98** in India (Management Category)
#50 in India (Pharmacy Category)
By NIRF Ranking 2024 — nirf National Institutional Ranking Framework — शिक्षा मंत्रालय Ministry of Education Government of India

TOP 3 in India for filing MAXIMUM PATENTS

NAAC A+ Accreditation in First Cycle
Ranked Platinum+ Band: Institution of Prominence OBE Rankings 2024
NBA Accredited for Computer Science Engineering, Mechanical Engineering, Electronics, & Communications Engineering, B.Pharm and MBA
School of Business AACSB Business Education Alliance Member

5th Ranked Amongst the Top Private Universities by Times B School Survey 2025

Apply Today for Career Focussed 2025-26 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. Programmes

Engineering | Computer Applications | Biosciences & Technology | Clinical Healthcare | Forensic Science | Design | Education | Nursing | Liberal Education
Media and Communications Studies | Law | Agriculture | Basic Sciences | Finance & Commerce | Pharmacy | Allied & Health Sciences | Business | Aviation
Logistics & Supply Chain Management | Hospitality & Tourism | Polytechnic | Vocational Education

Launched India's 1st and Finest **AI led Active Learning Campus** @ Galgotias University

GALGOTIAS UNIVERSITY

GALGOTIAS INCUBATION CENTRE
FOR RESEARCH INNOVATION STARTUP AND ENTREPRENEURS
Government of UP Recognized Incubator

- Launchpad for 100+ Promising Startups
- Several of our Startups are already generating revenue in crores of rupees.
- Over 30 Industry Partnerships & 80+ Mentors empowering startups with invaluable resources and expertise

For the complete list of programmes offered and to apply online visit
www.galgotiasuniversity.edu.in
9810162221 / 9582847072
9717300418 / 0120-4370000

#GetYourSelfPlaced

रायपुर

बुधवार, 7 मई 2025

वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी

वर्ष : 23, अंक : 289

पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5 .00**

मौसम

अधि. 38.6

न्यून. 24.7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिना पूर्व सूचना माशिम आज जारी करेगा 10वीं-12वीं के नतीजे, पहली बार दोपहर तक इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आज दोपहर 3 बजे दसवीं-बारहवीं के परीक्षा परिणामों की घोषणा की जाएगी। सामान्यतः माशिम द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किए जाने के सप्ताह भर पूर्व छात्रों को इसकी सूचना दी जाती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। माशिम द्वारा किसी भी तरह की कोई सूचना परीक्षा परिणामों को लेकर जारी नहीं की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किए जाने की सूचना जनसंपर्क विभाग द्वारा देर रात सार्वजनिक की गई। अन्य वर्षों की तरह इस बार भी दसवीं और बारहवीं दोनों ही कक्षाओं के परिणाम एक साथ ही जारी किए जा रहे हैं। इस बार छात्रों को अपने परिणाम देखने के लिए दोपहर 3 बजे तक का इंतजार करना होगा। सामान्यतः माशिम दोपहर 12 बजे अपने नतीजे जारी करता रहा है।

12वीं बोर्ड परीक्षा 1 मार्च से शुरू होकर 28 मार्च तक चली थी। वहीं 10वीं बोर्ड की परीक्षा 3 मार्च से शुरू होकर 24 मार्च तक चली। छात्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकेंगे। खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मुख्यमंत्री ऑनलाइन रिजल्ट जारी करेंगे अथवा मंडल कार्यालय में उपस्थित होकर परिणाम जारी करेंगे। गौरतलब है कि पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के संसद जाने के बाद शिक्षा मंत्रालय सीएम के पास ही है। ऐसे में उनके द्वारा ही नतीजे जारी किए जाएंगे।

माशिम द्वारा छात्रों के लिए जारी नहीं की गई किसी भी तरह की पूर्व सूचना

खास खबर

जारी होगी मेरिट लिस्ट

सीबीएसई द्वारा छात्रों में स्वस्थ प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए मेरिट लिस्ट जारी करने की प्रथा बंद कर दी गई है। ना तो केंद्रीय स्तर और ना ही राज्य स्तर पर मेरिट लिस्ट जारी की जा रही है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मौजूदा सत्र से इस प्रथा को बंद करने पर विचार किया जा रहा था। अन्य राज्यों में अपनाई जा रही प्रणाली को जानने पत्राचार भी किया गया था, लेकिन बाद में मेरिट लिस्ट जारी करने का निर्णय लिया गया। आज नतीजे जारी होने के साथ ही दोनों कक्षाओं की अस्थायी मेरिट लिस्ट भी जारी की जाएगी।

- दसवीं में 3 लाख 30 हजार और बारहवीं में 2 लाख 40 हजार छात्र हुए हैं शामिल

ऐसा है परीक्षार्थियों का गणित

कक्षा- दसवीं

नियमित छात्र
3 लाख 23 हजार 227

स्वाध्यायी छात्र
7 हजार 330

लड़कों की संख्या
1 लाख 50 हजार 17

लड़कियों की संख्या
1 लाख 80 हजार 536

कक्षा- बारहवीं

नियमित छात्र
2 लाख 34 हजार 294

स्वाध्यायी छात्र
6 हजार 774

लड़कों की संख्या
1 लाख 2 हजार 732

लड़कियों की संख्या
1 लाख 38 हजार 336

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सीयूईटी-यूजी परीक्षा स्थगित होने की संभावना

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)-स्नातक (यूजी) की आठ मई को होने वाली परीक्षा के स्थगित होने की संभावना है। नई तारीखों की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। परीक्षा गुरुवार को शुरू होने वाली थी, लेकिन एजेंसी ने अब तक विषयवार 'डेटशीट' की घोषणा नहीं की है।

आंधी बारिश से गई 14 की जान

अहमदाबाद। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान आंधी, बिजली गिरने और बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। आईएमडी ने आगामी कुछ दिनों तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

बाइक-कार की जोरदार टक्कर, छह की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले के मदनापुर क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल और कार की जबरदस्त टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर सवार रवि (20), आकाश (20), दिनेश (19) तथा अभिषेक (19) को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान चारों ने दम तोड़ दिया।

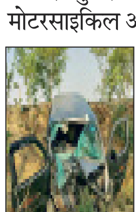

पुंछ में बस खाई में गिरी, दो की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में निजी यात्री बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 44 अन्य घायल हो गए। बस घानी गांव से मेंढर की ओर जा रही थी, तभी यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर मनकोट इलाके के संगरा के पास हुई।

दान की राशि हड़पी, थाना और चौकी प्रभारी निलंबित

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के शाहपुर क्षेत्र के एक गांव में मंदिर के दान की राशि हड़पने के आरोप में थाना और चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। शाहपुर थाना प्रभारी दीपक चौधरी और हरसोली पुलिस चौकी के प्रभारी गजेंद्र सिंह को हरसोली गांव के शिव मंदिर के दान की राशि हड़पने के आरोप में निलंबित किया गया है।

केंद्र सरकार की नई योजना शुरू, सात दिन के बाद उठाना होगा खर्च

सड़क हादसे के पीड़ितों का तुरंत होगा मुफ्त इलाज, 7 दिन में डेढ़ लाख तक की मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, (सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025) योजना पांच मई से लागू हो गई है। इस योजना का उद्देश्य समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है। अधिसूचना में कहा गया, किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) को पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। अधिसूचना में कहा गया, पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिए किसी भी निर्धारित अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख 50 हजार रुपये तक की राशि के कैशलेस उपचार का अधिकार होगा। अधिसूचना के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल पीड़ित की हालत स्थिर करने के उद्देश्य से और दिशानिर्देशों के अनुसार ही होगा।

▶▶|शेष पेज 7 पर

देश में सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारजनों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम की घोषणा की है। पीड़ितों को निर्दिष्ट अस्पतालों में पहले सात दिन के लिए डेढ़ लाख रुपए तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी।

कितना और कैसे मिलेगा इलाज?

सरकार के इस स्कीम का नाम 2025 कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम है। इसके तहत हर तरह के सड़क हादसे में घायल व्यक्ति का 1.5 लाख रुपये तक का इलाज करवाया जाएगा। इस स्कीम के तहत इलाज केवल 7 दिनों के लिए होगा। इसका यह मतलब है कि अगर आपको हादसे के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया, तो पहले 7 दिनों तक का इलाज फ्री में किया जाएगा।सड़क हादसे में घायलों का इलाज उन अस्पतालों में किया जाएगा, जिन्हें सरकार ने चुने हैं। अगर आप किसी और अस्पताल में इलाज के लिए जाते हैं, तो वहां पर सिर्फ स्टेबलाइजेशन ही इस स्कीम के तहत होगा और वो भी कुछ खास गाइडलाइन के हिसाब से होगा।

फाइल फोटो

कैशलेस इलाज स्कीम क्या है

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन एक नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि अगर कोई सड़क हादसा मोटर वाहन की वजह से होता है, तो उसमें घायल व्यक्ति का इलाज इस स्कीम के तहत किया जाएगा। इसके तहत घायल का कैशलेस इलाज किया जाएगा, चाहे उसके साथ हादसा किसी भी सड़क पर हुआ है। इसके लिए घायल को किसी तरह का कोई पेमेंट करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि सरकार और अस्पताल आपस में हिसाब करेंगे।

क्या फायदा होगा?

- इस स्कीम के शुरू होने के बाद हादसे के बाद घायल को इलाज को लेकर होने वाले पैसे की टेंशन नहीं होगी। इसके तहत अब 1.5 लाख रुपए तक का इलाज फ्री में मिलेगा।
- हादसे के तुरंत बाद अस्पताल में भर्ती होने के बाद शुरू के 7 दिन तक का इलाज फ्री में किया जाएगा, जो इमरजेंसी में बहुत काम आएगा।
- सरकार के चुने यानी डेजिग्नेटेड अस्पतालों में पूरा इलाज किया जाएगा, लेकिन बाकी जगहों पर बेसिक इलाज ही मिलेगा।
- इस स्कीम में सिर्फ मोटर वाहन से होने वाले हादसों पर लागू है। अगर हादसा किसी और वजह से हुआ, तो इसका लाभ नहीं मिलेगा।
- सात दिन से ज्यादा इलाज करवाने पर आपको उसके लिए पैसे खर्च करना पड़ेगा।

सेंट्रल जीएसटी की कार्रवाई

4 ट्रकों में लाखों का सरिया और पाइप, 46 लाख की पेनाल्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सेंट्रल जीएसटी की क्षेत्रीय ईकाई टीम ने 4 ट्रकों में भरे लाखों रुपए के अवैध माल को जब्त किया है। इन चारों ट्रकों में करीब 170 मीट्रिक टन टीएमटी बार (सरिया), एमएस एंगल और एमएस पाइप जैसे सामान शामिल हैं। यह चारों ट्रक रायपुर से मंडला और जबलपुर जा रहे थे। इनमें से किसी भी ट्रक के पास कोई कागजात नहीं थे। यह माल फर्जी ई-वे बिल और बिना ई-वे बिल के भेजा जा रहा था।

- ट्रकों में भरे थे टीएमटी बार (सरिया), एमएस एंगल और एमएस पाइप जैसे सामान

जीएसटी की टीम मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए ट्रांसपोर्टर, ट्रक मालिक और व्यापारियों को नोटिस जारी कर रही है। इसमें 46 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि डीजीजीआई (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी

▶▶|शेष पेज 7 पर

मंडला और जबलपुर जा रहा था माल

जिन चार ट्रकों को माल सहित पकड़ा गया है वे अलग-अलग ट्रांसपोर्ट की है। यह सारा सामान रायपुर से मंडला और जबलपुर जा रहा था। इसमें से एक गाड़ी मां शारदा रोडवेज रायपुर की, दूसरी गाड़ी वारसी रोड लाइंस दमोह (मप्र) की, तीसरी गाड़ी न्यू निर्मल रोडवेज मंडला (मप्र) की और चौथी गाड़ी एसआर ट्रेडिंग कंपनी सागर (मप्र)की है। एक ट्रक के ड्राइवर

▶▶|शेष पेज 7 पर

बर्फानी बाबा के अद्भुत दर्शन

07 फीट शिवलिंग की ऊंचाई

03 जुलाई से अमरनाथ यात्रा

09 अगस्त को संपन्न होगी यात्रा

जम्मू। जम्मू कश्मीर में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में हर साल प्राकृतिक रूप से बनने वाली हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार शिवलिंग ने बड़ा आकार लिया हुआ है। शिवलिंग की इस बार ऊंचाई करीब 7 फीट है। साल भर लाखों की तादाद में श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में बनने वाली इस हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर का इंतजार करते हैं।

38 दिनों की अमरनाथ यात्रा

आगामी 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। यह यात्रा करीब 38 दिनों तक चलकर 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

विवाह समारोह से लौटते वक्त हादसा

एसयूवी-ट्रैक्टर की टक्कर में आठ बारातियों की मौत

एजेंसी ▶▶| कटिहार

बिहार के कटिहार जिले में एसयूवी और ट्रैक्टर की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। हादसा सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि को समेली प्रखंड कार्यालय के पास हुआ, जब कार सवार लोग विवाह समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि हादसे के शिकार लोगों की पहचान के प्रयास जारी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर एक एसयूवी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर के बीच टक्कर में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

इनकी हो गई मौत

मृतकों की पहचान रूपेश राज (14), प्रिंस कुमार (18), टुनटुन कुमार (21), सिको कुमार, ज्योतिष कुमार (17), अजय कुमार (25), राधा मंडल (26) और धीरज पोद्दार (28) के रूप में हुई।

पानी ही नहीं, हवा में भी दुश्मन को देगा जवाब

दुश्मनों की उड़ेगी नींद, आ रहा आईएनएस तमाल!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान युद्ध के खौफ में है। पाकिस्तान को हर समय यह डर सताता रहता है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। पाकिस्तान की नेवी ने समुद्री रास्ते से पूरे मुल्क की घेराबंदी कर रखी है। पाकिस्तान युद्ध में भारत से जीतने के ख्वाब देख रहा है, लेकिन पाकिस्तान नौसेना को बार फिर मुंह की खानी पड़ सकती है, क्योंकि भारतीय नौसेना के बेड़े में मल्टी रोल स्टेल्श गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'तमाल' की एंट्री होने जा रही है। रूस में नौसेना के

▶▶|शेष पेज 7 पर

आईएनएस तमाल की खासियतें

आईएनएस तमाल की खासियतों पर बात करें तो इसे तलवार भी कहा जाता है।

समंदर में 30 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली 'तमाल' एक बार में 3000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।

'तमाल' को खासतौर पर एंटी सबमरीन वॉरफेयर के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

2016 में हुआ था समझौता

बता दें कि रूस और भारत के बीच 2016 में एक समझौता हुआ था, जिसके तहत रूस को 4 तलवार क्लास स्टेल्थ फ्रिगेट्स बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। 9 दिसंबर 2024 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना में शामिल किया था। अब इसी कड़ी में दूसरी वॉरशिप आईएनएस तमाल भी भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े का हिस्सा बनने जा रही है।

आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप

बता दें कि भारतीय नौसेना में तलवार क्लास के वॉरशिप 2003 से ही शामिल होने लगे थे। भारतीय नौसेना के पास इस क्लास के 6 जंगी जहाज मौजूद हैं। इनमें से 4 को ब्रह्मोस मिसाइल से लेस किया जा चुका है और 2 को ब्रह्मोस से लेस करने की तैयारी चल रही है। आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना का आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप होगा। इंडियन नेवी ने यह साफ कर दिया है कि इसके बाद कोई भी वॉरशिप बाहर से नहीं खरीदा जाएगा।

Accredited By USA | INDIA

WOCKHARDT HOSPITALS Mumbai Central | LIFE WINS

वोक्हार्ट हॉस्पिटल्स, मुंबई सेंट्रल के प्रसिद्ध लिव्हर ट्रान्सप्लांट, एचपीबी अँड जीआय सर्जन अब रायपूर मे

डॉ. स्वप्निल शर्मा

एमबीबीएस, एमएस (जनरल सर्जरी), डीएनबी (जीआय सर्जरी)
फेलोशिप इन लिवर ट्रांसप्लांट अँड एचपीबी सर्जरी
कंसल्टंट लिवर ट्रांसप्लांट, एचपीबी अँड जीआय ऑन्को सर्जरी

विशेषज्ञता

- लिव्हर ट्रान्सप्लांटेशन (लिव्हिंग डोनर, डिसीजड डोनर, एबीओ इनकंपॅटिबल ट्रान्सप्लांट्स)
- हेपॅटोबिलिअरी सर्जरी
- पॅन्क्रिएटिक कॅंसर सर्जरी
- गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ऑन्को सर्जरी
- मल्टी-विसरल रिसेक्शन
- पोर्टल हायपरटेंशन सर्जरी (शंट सर्जरी)
- लिवर रिसेक्शन
- पॅन्क्रियाटाइटिस सर्जरी

लिव्हर वेलनेस क्लीनिक ओपीडी

हर महिनेका दुसरा शनिवार (10 मई 2025)

सुयश हॉस्पिटल
सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक
कोटा, रायपूर, छत्तीसगढ

आस्था डायग्नोस्टिक्स
दोपहर 3:00 से शाम 5:00 बजे तक
लालगंगा बिझनेस पार्क के सामने, न्यु धमतरी रोड, पचपेडी नाका, रायपूर (सीजी), छत्तीसगढ

अपॉईमेंट के लिए संपर्क करें 022-6178 4478

पानी पर बसा है ये अनोखा गांव, नाव पर ही लगता है बाजार

जोहानबर्ग। दुनिया में आपने कई अनोखे गावों के बारे में सुना और पढ़ा होगा। इन गावों के अलग-अलग खासियत और पहचान होती है। लेकिन, क्या आपने कभी पानी पर तैरते गांव के बारे में सुना है? नहीं तो आज हम आपको एक गांव के बारे में बताएंगे, जो पानी पर बसा हुआ है। अफ्रीका में एक बस्ती है, जिसका गनवी है। यह स्लम बेनिन में स्थित है। इसे अफ्रीका का वेनिस भी कहा जाता है। यहां के जलमार्ग पर खूबसूरत नाव चलती हैं। यह देखने में वेनिस की तरह लगता है, लेकिन यहां के घर उससे बिल्कुल लग हैं। इस गांव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

क्या हैं गांव में सुविधाएं?

इस गांव में हाथों से बने सामान बिकते हैं। यहां पर पानी पर तैरता बाजार भी है। टाउनशिप में जमीन भी है, जहां पर यहां रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल बनाया गया है। यहां पर एक बैंक, डाकघर, एक चर्च, मस्जिद और मेडिकल सुविधा भी है। सबसे बड़ी बात है कि कब्रिस्तान बनाने के लिए ग्रामीणों को बड़ी मात्रा मिट्टी लानी पड़ती है।

मछली पकड़ते हैं लोग

गांव के अधिकतर लोग मछली पकड़ने का काम करते हैं। इसके साथ ही आने वाले पर्यटक यहां के लोगों की कमाई का जरिया है। यहां पर मछुआरे बांस और जाल के जरिए कई तकनीक का इस्तेमाल कर मछली पकड़ते हैं। मैदानी इलाकों में जमीन लेकर कुछ लोग जानवर भी पालते हैं। पानी पर ही कुछ रेस्टोरेंट हैं, जिनमें खाना मिलता है।

रोचक खबरें

शादी के बाद भी नहीं भुला सकी पहला प्यार! पति को छोड़ खुद बारात लेकर पहुंच गई प्रेमी के घर

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले से शादी का अजब-गजब मामला सामने आया है। जौनपुर जिले के तेजीबाजार क्षेत्र में एक युवती अपने प्रेमी से शादी करने के लिए खुद बारात लेकर उसके घर पहुंच गई। युवती की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। मामला भटौली गांव का है, जहां निवासी बनवारी लाल गौतम के पुत्र अजय कुमार गौतम और खुटहन थाना क्षेत्र के बड़सरा पिलकिछा गांव की रहने वाली शिवकुमारी के बीच प्रेम संबंध थे। अजय की बहन की शादी शिवकुमारी के गांव में हुई थी, जिसके चलते अजय का वहां आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान शिवकुमारी और अजय के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे यह रिश्ता गहरे प्रेम में तब्दील हो गया। हालांकि, जब दोनों ने शादी का इरादा जताया तो लड़की के परिजनों ने इसका विरोध किया। जानकारी के अनुसार, पिछले महीने शिवकुमारी की शादी किसी और जगह कर दी गई, लेकिन पुराना प्रेम उसे चैन से जीने नहीं दिया। शादी के महज तीन महीने बाद ही वह अपने ससुराल से मायके लौट आई और अपने पहले प्रेमी अजय से दोबारा संपर्क किया। शिवकुमारी की जिद और प्रेम को देखते हुए उसके परिजनों ने अंततः अजय से शादी कराने का फैसला लिया, लेकिन लड़के पक्ष ने बारात ले जाने से साफ इनकार कर दिया।

डांस करते-करते दुल्हन ने तोड़ा दम अचानक मुंह के बल धड़ाम से गिरी

बदायूं । शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गई, जब हल्दी की रस्म के दौरान डांस करती हुई दुल्हन दीक्षा की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही पलों में उसकी मौत हो गई। यह दिल दहला देने वाली घटना बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के नूरपुर पिनौनी गांव की है, जहां आज बारात आनी थी, लेकिन उससे पहले ही घर से बेटी की डोली की बजाय उसकी अर्थी उठी। दीक्षा अपने घर में चार भाइयों में इकलौती और सबसे बड़ी संतान थी। वह इस्लामनगर के एक डिग्री कॉलेज से बीए की

पढ़ाई कर रही थी। रविवार को हल्दी की रस्म के दौरान वह अपनी बहनों और रिश्तेदारों के साथ खुशी-खुशी डांस कर रही थी। तभी उसे अचानक घबराहट हुई और वह वॉशरूम चली गई। कुछ ही मिनटों बाद जब वह बाहर नहीं आई, तो परिवार ने दरवाजा तोड़कर देखा दीक्षा ज़मीन पर बेसुध पड़ी थी और उसकी सांसें थम चुकी थीं। परिजनों ने तुरंत गांव के चिकित्सक को बुलाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दीक्षा की मां सरोज देवी ने बताया कि जब उन्होंने बेटी को उठाया, उसकी गर्दन अकड़ चुकी थी। मौके पर पहुंचे डॉक्टर ने दिल का दौरा (हार्ट अटैक) बताया। दीक्षा पहले से दिल की बीमारी से पीड़ित थी और उसका इलाज दिल्ली से चल रहा था। दुल्हन की मौत की खबर से घर में कोहराम मच गया। जहां बारात के स्वागत की तैयारियां होनी थीं, वहीं हर तरफ मातम और सन्नाटा पसर गया।

19 साल बाद बोर हुए पति-पत्नी, एक दूसरे की मर्जी से चलाया अफेयर!

ब्रासीलिया हवे। भारतीय परंपरा में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं है, बल्कि दो आत्माओं का मिलन है। ये जन्मों-जन्मों का साथ होता है मगर विदेशों में शादी को मजाक बना दिया गया है। लोग लंबे वक्त तक एक दूसरे के साथ रहते-रहते बोर हो जाते हैं। अब तो एक नए किस्म का चलन शुरू हुआ है। विदेशों में पति-पत्नी एक दूसरे की अनुमति के साथ अफेयर करते हैं और शादी में रहते हुए गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड भी बना लेते हैं। एक ब्राजील की फैमिली ने भी कुछ ऐसा ही किया, जिसने कभी को

हैरान कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार 41 साल की केल मैसेटारे और उनके 42 साल के पति ब्रूनो कॉर्डिस्को ब्राजील के फ्लोरियानोपॉलिस में रहते हैं। दोनों की मुलाकात हाई स्कूल में हुई थी. दोनों को प्यार हुआ और उन्होंने शादी कर ली. दोनों के 2 लड़के हैं, 19 साल का हेनरी और 13 साल का हेक्टर. शादी को 19 साल के ज्यादा हो गए, और अब स्थिति ये आ चुकी है कि दोनों एक दूसरे के साथ से बोर होने लगे हैं। जीवन में रोमांच लाने के लिए उन्होंने बड़ा ही अजीबोगरीब तरीका सोचा। दोनों ने पॉलीएमरी के कॉन्सेप्ट को अपनाने के बारे में सोचा। रिलेशनशिप के इस कॉन्सेप्ट के जरिए एक शख्स अपने पार्टनर की मंजूरी से कई रोमैंटिक रिश्ते में रहता है, इस रिश्ते में जुड़े किसी भी व्यक्ति को इस बात से समस्या नहीं होती। दोनों ने बाहर अपने-अपने लिए पार्टनर खोज लिया। केल ने कहा कि वो पहले ऐसे रिश्ते के लिए तैयार नहीं थीं, उन्हें लग रहा था कि वो अपनी शादी को खत्म कर लें।

दुनियाभर में होगा हिंदू धर्म का राज? भारत-पाक युद्ध और हिंदू धर्म पर नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता 'माइकल दि नास्त्रेदमस' की ज्यादातर भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। इसकी वजह से उनकी भविष्यवाणियों पर पूरी दुनिया यकीन करती है। नास्त्रेदमस ने अपनी किताब लेस प्रोफेटिज में भविष्यवाणियां की थीं जिनमें से अधिकतर सच साबित हुई हैं। नास्त्रेदमस ने भारत और हिंदू धर्म को लेकर भी भविष्यवाणी की थी, जिसकी इन दिनों काफी चर्चा है।

हिंदू धर्म का होगा उत्थान

नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में कहा है कि हिंदू धर्म का उत्थान होगा। उनकी

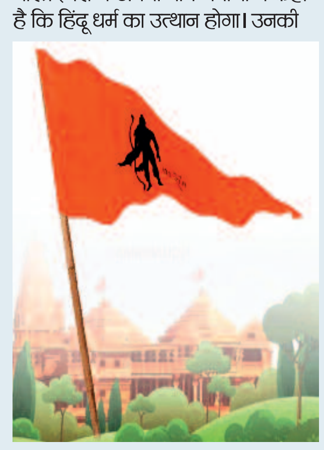

भविष्यवाणी के मुताबिक, दक्षिण भारत का एक नेता पूरी दुनिया पर छा जाएगा। इसके साथ ही रूस जैसा शक्तिशाली देश भी हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार करेगा। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी के मुताबिक, 21वीं सदी में भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के तौर पर उभरेगा और भारतीय संस्कृति, वेदांत और योग का प्रचार प्रसार पूरी दुनिया में होगा।

भारत को रहना होगा तैयार, पाक कर सकता है आश्चर्यचकित

नास्त्रेदमस ने भारत पाकिस्तान को लेकर अपनी भविष्यवाणी में कहा था कि भारत को तैयार रहना चाहिए वरना हाथी यानी पाकिस्तान अपनी सेना के साथ उसे आश्चर्यचकित कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने साल 2025 के लिए कहा कि इस साल भीषण गर्म हवाएं चलेंगी। गर्मी बहुत अधिक पड़ेगी। यूरोप पर जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। नास्त्रेदमस का जन्म फ्रांस के छोटे-से गांव सेंट रेमी में 14 दिसंबर, 1503 को हुआ था और 1566 में उनकी मौत हो गई थी। उन्होंने साल 2025 के लिए भी कई डरावनी भविष्यवाणियां की थीं। इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है। दुनिया भर में आशंका जताई जा रही है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही युद्ध छिड़ सकता है। एशिया और यूरोप के कई छोटे-छोटे देशों के बीच भी इन दिनों बेहद तनावपूर्ण माहौल है। बांग्लादेश और श्रीलंका में अंसतोष की स्थित है।

शत्रुओं का सफाया करेगा महान हिंदू नेता

दुनिया में दक्षिण भारत ही एकमात्र ऐसा प्रायद्वीप है जहां पर तीन समुद्र एक साथ मिलते हैं। नास्त्रेदमस ने कहा है कि महान हिंदू नेता जो शत्रुओं का सफाया करेगा, वह एक दक्षिण भारतीय होगा जो गुरुवार के दिन को बहुत मानेगा और पूजा पाठ करेगा। सिर्फ हिंदू ही हैं, जो गुरुवार को पवित्र मानते हैं। उनकी भविष्यवाणी के मुताबिक, विजेता नेता पूरे एशिया को एक साथ जोड़कर रखेगा।

धरती पर कैसे निकला था सोना? भारत में कहां से आई ये बेशकीमती चीज

नई दिल्ली। सोना दुनियाभर की सबसे कीमती धातुओं में से एक है। भारत में शुभ अवसरों पर सोना पहनने की परंपरा भी है। कीमती होने के कारण आए दिन सोने की कीमतों में उछाल भी होता रहता है। क्या आपके मन में कभी सवाल उठा है कि आखिर धरती पर सोना कहां से आया?

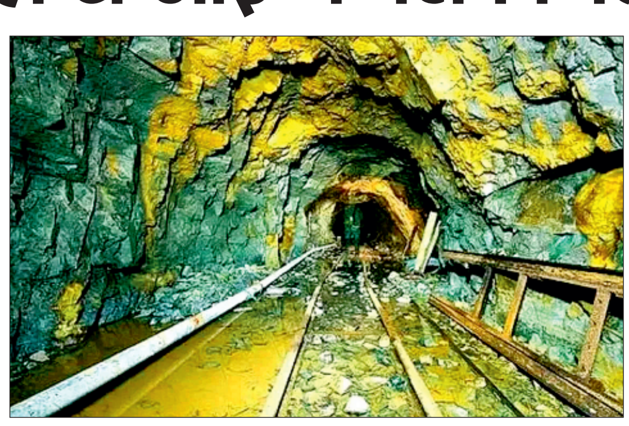

भारत में कैसे आया सोना?

दुनियाभर में गोल्ड प्रिजर्व स्टोर की बात करें तो भारत इसमें सबसे आगे है। भले ही हमारी नदियों में सोने के कण नहीं पाए जाते हैं, लेकिन हमारे पास काफी सोना है। दरअसल, सालों से भारत के व्यापारी विदेशों में कपड़ा, मसाले और कलाकृतियां बेचा करते थे। उस वक्त सोना बेहद जरूरी होता था। सामानों को बेचने के बदले व्यापारियों को खूब सोना मिलता था। भारत में सदियों से व्यापार के जरिए सोना-चांदी आता रहा है। ऐसा करते-करते हमारा देश गोल्ड का प्रिजर्वर बन गया। आज के समय में भारत के पास लगभग 10000 टन से अधिक सोना है।

उल्का वर्षा के कारण मिला सोना

धरती पर हमेशा से सोना मौजूद नहीं था। वहीं, पूरे ब्रह्मांड में गोल्ड सुपरनोवा न्यूक्लियो सिंथेसिस के जरिए सोना बन जाता है। पृथ्वी पर जो सोना पाया जाता है वो आज से अरबों साल पहले हुई उल्का वर्षा के कारण मिला है। माना जाता है कि आज से लगभग 4 अरब साल पहले हमारी पृथ्वी धीरे-धीरे ठंडी होने लगी थी। इस दौरान पृथ्वी पर मौजूद धातुएं ठंडी होकर धरती के आसपास जमने लगीं।

समुद्र में पहुंचा सोना

जमीन की बाहरी परत का घनत्व प्रति घन सेंटीमीटर 2.6 ग्राम है, जिसके चलते मैग्नीशियम, एलुमिनियम, पोटेशियम, कैल्शियम और सोडियम जैसे तत्व इसके ऊपरी सतह पर अभरकर आने लगे। ये तत्व काफी हल्के थे. वहीं तांबा, मर्क्यूरी, शीशा, प्लेटिन और लोहा जैसी भारी धातुएं पाताल में चली गईं। धरती पर प्लेट्स की चहल-पहल के कारण ज्वालामुखी विस्फोट होने लगा, जिससे अंदर मौजूद धातू उछलकर पृथ्वी की सतह पर आने लगे। धीरे-धीरे ज्वालामुखी के पिघलने से सोने के कण समुद्रों और नदियों में जाने लगे। ये कण इतने छोटे होते थे कि इन्हें हासिल करने में काफी मेहनत और समय लगता था।

यहां रुपए नहीं, 'राम नाम' की जमा होती है संपत्ति, अब तक 55 करोड़ बार लिखा गया भगवान का नाम

छतरपुर। दुनिया में आपने कैश, क्रिप्टो, सोना-चांदी वाला बैंक तो खूब देखा होगा, लेकिन क्या कभी ऐसा बैंक सुना है जहां संपत्ति के नाम पर सिर्फ 'श्री सीताराम' लिखा जाता है? छतरपुर जिले के प्रताप सागर तालाब के पास एक अनोखा बैंक चल रहा है श्री सीताराम बैंक, जो भक्ति और श्रद्धा की जमा-पूंजी का खाता रखता है। कोरोना काल में जब दवा और दौलत दोनों ने जवाब दे दिया था, तब इस बैंक की नींव रखी गई थी। इसका उद्देश्य एक ही था ईश्वर के नाम से बड़ा कोई धन नहीं! इस खास पहल की शुरुआत बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री और अन्य संतों ने की थी। इस बैंक में 250 से अधिक भक्तों ने खाता खुलवाया है। इन खातों में पैसों की बजाय 'राम नाम' लिखा जाता है। हर सप्ताह, हर पखवाड़े, या महीने में भक्त पासबुक लेकर आते हैं और जो रामनाम लिखा होता है, उसे जमा करते हैं। बैंक प्रबंधन उसका रिकॉर्ड रखता है। बैंक के संचालक पवन मिश्रा के अनुसार, अब तक कुल 55 करोड़ बार राम-नाम लिखा जा चुका है जो कि बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे अधिक है। पवन मिश्रा बताते हैं कि इस बैंक की पहुंच सिर्फ छतरपुर तक सीमित नहीं है। कर्नाटक, दिल्ली और यहां तक कि नेपाल से भी भक्त इस बैंक में राम नाम निधि जमा करने आते हैं। बैंक की तरफ से हर खाताधारक को पासबुक दी जाती है, जिसमें श्रीराम नाम लेखन की प्रविष्टि की जाती है।

3200000 किमी प्रति घंटे से आया मरा हुआ तारा ब्रह्मांड के 'सांप की हड्डी' को 2 टुकड़ों में तोड़ा

वॉशिंगटन। 3.2 मिलियन किमी/घंटा की गति से यात्रा करने वाले मरे तारे ने ब्रह्मांडीय 'सांप' में टक्कर मारकर उसे तोड़ दिया है। यह हम नहीं कह रहे हैं, जबकि इसपर एक रिपोर्ट आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमारी आकाशगंगा में एक विशाल 'सांप' जैसी संरचना है, जिसे वैज्ञानिक 'हड्डी' कहते हैं। यह 230 प्रकाश वर्ष लंबी संरचना हाल ही में दो जगहों पर टूट गई है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि इन टूटनों के पीछे एक मरे हुए तारे, यानी 'पल्सर' की जबरदस्त टक्कर हो सकती है, जो 32 लाख किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भाग रहा था। इस टक्कर ने न सिर्फ इस 'सांप' को तोड़ा, बल्कि उसमें से रहस्यमयी रेडियो और एक्स-रे सिग्नल भी निकलने लगे। यह खोज नासा के चंद्रा एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी, दक्षिण अफ्रीका के मीरकैट रेडियो टेलीस्कोप और न्यू मैक्सिको के वेरी लार्ज ऐरे ने मिलकर की है।

आकाशगंगा की 'हड्डियां' क्या हैं?

इस विशाल संरचना का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारी आकाशगंगा में लगभग 20 ऐसी संरचनाएं हैं, जिन्हें आकाशगंगा की 'हड्डी' के रूप में भी जाना जाता है, ये हमारी गैलेक्सी के सर्पिल भुजाओं (स्पाइरल आर्म्स) से जुड़ी सबसे सघन संरचनाएं हैं। ये तारों के जन्म और विशाल गैस बादलों (जाइंट मॉलिक्यूलर क्लाउड्स) की गतिविधियों को जोड़ने का काम करती हैं। यह खास 'सांप', जिसे जी359.13 भी कहते हैं, आकाशगंगा के केंद्र के पास है और 230 प्रकाश वर्ष की लंबाई के साथ सबसे बड़ी 'हड्डियों' में से एक है। इस बारे में नासा के चंद्रा एक्स-रे लैब ने किया है।

टूटा हुआ 'सांप' और रहस्यमयी सिग्नल

वैज्ञानिकों ने जब इस 'सांप' को गौर से देखा, तो पाया कि यह दो जगहों पर टूटा हुआ है। इन टूटे हिस्सों से अजीब रेडियो तरंगें और एक्स-रे निकल रहे थे. जांच करने पर पता चला कि इनमें से एक टूटने की शायद एक वजह पल्सर की वजह से हुई है। पल्सर एक ऐसा मरा हुआ तारा होता है, जो बहुत छोटा लेकिन बेहद भारी होता है। यह तेजी से घूमता है और रेडियो किरणें छोड़ता है, जैसे कोई लाइटहाउस।

कैसे हुई टक्कर?

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह पल्सर 16 से 32 लाख किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इस 'सांप' से टकराया। इस टक्कर ने 'सांप' के अंदर मौजूद चुंबकीय क्षेत्र को हिला दिया, जिससे रेडियो सिग्नल बिगड़ गए और एक्स-रे किरणें निकलने लगीं। इस टक्कर की वजह से इलेक्ट्रॉन और उनके एंटीमैटर पार्टिकल, पॉजिट्रॉन, भी तेजी से हिलने लगे, जिससे और सिग्नल बने। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस 'सांप' की मुख्य टूटन तो पल्सर की टक्कर से हुई, लेकिन दूसरी टूटन का कारण वही पल्सर है या कुछ और, यह अभी पक्का नहीं है।

MARUTI SUZUKI
NEXA
BOLDER THE MOVE.
BIGGER THE IMPACT.
Stand out from the crowd in NEXA's bold premium hatchback, the New Age Baleno.
BALENO
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
1st in Segment
360 VIEW CAMERA
1st in Segment
HEAD UP DISPLAY
6 AIRBAGS^
IN-BUILT SUZUKI CONNECT
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
BENEFITS UP TO ₹ 67 500**
ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
Contact us at
1800-200-6392
1800-102-6392
For any bulk purchase enquiries please email to renjith.nair@maruti.co.in
** For detailed T&C kindly visit nearest dealership. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice and offers may vary across variants. Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of financier. *3 years or 100 000 km – whichever is earlier. Scrappage offer valid for limited period only and is brought to you by Maruti Suzuki Toyotsu India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). **Above offers are valid till 31st May 2025. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. #Regal Edition kit is available for ₹ 5000 in non-sigma variants.

चिंतन

सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए कैशलेस योजना वरदान

देश में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को निर्दिष्ट अस्पतालों में पहले सात दिन के लिए डेढ़ लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मानव सुरक्षा के लिहाज से जनकल्याणकारी कदम है। विश्व में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं भारत में होती हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं, ये सालाना स्तर पर प्रति वर्ष करीब 12 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। प्रति वर्ष औसत 4.5 लाख से अधिक सड़क हादसे हो रहे हैं। इनमें करीब दो लाख लोगों की अकाल मृत्यु हो जाती है और करीब 4.5 लाख लोग घायल हो जाते हैं। मौतों में 9 फीसदी व घायलों में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। सड़क दुर्घटना के बाद अगर पीड़ितों को जल्द अस्पताल पहुंचा दिया जाय तो हजारों लोगों को मौत से और लाखों लोगों को अपंग होने से बचाया जा सकता है। देखा गया है कि सड़क दुर्घटना के सबसे अधिक शिकार परिवार के कामकाजी व युवा होते हैं। इसलिए हादसे का समाज पर आर्थिक असर गहरा है। ऐसे में पांच मई से लागू सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना घायलों की जीवनरक्षा के लिए वरदान साबित होगी। अक्सर देखा जाता है कि पैसे के चलते अस्पताल इलाज करने में आनाकानी करते हैं। सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए नकदी रहित इलाज योजना व्यापक प्रभाव पैदा करेगी। इस योजना का उद्देश्य समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने के कारण हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करना है और पीड़ितों को संभावित स्थाई अपंगता से बचाना है। देशभर में किसी भी सड़क पर मोटर वाहन से दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा। इस योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में उपचार केवल पीड़ित की हालत स्थिर करने के उद्देश्य से और दिशानिर्देशों के अनुसार ही होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) को पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय कार्यक्रम के लिए कार्यान्वयन एजेंसी बनाया गया है। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी और निर्दिष्ट अस्पतालों को शामिल करने, पीड़ितों के उपचार, उपचार पर निर्दिष्ट अस्पताल को भुगतान एवं संबंधित मामलों के लिए पोर्टल को अपनाने तथा उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समन्वय करने को लेकर जिम्मेदार होगी। सरकार ने योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सड़क सचिव के अधीन 11 सदस्यीय एक संचालन समिति भी गठित की है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च, 2024 को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए चंडीगढ़ में एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे बाद में छह राज्यों तक विस्तारित किया गया। हाल में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि वर्ष 2023 में 4.80 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई। देश में 5 साल में सड़क हादसों में 7.77 लाख मौतें हुई हैं। वर्ष 2021 तक एक दशक में करीब 13 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु सड़क हादसे में हुई व 50 लाख लोग घायल हुए थे। सरकार ने वर्ष 2024 तक सड़क हादसे में 50 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य रखा था, पर यह नहीं हो सका। देर से ही सही, पर सरकार जागी है और हादसे पीड़ितों के इलाज के लिए कैश्लेस योजना लेकर आई, लेकिन इस योजना के दुरूपयोग को रोकने के उपाय भी सुनिश्चित करने होंगे।

सोशल मीडिया

सुनील कुमार महला

ट्रोलर्स दूसरों की निजता व गरिमा का भी ख्याल रखें

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले में अपने पति, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को खोने वाली हिमांशी नरवाल को हाल ही में ट्रोलर्स ने निशाना बनाया। दरअसल, वह लगातार शांति की अपील कर रही थी और उन्होंने पत्रकारों के सामने यह बात कही थी कि-'हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जाएं। हम शांति चाहते हैं और केवल शांति। बेशक, हम न्याय चाहते हैं, जिन्होंने ग़लत किया है उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए।' यह बहुत ही अफसोसजनक है कि मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ नफरत न फैलाने की अपील करने वाली हिमांशी नरवाल को ट्रोलर्स द्वारा निशाना बनाया गया और उन पर अभद्र टिप्पणियां की गईं, यहां तक कि उन्हें हिंसा की धमकियां भी दी गईं। हिमांशी नरवाल ही नहीं, एक बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोगों की मर्यादाहीन भाषा पर एतराज जताने वाली शैला नेगी को भी अभद्र टिप्पणियों और धमकियों का सामना करना पड़ा। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि नैनीताल में मचे बवाल (मुस्लिमों को गाली दे रहे प्रदर्शनकारियों से भिड़ने पर) के बीच एक स्थानीय महिला शैला नेगी का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। वीडियो के वायरल होने के बाद शैला नेगी को रेप तक की धमकी दी गई। बहरहाल, इससे बड़ी बात भला और क्या हो सकती है कि सोशल मीडिया आज धमकियों का प्लेटफार्म बन चुका है। वास्तव में, सोशल मीडिया पर आज किसी को भी ट्रोल करना, किसी व्यक्ति विशेष पर ऊल-जलूल और अभद्र टिप्पणियां करना, धमकियां देना, जो भी मन में आए वह कंटेंट डाल देना जैसी बातें आम हो चली हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में हम पाश्चात्य संस्कृति में जीने लगे हैं और भारतीय संस्कृति और इसके नैतिक मूल्यों, आदर्शों और प्रतिमानों को लगातार भूलते चले जा रहे हैं। सच तो यह है कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ ही आज हमारे समाज से नैतिक मूल्यों में निरंतर गिरावट देखी जा रही है। आज सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से लोगों में सहानुभूति की कमी, साइबर बुलिंग (बिना किसी डर के दूसरों को निशाना बनाना) और व्यक्तिगत जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। लोग अब अपनी निजता का सम्मान नहीं करते हैं और दूसरों की भावनाओं की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते हैं कि वे एक सार्वजनिक मंच पर क्या कह रहे हैं और वास्तव में उन्हें क्या कहना चाहिए और क्या नहीं कहना चाहिए तथा इसका समाज और देश पर क्या और किस कदर प्रभाव पड़ सकता है? वास्तव में होना तो यह चाहिए कि सोशल मीडिया पर हम दूसरों के प्रति सम्मान और सहानुभूति दिखाएं, और उनके विचारों का सम्मान करें। सोशल मीडिया पर ग़लत सूचनाओं, जानकारी को शेयर ना करें और सोशल मीडिया पर अपने समय को सीमित करते हुए हम व्यक्तिगत जीवन को प्राथमिकता दें। आज ट्रोलर्स सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर ऐसा बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मर्यादा नहीं टिकती। हिमांशी नरवाल और शैला नेगी इसी ट्रेंड का शिकार हुई। वास्तव में ट्रोलर्स को अपनी बात रखने, अपनी अभिव्यक्ति देने की अपनी आजादी तो नजर आती है, लेकिन इस दौरान उन्हें सामने वाले के अधिकार और उसकी गरिमा, नैतिकता आदि का ध्यान नहीं रहता। यह बात ठीक है कि किसी व्यक्ति विशेष की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन, सभ्य व नैतिकता को ध्यान में रखने वाला होना चाहिए। वास्तव में सोशल मीडिया पर कंटेंट जानकारी परक, अच्छा, प्रासंगिक, विशिष्ट, मर्यादित होना चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि सोशल मीडिया पर अमर्यादित और अभद्र भाषा का इस्तेमाल तो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। हमें यह याद रखना चाहिए कि सोशल मीडिया का दायरा बहुत ही व्यापक है और जब हम कोई बात ऐसे मंच पर कहते हैं तो यह बहुत दूर तक जाती है। इसलिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर हमेशा सतर्क व पूर्ण जागरूक रहना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि हिमांशी नरवाल और शैला नेगी को सोशल मीडिया पर सपोर्ट करने वाले लोग नहीं हैं लेकिन दुखद बात यह है कि ग़लत चीजों को सपोर्ट करने वाले लोग आज कहीं अधिक नजर आते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के सही उपयोग पर गाइडलाइंस बनाईं जाएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपनी सामग्री पर निगरानी रखने और गलत सूचना को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। वहीं,आम आदमी को भी चाहिए कि वे सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को समझें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्लेषण

कृष्ण प्रताप सिंह

भारत से दुश्मनी पाक के डीएनए में

भारत से दुश्मनी पाकिस्तान के डीएनए में शामिल है और इस दुश्मनी का अक्लमंदी से विलोम सम्बन्ध है। तभी तो उसके लिए इशारा तो क्या, वह 'सीख' भी काफी नहीं सिद्ध हो पा रही, जो उसके राष्ट्रपति (सदर) फील्ड मार्शल अयूब खां ने भारत से 1965 के युद्ध में तब दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने उन्हें दिन में तारे दिखाते हुए अपनी सेनाएं लाहौर तक पहुंचा दी थीं। भारत पर नाहक हमले के अपने दुस्साहस का ऐसा जवाब पाकर अयूब खां ने अपने मंत्रियों से कहा था कि मैं पाकिस्तान 50 लाख कश्मीरियों के लिए 10 करोड़ पाकिस्तानियों की ज़िंदगी कभी ख़तरे में नहीं डालेगा, लेकिन पाक तभी से इसे समझने से लगातार इनकार करता रहा है।

कहावत है कि अक्लमंद के लिए इशारा काफी होता है, लेकिन यह कहावत जैसे पाकिस्तान पर लागू नहीं होती। इसलिए कि भारत से दुश्मनी उसके डीएनए में शामिल है और इस दुश्मनी का अक्लमंदी से विलोम सम्बन्ध है। तभी तो उसके लिए इशारा तो क्या, वह 'सीख' भी काफी नहीं सिद्ध हो पा रही, जो उसके राष्ट्रपति (सदर) फील्ड मार्शल अयूब खां ने भारत से 1965 के युद्ध में तब दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के नेतृत्व में भारत ने उन्हें दिन में तारे दिखाते हुए अपनी सेनाएं लाहौर तक पहुंचा दी थीं। भारत पर नाहक हमले के अपने दुस्साहस का ऐसा जवाब पाकर अयूब खां की घिग्घी कुछ इस तरह बंध गई थी कि वे अपने मंत्रिमंडल की बैठक में भी उसका बंधना नहीं भुला पाये थे। तब उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा था कि मैं चाहता हूँ कि यह समझ लिया जाए कि पाकिस्तान 50 लाख कश्मीरियों के लिए 10 करोड़ पाकिस्तानियों की ज़िंदगी कभी ख़तरे में नहीं डालेगा...कभी नहीं। लेकिन पाकिस्तान तभी से इसे समझने से लगातार इनकार करता रहा है।

दरअसल, 22 दिनों के उस युद्ध में पाकिस्तान के 3,800 सैनिक मारे गए थे और भारत ने उसके 1840 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया था। अयूब के लिए यह कब्जा सर्वथा अकल्पनीय था क्योंकि हमले से पहले उन्होंने सोचा था कि जो भारत अभी तीन साल पहले चीन से लड़कर बुरी तरह मुंह की खा और भारी नुक़सान उठा चुका है, उसका मनोबल इतना कम होगा कि पाकिस्तान के सामने दो दिन भी मुश्किल से टिक पायेगा।

अयूब लाल बहादुर शास्त्री के ठिगने कद को लेकर प्रायः उनका मजाक उड़ाया करते और कहा करते थे कि यह आदमी तो बात करने लायक ही नहीं है। इसीलिए उन्होंने हमले से पहले प्रस्तावित अपनी दिल्ली यात्रा रद कर दी थी और शास्त्री जी पाकिस्तान गये तो उनका यथोचित आदर भी नहीं किया था। वे इस गुमान में फूले हुए थे कि उनके हमले के बाद शास्त्री भारत की सेनाओं को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराने या उनसे लाहौर की तरफ नया मोर्चा खुलवाने का सपना तक नहीं देख पायेंगे, जबकि पाक चहलकदमी करते हुए दिल्ली पहुंच जायेगा। दरअसल, 1947-48 के प्रथम जम्मू-कश्मीर युद्ध में अयूब का देश गिलगिट व बाल्टिस्तान समेत कश्मीर के लगभग एक तिहाई हिस्से पर कब्जा जमाकर उसे बरकरार रखने में कामयाब हो गया था, क्योंकि 01 जनवरी,1949 को संयुक्त राष्ट्र संघ का युद्धविराम प्रस्ताव औपचारिक तौर पर लागू होने तक भारत की सेनाएं वहां से उसे खदेड़ नहीं पाई थीं। जहां तक खदेड़ पाई थी, संयुक्त राष्ट्र संघ ने वहीं तक भारत की नियंत्रण रेखा बना दी थी। यह और बात है कि अपने हजारों सैनिक खोकर पाक को इस कब्जे की बड़ी क़ीमत चुकानी पड़ी थी। अयूब को लगता था कि 1965 में पाक सेनाएं कहीं ज्यादा तेजी से भारतीय इलाके पर कब्जा कर लेंगी और भारत के उनको पीछे हटा पाने से पहले ही युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ जायेगा और एक नई वास्तविक नियंत्रण रेखा बन जायेगी। लेकिन जिन शास्त्री जी को वे सटियाते नहीं थे, उनके द्वारा युद्ध के दौरान निष्कंप भाव से और तेजी से लिये गये फ़ैसलों ने अंततः अयूब को नानी याद दिला दी। शास्त्री जी ने भारतीय सेनाओं से कहा कि वे देश की रक्षा के लिए कुछ भी उठा न रखें और उन्हें

सिर्फ यह बतायें कि इसके लिए उन्हें क्या-क्या चाहिए। उनकी इस सदाशयता के उत्साह से भरी भारतीय सेना ने छह सितंबर,1965 की सुबह अमृतसर के रास्ते पाकिस्तानी पंजाब में घुसकर लाहौर तक पहुंचने का अपना अभियान शुरू किया तो दुश्मन को उसकी भनक तक नहीं लगने दी और कुछ ही घंटों में डोगराई के उत्तर में बड़े क्षेत्र पर क़ब्ज़ा कर इच्छोगिल नहर को पार कर लिया। अयूब ख़ां को इसकी खबर हुई तो उनकी आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा।

उन्होंने आईएसआई के प्रमुख ब्रिगेडियर रियाज़ हुसैन को फ़ोन किया तो पाया कि इस बाबत उन्हें कोई जानकारी ही नहीं थी। बहरहाल, इसके बाद मजाक उड़ाने की बारी शास्त्री जी की थी। 26 सितंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पर एक सभा में उन्होंने कहा, 'सदर अयूब ने एलान किया था कि वे दिल्ली तक चहलक़दमी करते हुए पहुंच जाएंगे। वो इतने बड़े आदमी हैं, लहीम-शहीम हैं। मैंने सोचा कि उनको दिल्ली तक पैदल चलने की तकलीफ़ क्यों दी जाए। हम ही लाहौर की तरफ़ बढ़कर उनका इस्तक़बाल करें।' यह तो सुविदित ही है कि बाद में ताशकंद में वार्ता की मेज पर अयूब ने गिड़गिड़ाते हुए शास्त्री जी से कहा कि समझौते में कुछ तो ऐसा कर दें, जिससे बेचारे पाकिस्तान जाकर मुंह दिखा सकें। शास्त्री जी ने कहा कि माफ कीजिए, सदर साहब, मैं आपकी यह सेवा नहीं कर सकता। यों धूल चाटने के बावजूद पाकिस्तान को नहीं सुधरना था और वह नहीं सुधरा। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बंग्लादेश) के साथ अपने अंतर्विरोध नहीं सुलझा सका तो वहां भीषण कत्लोगारत के बाद तीन दिसम्बर, 1971 को खुन्नस में भारत पर एक और हमला कर दिया। फिर तो उसकी ऐसी शामत आई कि 16 दिसम्बर, 1971 को ढाका में जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी के नेतृत्व में उसके 93 हजार से ज्यादा शस्त्र सज्जित सैनिकों को घुटनों के बल आकर आत्मसमर्पण कर देना पड़ा। दुनिया के इतिहास में अन्य किसी भी युद्ध में इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों ने आत्मसमर्पण नहीं किया। वह भी जब उनके पास गोला-बारूद, हथियारों और रसद की कोई कमी नहीं थी। इस युद्ध के फलस्वरूप पाकिस्तान दो टुकड़ों में बंट गया। उसका पूर्वी हिस्सा बंगलादेश नाम से नया राष्ट्र बन गया। अनंतर, उसने कुटिलतापूर्वक भारत में आतंकवाद को प्रश्रय देने और उसके जरिये छद्म युद्ध लड़ने का रास्ता अपना लिया। फ़रवरी, 1999 में उसने दोहरी चाल चलकर एक ओर भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को लाहौर बुलाकर दोनों देशों के बीच नए रिश्ते की शुरुआत का समझौता किया, तो दूसरी ओर कश्मीर में कारगिल की पहाड़ियों पर अपने सैनिकों की घुसपैठ करा दी। इस युद्ध में बुरी तरह हार के बाद नवाज शरीफ सरकार का तख्ता पलट हो गया और सेनाध्यक्ष परवेज मुशर्रफ ने सत्ता अपने हाथ में ले ली।

पाकिस्तान की बार-बार हारकर भी न सुधरने की प्रवृत्ति की कोई भी कहानी उसके विदेशमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति रहे जुल्फिकार अली भुट्टो के जिक्र के बगैर पूरी नहीं हो सकती। जब 1974 में भारत ने पोखरन में पहला परमाणु परीक्षण किया तो उन्हें फिर बहुत मिर्ची लगी। तब प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी घास खाकर गुजर कर लेंगे, लेकिन परमाणु बम बनाएंगे। लेकिन इससे पहले कि वे अपना यह 'सपना' पूरा कर पाते उनके सेना प्रमुख जनरल जिया-उल-हक ने उनको सत्ता से बेदखल कर दिया और एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के मामले में उन पर मुकदमा चलाकर 4 अप्रैल, 1979 को फांसी पर लटका दिया। अब, इस सबसे कोई सबक लिये बिना भुट्टो के नाती बिलावल भुट्टो जरदारी, भारत द्वारा सिंधु नदी जल समझौते को निलंबित करने से चिढ़कर कह रहे हैं कि सिंधु में पानी बहेगा या उनका (भारतीयों का) खून। यह तो हद है भाई।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

कैसे चेतना को विस्तृत करता है योग?

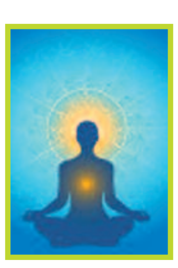

संकलित
दर्शन

योग के आठ अंग हैं और उनमें से मात्र एक अंग है शारीरिक मुद्राएं या आसन। योग मात्र व्यायाम नहीं है, इसमें मुख्य बात मन की समरसता को बनाए रखना है। जब आप कोई भी कार्य सजगता से करते हैं, तब आप इस बात के प्रति सजग होते हैं कि आप क्या कह रहे हैं। यही आपको योगी बनाता है। योग के प्रतिपादक पतंजलि ने बताया है कि योग का उद्देश्य दुख को आने से पहले ही दूर कर देना है। लालच, क्रोध, जलन, घृणा, निराशा आदि नकारात्मक भावनाओं को योग से मिटाया जा सकता है। जब आप खुश होते हैं, तब आप अपने भीतर एक विस्तार की भावना का अनुभव करते हैं। विफलता या अपमान की स्थिति में लगता है कि हमारे भीतर कुछ सिकुड़ गया है। इस पर ध्यान देना ही योग है, जिसका हमारे खुश हो जाने पर विस्तार होता है और जो हमारे दुखी हो जाने पर सिकुड़ जाता है। मन की इस स्थिति को परिवर्तित करने का रहस्य योग में है। यह आपको स्वतंत्र बनाता है। अपनी ही भावनाओं के द्वारा पीड़ित होने के बजाय आप जिस समय जैसा महसूस करना चाहते हैं, योग उसके लिए आपको शक्ति प्रदान करता है। योग निश्चित रूप से आपको अधिक जिम्मेदार बनाता है, क्योंकि योग से आपके भीतर ऊर्जा एवं उत्साह उत्पन्न होता है। आप तब जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं, जब आप थके हुए और तनावग्रस्त होते हैं। यदि आपने अपनी थकान और तनाव को संभाल लिया, तब आप निश्चित रूप से अधिक जिम्मेदारी उठाएंगे और आपके भीतर हल्कापन भी बना रहेगा।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक वार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहां सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जाएंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोला- जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पडा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गये। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

केदारनाथ दर्शन

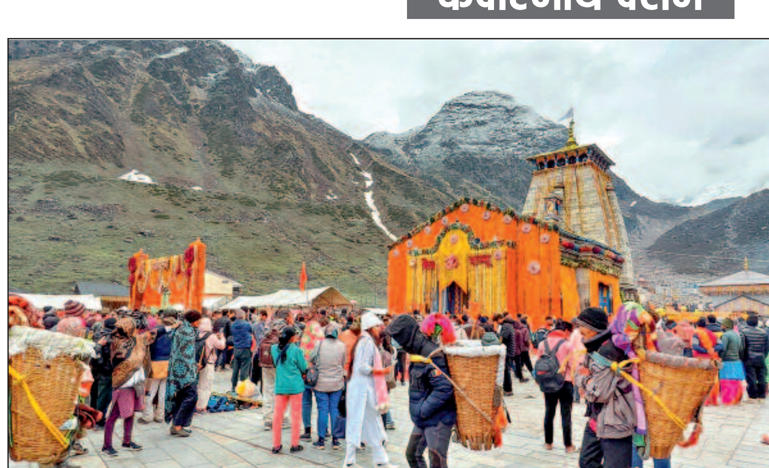

रुद्रप्रयाग जिले में मंगलवार को केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे।

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है– एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे ज़रूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। *– प्रणय शर्मा, दुर्ग*

करंट अफेयर

कनाडा से अलग होने दिया जनमत संग्रह का प्रस्ताव

कनाडा में अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख ने सोमवार को कहा कि अगर नागरिकों द्वारा प्रस्तुत अर्जी पर अपेक्षित संख्या में लोगों के हस्ताक्षर सामने आते हैं तो वह अगले वर्ष कनाडा से अलग होने के मुद्दे पर जनमत संग्रह कराएंगी। सोशल मीडिया पर अपने 'लाइवस्ट्रीम' संबोधन में डैनियल स्मिथ ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस प्रांत के कनाडा से अलग होने का समर्थन नहीं करती हैं और उन्होंने एकजुट कनाडा के भीतर एक मजबूत और संप्रभु अल्बर्टा के लिए 'बेहतर भविष्य' की आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'चाहे जो भी वजह हो क्या कनाडा को हमारे प्रांत पर हमला करना जारी रखना चाहिए जैसा कि बीते कुछ दशक में किया गया है, आखिरकार यह अल्बर्टावासियों को तय करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं उनके (लोगों के) निर्णय को स्वीकार करूंगी।' स्मिथ की घोषणा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के लगातार चौथी बार संघीय सरकार बनाने के एक सप्ताह बाद आई है। यह ऐसे वक्त में भी हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कनाडा पर शुल्क लगाने की धमकी दे रहे हैं तथा देश (कनाडा) को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात करते हैं।

ऑफ बीट

बुध ग्रह अभी भी सिकुड़ता जा रहा

ग्रह वैज्ञानिक लंबे समय से जानते हैं कि बुध अरबों वर्षों से सिकुड़ रहा है। सूर्य के सबसे निकट ग्रह होने के बावजूद, आंतरिक गर्मी निकल जाने के कारण इसका आंतरिक भाग ठंडा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि जिस चट्टान (और, उसके भीतर, धातु) से यह बना है, उसका आयतन थोड़ा सिकुड़ता जा रहा है। हालाँकि, यह अज्ञात है कि ग्रह आज भी किस हद तक सिकुड़ रहा है – और, यदि यह वाकई सिकुड़ रहा है, तो यह भी कोई नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कितने समय तक जारी रहने की संभावना है। चूँकि बुध का आंतरिक भाग सिकुड़ रहा है, इसकी सतह (परत) के पास ढकने के लिए उत्तरोत्तर कम क्षेत्र रह गया है। यह 'दबाव थ्रस्ट' विकसित करके इसका जवाब देता है – जहां क्षेत्र का एक भाग निकटवर्ती इलाके पर धकेल दिया जाता है। यह सेब के पुराने होने पर उस पर पड़ने वाली झुर्रियों की तरह है, फर्क सिर्फ इतना है कि एक सेब इसलिए सिकुड़ जाता है क्योंकि वह सूख रहा है जबकि बुध अपने आंतरिक भाग के तापीय संकुचन के कारण सिकुड़ रहा है। बुध के सिकुड़ने का पहला सबूत 1974 में सामने आया जब मेरिनर 10 मिशन ने सैकड़ों किलोमीटर तक अपना रास्ता बना चुकी कई किलोमीटर ऊंची स्कार्पियों (रैंप जैसी ढलानों) की तस्वीरें प्रसारित कीं।

ट्रेंड

अपूरणीय आध्यात्मिक क्षति

चंबल अंचल के सिद्ध संत, परम पूज्य श्री श्री 1008 माखनदास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने का दुःखद समाचार मिला। महाराज जी ने अपनी तपस्या, सेवा और भक्ति से लाखों लोगों को प्रभु-मार्ग की ओर प्रेरित किया। उनका विछोह अंचल के लिए एक अपूरणीय आध्यात्मिक क्षति है।
-ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार मंत्री

डिजिटलीकरण परियोजना

एनएआई ने ऐतिहासिक दस्तावेजों के डिजिटलीकृत पन्नों की 10 करोड़ की संख्या को पार कर लिया है। डिजिटलीकरण परियोजना का उद्देश्य इस संस्थान के पास मौजूद ऐतिहासिक दस्तावेजों को जनता के लिए और अधिक सुलभ बनाना है।
-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

हमें एकजुट रहना है

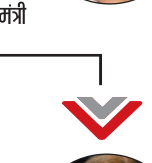

पहलगाम हमले में शहीद हुए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। अपार दुख में भी उनका हौसला और साहस देश के लिए एक संदेश है - हमें एकजुट रहना है।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हॉलीवुड को प्रोत्साहन

राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अमेरिका में आयात की जाने वाली सभी फिल्मों पर 100% टैरिफ लगाने से हॉलीवुड को अमेरिका से बाहर जाने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है! जो उन्होंने इरादा किया था, उसके विपरीत।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

पहलगाम हमले में शहीद लेफ्टिनेंट नरवाल के घर पहुंचे राहुल, दुख किया साझा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार से 1 घंटा 35 मिनट तक मुलाकात की। वह दोपहर 2:15 बजे लेफ्टिनेंट के घर से रवाना हुए। इस दौरान सुरक्षा टाइट रही। मुलाकात के बारे में परिवार के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी फैमिली से दुख साझा किया। उन्होंने विनय के बचपन और पढ़ाई के बारे में पूछा। इसके साथ विनय की स्कूल की मार्कशीट और बचपन की फोटो भी देखी। उन्होंने सुरक्षा में चूक की भी बात कही, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई। परिवार के सदस्य ने कहा कि शहीद के दर्जे को लेकर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है। मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने सिर्फ पानी ही पिया। हिमांशी घर पर नहीं हैं, वह अपने मायके गई हैं।

परिवार से बोले- पहलगाम में सुरक्षा चूक चिंताजनक

ये है मामला

22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने की हत्या लेफ्टिनेंट नरवाल की 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने हत्या कर दी थी। शादी के 7वें दिन ही आतंकियों ने पत्नी हिमांशी के सामने उन्हें 3 गोलियां मारी थीं। लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी हिमांशी ही वह महिला थीं, जिसने सबसे पहले खुलासा किया कि आतंकियों ने नाम पूछकर टूरिस्टों को गोली मारी। इस हमले में 26 टूरिस्टों की मौत हुई थी।

रोहतक सांसद हुड्डा ने कहा

दीपेंद्र बोले- राहुल गांधी ने परिवार से एकांत में बातचीत की रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद एकांत में परिवार से बातचीत की। राहुल ने परिवार को ढांढस बंधाया है। हिमांशी की ट्रोलिंग के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि इस विषय पर हमारा या राहुल गांधी का कोई उद्देश्य नहीं है कि हम कोई टिप्पणी करें। हमारा एकमात्र उद्देश्य विनय नरवाल को श्रद्धांजलि देना था।

जम्मू कश्मीर पर विवादित खबर पोस्ट करने वालों पर है केंद्र की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ उपजा भारतीयों के गुस्से को कुछ मीडिया संस्थानों और भडका दिया जब उन्होंने अपनी खबरों, सोशल मीडिया पोस्ट में 'भारत-नियंत्रित कश्मीर' 'भारत-अधिकृत कश्मीर' जैसे शब्दों का उपयोग किया। ये बात अलग है कि कुछ मीडिया संस्थानों उसके बाद सार्वजनिक रूप से गलती स्वीकारी है। इन सबके बावजूद केंद्र सरकार ने ऐसे विवादों को गंभीरता से लिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथ्यों की पडताल कर रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ समाचारों की कटिंग और फोटो कैप्शन को लेकर विवाद हुआ तो केंद्र सरकार हरकत में आई। सोशल मीडिया पोस्ट ने ऐसी खबरों के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़काया है।

सोशल मीडिया पर खूब हो रही है फजीहत

कई मीडिया हाउस और व्यक्तियों की इस शब्दावली के लिए आलोचना हुई है, जिसे भारत में भड़काऊ और पाकिस्तान द्वारा प्रचारित कश्मीर विवाद के नरेटिव के समर्थन में देखा जा रहा है। भारतीय मीडिया कंपनी स्पोर्ट्स-कीड़ा को एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए आलोचना झेलनी पड़ी, जिसमें कथित तौर पर कश्मीर को 'भारत-अधिकृत कश्मीर' कहा गया। जनता के गुस्से के बाद पोस्ट हटा लिया गया। स्पोर्टस कीडा ने माफीनामा प्रकाशित कर जानकारी दी कि खबर पोस्ट करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया पर भी 'भारतीय-नियंत्रित कश्मीर' जैसे शब्द का उपयोग करने का आरोप लगा, जिसे पाकिस्तानी दृष्टिकोण अपनाने के रूप में देखा गया। इससे इसके संपादकीय रुख पर सवाल उठे। बीबीसी ने भी एक रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर को 'भारत-अधिकृत' कहा, जिसे भारतीय टिप्पणीकारों ने प्रचार बताया।

आज से होगा दो दिवसीय युद्धाभ्यास, राफेल, सुखोई और मिराज जैसे विमान होंगे शामिल

पाकिस्तान से लगी भारत की सीमाओं के पास होगी वायुसेना के विमानों की गर्जना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच भारतीय वायुसेना बुधवार से पाकिस्तान से लगी देश की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा पर एक बड़ा युद्धाभ्यास करेगी। जिसमें उसके अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान जैसे राफेल, स्वदेशी तेजस, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और जगुआर जैसे विमान शामिल होंगे। रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच जारी मौजूदा तनाव के दौर में यह युद्धाभ्यास किया जा रहा है। जिसके लिए भारत की नागरिक उड्डयन एजेंसियों ने पहले ही एक हवाई अलर्ट यानी नोटम (एनओटीएएम) जारी किया हुआ है। यहां बता दें कि मौजूदा हालात के बीच देश के सीमाई इलाकों में वायुसेना हालांकि पहले से ही पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात है। उसका जंगी बेड़ा नियमित रूप से अपनी हवाई निगरानी उड़ानों के जरिए दुश्मन की हर छोटी-बड़ी हरकत पर पैनी नजर बनाए हुए है। लेकिन इन सबके बीच उक्त युद्धाभ्यास के जरिए उसकी सैन्य-रणनीतिक तैयारियों को मजबूती मिलेगी। तनाव के दौर में बीते दिनों वायुसेना द्वारा केंद्रीय सेक्टर में आक्रमण युद्धाभ्यास भी किया गया है।

दो दिवसीय होगा युद्धाभ्यास

सूत्रों ने कहा कि यह युद्धाभ्यास कुल दो दिनों तक चलेगा। जिसमें वायुसेना के लड़ाकू विमानों के अलावा बल का एयरबॉर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) भी भाग लेगा। युद्धाभ्यास के दौरान वायुसेना दुश्मन के लक्ष्यों को जमीन से और आसमान में आभासी रूप से चित्रित करते हुए सटीकता के साथ उन्हें नेस्तनाबूद करने का अभ्यास करेगी। वर्तमान में दोनों देशों के सशस्त्र सेनाएं हाईअलर्ट पर हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। साथ ही हमले के गुनहगारों को कड़ी सजा देने का ऐलान भी किया है।

पीएम लगातार कर रहे उच्च स्तरीय बैठकें

इसी संदर्भ में पिछले महीने 29 अप्रैल को हुई उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं को रक्षात्मक रूप से भारत की जवाबी कार्रवाई करने के लिए खुली रणनीतिक छूट प्रदान की है। जिसमें वह अपनी स्वेच्छा से समय, लक्ष्य और अभियान की प्रक्रिया का चुनाव कर सकेंगी। बीते दिनों में सैन्य बलों की रणनीतिक तैयारियों को परखने के लिए पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह, नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान के साथ बैठकें की हैं।

मनुस्मृति अपमान मामला

राहुल गांधी हिंदू धर्म से बहिष्कृत : शंकराचार्य

हरिद्वार। ज्योतिर्मठ बदरीनाथ धाम के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मनुस्मृति का अपमान करने के लिए हिंदू धर्म से बहिष्कृत कर दिया गया है। यहां कनखल स्थित शंकराचार्य मठ में इस बात की घोषणा करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि गांधी ने लोकसभा में किसी प्रसंग में सनातन धर्म के आधार मनुस्मृति का अपमान किया था। शंकराचार्य ने कहा कि मठ से गांधी को इस संबंध में एक नोटिस भी दिया गया था लेकिन उन्होंने न तो इसके लिए क्षमा मांगी और न ही नोटिस का कोई जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इसीलिए मठ ने मनुस्मृति का अपमान करने पर राहुल गांधी को विधिवत रूप से हिंदू धर्म से बहिष्कृत कर दिया है।'

सिद्धरमैया का 'अपमानजनक' वीडियो, वार्डर हुआ निलंबित

मैसूरु, (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ दुर्व्यवहार करने वाला वीडियो रिकॉर्ड करने और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में मैसूरु केंद्रीय कारागार के एक वार्डर को निलंबित कर दिया गया है। जेल के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वार्डर एच. एन. मधु कुमार (45) एक पूर्व सैनिक है और पिछले चार वर्षों से जेल विभाग में कार्यरत हैं। अधिकारियों के अनुसार, कुमार ने अपने आवास पर रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में मुख्यमंत्री पर निशाना साधा और बेलगावी में 28 अप्रैल को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर एक पुलिस अधिकारी के प्रति उनके गुस्से भरे हाव-भाव की निंदा की। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

सुशासन तिहार जनाकांक्षाओं का समाधान

सरकारी योजनाओं की स्वीकारोक्ति और लोकप्रियता पर जनता की मोहर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। 8 अप्रैल से 31 मई 2025 तक तीन चरणों में आयोजित यह अभियान पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद को बढ़ावा दे रहा है, जिसका उद्देश्य शासन को जन-केंद्रित बनाना, जनसरोकार, जनविश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना है।

हर नागरिक तक शासन की योजना का पहुंचे लाभ

" हमारा संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। सुशासन तिहार जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गया है। यह अभियान केवल आवेदन संग्रह या समस्या निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राज्य के शासन-प्रशासन और जनता के बीच का सेतु बन गया है।"
- विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

पहले चरण में जनता जनार्दन से उनकी समस्याओं और मांगों के संबंध में 8 से 11 अप्रैल तक समाधान पेटी, ऑनलाइन पोर्टल और शिविर के माध्यम से आवेदन एकत्र प्राप्त किये गए। सुशासन तिहार के पहले चरण में मिले 40 लाख 31 हजार 77 आवेदनों का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। जिसमें मांग से संबंधित 39 लाख 49 हजार 733 आवेदन और शिकायत से संबंधित मात्र 81 हजार 344 आवेदन शामिल हैं। द्वितीय चरण में इन आवेदनों का जिला प्रशासन द्वारा तत्परता से निराकरण किया गया। तृतीय चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविरों में मुख्यमंत्री, मंत्री और जनप्रतिनिधि जनता से रू-ब-रू हो रहे हैं। यह अभियान न केवल समस्याओं का समाधान कर रहा है, बल्कि राज्य के मैदानी इलाके से लेकर बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी जनता का विश्वास जीत रहा है। इस अभियान के उद्देश्य स्पष्ट और व्यापक हैं। जनता की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करना और जनता-शासन के बीच संवाद का सेतु बनाना।

पीएम आवास योजना हितग्राही सोनाई के घर पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 5 मई को सक्ति जिले के ग्राम करिगांव में उतरे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की लाभार्थी सोनाई बाई के निर्माणाधीन आवास पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी। परिवार से बातचीत करते हुए योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने हितग्राही से पूछा कि क्या उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि मिल रही है। इस पर श्रीमती सोनाई बाई ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से यह राशि प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक सहयोग मिल रहा है।

सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे पांच लोगों को समाज ने फिर से अपनाया

सुशासन तिहार के माध्यम से एक ओर जहां लोगों की मांगों और समस्याओं का तत्परता से निराकरण हो रहा है वहीं दूसरी ओर इसके जरिए सामाजिक सरोकार को भी बढ़ावा मिल रहा है। ऐसा ही एक मामला रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत छूटीपाली के आश्रित ग्राम हेड़सपाली में देखने और सुनने को मिला। इस गांव में लंबे समय से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे पांच लोगों को सुशासन तिहार में ग्रामीणों की सहमति से पुन: समाज की मुख्यधारा में शामिल किया गया। सुशासन तिहार के चलते इस गांव में पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष जब यह मामला आया तो गांव के सरपंच सहित बड़े बुजुर्गों की बैठक में इस पर विचार-विमर्श किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों और गांव के वरिष्ठजनों ने संबंधित पक्षों को आपसी रंजिश और गलती को भुलाकर भाईचारे के साथ रहने की अपील की। जिससे समाज से बहिष्कृत लोगों को फिर से समाज में मिला लिया गया।

फुलेश्वरी को मिला मनरेगा जॉब कार्ड, माना आभार

सुशासन तिहार ग्रामीणों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। समाधान शिविरों में ग्रामीणों का तात्कालिक समाधान हो रहा है। इसी क्रम में 5 मई को जनपद पंचायत कटघोरा की ग्राम पंचायत कोयली में प्रथम जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में पहुंची श्रीमती फुलेश्वरी जैन ने बताया कि उन्हें शिविर स्थल में तत्काल मनरेगा जॉब कार्ड बनाकर वितरित किया गया। मौके पर ही मनरेगा जॉब कार्ड पाकर गदगद श्रीमती जैन ने कहा कि उम्मीद से जल्दी उन्हें जॉब कार्ड मिल गया।

बुजुर्ग तेजराम को मिला छड़ी का सहारा

बालोद जिले के गुरुर विकासखण्ड के ग्राम डंडेसरा के बुजुर्ग तेजराम साहू को, जिन्होंने सुशासन तिहार में अपने चलने-फिरने की समस्या के समाधान के लिए छड़ी की मांग की थी। उनके आवेदन पर समाज कल्याण विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा उन्हें एक मजबूत और आरामदायक छड़ी उपलब्ध कराई गई। यह छड़ी उनके लिए सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान का प्रतीक बनी। जब तेजराम ने पहली बार छड़ी के सहारे कदम बढ़ाए, तो उनके चेहरे पर संतुष्टि और खुशी की मुस्कान थी। अब मैं गांव में आसानी से घूम-फिर सकता हूं।

सुशासन तिहार की चमक क्रेडा ने लौटाई गांवों की रौनक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में लोगों की मांग, शिकायत और समस्या संबंधी आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। शासकीय कामकाज में पारदर्शिता लाने और योजनाओं तथा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सहित धमतरी जिले में भी सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। इस दौरान लोगों की अधिकांश आवेदनों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। विभिन्न विभागों सहित क्रेडा को मिले हाई मास्ट लाइट सुधार के संबंध में दो आवेदन, सोलर पम्प में सुधार करने संबंधी दो आवेदन सहित ड्यूल पम्प के खराब गेट वॉल्व बदलने जैसे आवेदनों का निराकरण किया गया।

सुशासन तिहार में धमतरी विकासखण्ड के ग्राम डांगीमाचा के कमलेश्वर उईके ने गांव में लगे जल जीवन मिशन के तहत सोलर ड्यूल पम्प के खराब गेट वॉल्व को बदलने संबंधी आवेदन दिया था। इस पर विभागीय मैदानी अमले द्वारा सोलर ड्यूल पम्प का निरीक्षण कर तत्काल संयंत्र सुधार किया गया और अब सोलर ड्यूल पम्प क्रियाशील हो गया। इससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम किशनपुरी के पांचूराम ने भी गांव में लगे सोलर हाईमास्ट लाईन को सुधारने के लिए आवेदन किया। क्रेडा विभाग के मैदानी कर्मचारियों ने संयंत्र में खराब बैटरियों और लाइट के स्थान पर नई सामग्री लगाकर पूरी तरह क्रियाशील कर दिया है, जिससे ग्रामीणों को सोलर हाईमास्ट के माध्यम से रात के समय में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित हो रही है।

शाहरुख ने दिखाया सुपर स्टारडम तो कियारा ने किया मदरहुड को सलाम

लॉस एंजिल्स। दुनिया के सबसे बड़े फैशन शो या फैशन समारोह मेट गाला का आयोजन हो चुका है। हर साल की तरह इस बार भी न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में मई के पहले सोमवार को मेट गाला का आयोजन किया गया। जो भारतीय समयानुसार 6 मई को सुबह 3:30 बजे शुरू हुआ। इस समारोह में बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान से लेकर कियारा आडवाणी, प्रियंका चोपड़ा और दिलजीत दोसांझ सरीखे स्टार्स ने रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा। शाहरुख ने जहां अपने स्टारडम से सबका ध्यान खींचा तो वहीं कियारा का टू बी मॉम लुक लोगों को पसंद आया और दिलजीत के महाराजा लुक ने लोगों का दिल ही जीत लिया।

हीरा जड़ी हुई है शाहरुख की बंगाल टाइगर हेड वाली छड़ी

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने इस बार मेट गाला पर अपना शानदार डेब्यू किया। अपने इस बहुप्रतीक्षित डेब्यू के लिए किंग खान ने भारत के मशहूर डिजाइनर सब्यसाची के आउटफिट को चुना। शाहरुख ने ब्लैक आउटफिट के साथ चमकदार गोल्डन कलर की ज्वेलरी भी पहनी, जिसमें वो किसी सुपरस्टार से कम नहीं नजर आए। 'सुपरफाइन: टेलरिंग ब्लैक स्टाइल' थीम के मुताबिक, शाहरुख ने कई गोल्डन नेकलेस के साथ एक स्टाइलिश ब्लैक कलर का सूट पहना था। दो सबसे प्रमुख नेकलेस में से एक में उनके शुरुआती अक्षर '**SRK**' और दूसरे में '**K**' अक्षर है। शाहरुख के आउटफिट के बारे में बताते हुए डिजाइनर सब्यसाची का कहना है कि ये आउटफिट वैश्विक मंच पर उनके स्टारडम को दिखाता है। एक्टर ने अपने बाएं हाथ में चार खूबसूरत अंगूठियां और एक शानदार घड़ी भी पहनी थी। उन्होंने इस क्लासी लुक को और स्टाइलिश बनाने के लिए ब्लैक चश्मा और एक स्टेटमेंट ब्रोच को भी अपने साथ जोड़ा।

कियारा के लुक ने बिखेरा जलवा

कियारा आडवाणी ने बेबी बंप के साथ मेट गाला में अपना डेब्यू किया। अपने इस डेब्यू के लिए कियारा ने भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता के कस्टम कॉउचर आउटफिट को चुना। ब्रेवहार्ट्स नाम की उनकी ड्रेस फेमिनिटी, ट्रांसफॉर्मेशन और वंश को ट्रिब्यूट थी। स्कल्पचरल से तैयार इस इस गाउन में घुंघरू और क्रिस्टल से सजी एक प्राचीन सोने की ब्रेस्टप्लेट थी। मदर हार्ट और बेबी हार्ट को दर्शाती एक चेन कियारा ने पहनी थी जो उनके बेबी बंप पर टच कर रही थी। जो उनकी प्रेगनेंसी और जल्द ही मां बनने की भावना को दर्शाती है।

प्रियंका ने दिखाई क्लासिक हॉलीवुड की झलक

ग्लोबल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने इस बार मेट गाला में एक टेलर्ड पोल्का डॉट सूट ड्रेस में अपना जलवा बिखेरा। इसे बाल्मेन के ओलिवियर रूस्टिंग द्वारा बनाया गया था। इस लुक में क्लासिक हॉलीवुड की झलक देखने को मिली, जिसमें शार्प सिल्हूट और स्टाइल को दिखाया गया। प्रियंका की यह ड्रेस ब्लैक सार्टोरियल पहचान और ब्लैक डैंडी की ऐतिहासिक खोज पर आधारित थी।

ईशा अंबानी ने भी बिखेरा अपना जलवा : रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड की डायरेक्टर ईशा अंबानी भी मेट गाला में पहुंचीं। वह डिजाइनर अनामिका खन्ना द्वारा डिजाइन की गई ड्रेस में कारपेट पर उतरीं। व्हाइट जियोमेट्रिक कोर्सेट, काले रंग की पैंट और सफेद केप पहने ईशा ने मेट गाला में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी ड्रेस ब्लैक डैंडी स्टाइल से प्रेरित थी।

'लाफ्टर शेफ 2' पहुंचे तो ट्रोल हुए अभिनव अरोड़ा: नई दिल्ली। कॉमेडियन भारती सिंह कलर्स चैनल पर एक शो 'लाफ्टर शेफ 2' को होस्ट करती हैं, इनके साथ शेफ हरपाल भी नजर आते हैं। शो में कृष्णा अभिषेक, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, अंकिता लोखंडे, विक्की जैने, रुबीना दिलैक जैसे टीवी सेलिब्रिटी नजर आते हैं। यहां एक तरफ तो कुकिंग टास्क पूरे करते हैं, वहीं शो में हंसी का माहौल भी खूब बनता है। हाल ही में इस शो के एक एपिसोड का प्रोमो कलर्सटीवी के इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया गया। प्रोमो में बतौर मेहमान अभिनव अरोड़ा नजर आ रहे हैं, इस बच्चे को देखकर फैंस नाराज हो गए। इसके बाद अभिनव की ट्ररोलिंग शुरू कर दी। इस लड़के को कथित बाल संत के नाम से सोशल मीडिया पर जाना जाता है। सोशल मीडिया पर इस लड़के की हरकतें देखकर कुछ यूजर्स अक्सर नाराज हो जाते हैं।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Makeover
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दाश M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0771-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोब्लेशन एवं लेजर सर्जरी स्पेशलिस्ट
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू, चौबे कालोनी, प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
कार्यालय में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बजेरात में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Diabetic Clinic

स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

'बेसोस' गाने से धमाल मचाने को तैयार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन की नई म्यूजिक वीडियो 'बेसोस' का टीजर 6 मई को रिलीज हो गया। इसने फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी है। इस टीजर में जैकलीन अपनी शानदार डांस मूव्स से स्क्रीन पर आग लगाती नजर आ रही हैं, जबकि शिखर धवन अपने स्टाइलिश लुक से सुर्खियां बटोर रहे हैं। गाने को मशहूर गायिका श्रेया घोषाल और इंटरनेशनल आर्टिस्ट कार्ल वाइन ने अपनी आवाज दी है। फैंस इस अनोखी जोड़ी की केमिस्ट्री देखने के लिए बेसब्र हैं। पूरा गाना 8 मई को सुबह 11 बजे प्ले डीएमएफ के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। 'बेसोस' का टीजर रंगीन और जोशीले वाइब्स से भरपूर है। टीजर में जैकलीन की एनर्जेटिक डांस मूव्स और शिखर का कूल अवतार फैंस का ध्यान खींच रहा है।

'टाइगर' की नई शॉर्ट फिल्म का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी नई फिल्म जहां' को लेकर चर्चा में है। 2024 की सिंघम अगेन के बाद वह इस शॉर्ट फिल्म में दिखाई देंगे, जो एक्शन से भरी हुई है। राहुल शेट्टी की ओर से निर्देशित इस फिल्म को रेमो डिसूजा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है। टाइगर ने फिल्म का टीजर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी अंत ही नई शुरुआत होती है। मेरे भाई राहुल शेट्टी की ओर से निर्देशित इस शॉर्ट फिल्म का हिस्सा बन कर मैं बहुत खुश हूं, जिसमें पावरफुल मेसेज दिया गया है।' प्रोड्यूसर रेमो डिसूजा ने इस फिल्म को आरडी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड आरएस स्टूडियो के तहत बनाया है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजुकेशन स्पेशल
कोटा स्टडी सर्कल भिलाई / रायपुर
विवेक कुमार वर्मा 568/720
NEET, IIT-JEE PET/PAT
रायपुर कोटा सेंटर
राजकुमार कॉलेज के सामने जीई रोड रायपुर
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) **कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.** (RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस, 434 चतुर्थतल प्रोगेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर छत्तीसगढ़ 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

शिक्षक

आवश्यकता है- शिक्षा कर्मी नूतन स्कूल अंग्रेजी माध्यम के लिए सभी विषय के शिक्षक/ शिक्षिकाएं, हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं। साक्षात्कार 11. 5. 2025. (रविवार) को प्रातः 8:30 से **संपर्क नूतन उ. मा. शाला आर.डी.ए कॉलोनी टिकरापारा रायपुर मो- 9630072164.** (RO-7333)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर, गद्दीदार, हेल्पर, कंप्यूटर बिलिंग ऑपरेटर, गार्ड, किचन क्लीनर एवं वेटर्स की आवश्यकता है, 12 घंटे ड्यूटी **संपर्क करें:- होटल प्रिंस बार मो.- 8518811111.** (आरो नं.- 737)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर में, डोर टू डोर मार्केटिंग कार्य करने के लिए युवतियों की आवश्यकता है, वेतन 10,000 से 20,000 महिना, योग्यतानुसार, **संपर्क करें, 8962274079 पता- रायपुरा चौक, रायपुर** (RO-7335)

रिसेप्शनिस्ट

आवश्यकता है- होटल में रिसेप्शनिस्ट के लिए लड़कियों की 2-लड़कों, 4-सर्विस के लिए गुरुद्वारा रोड नेहरू नगर भिलाई। **09770075709, 07880039947.** (आरो नं.- 741)

नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- टाटीबंध स्थित नर्सिंग होम में नर्सिंग स्टाफ एवं आया बाई की आवश्यकता है,रहने की सुविधा उपलब्ध। मो.9826077576, समय 1-2 PM (RO-169)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सिक्योरिटीगार्ड/ड्रायवर

आवश्यकता है
कॉलोनी में कार्य करने हेतु
सिक्युरिटी गार्ड
(ड्युटी समय 12 घंटे)
घरेलू वाहन (कार) चलाने हेतु
अनुभवी ड्रायवर
(लाइसेंस आवश्यक)
बायोडाटा सहित मिलें। नशा आदि करने वाले संपर्क ना करें।
संपर्क करें: अवीवा प्राइड, कांदुल रोड, बोरीयाखुर्द रायपुर
मो. 9303389000
Aditya Advt.

मैनेजर/सफाई कर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध, हीरापुर रिंगरोड नं. - 2 पर शीघ्र प्रारम्भ होने वाले रेस्ट हाऊस हेतु मैनेजर-2 पद (पुरूष/महिला) व सफाई कर्मी या ऑफिस कार्य हेतु - 02 पद (पुरूष/महिला) चाहियें। **संपर्क: 9425205273.(समय- 10 से 12 बजे तक)** (RO-1645)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध पता:- **अशोक इंटरप्राइजेस रामनगर गुढ़ियारी रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल - 8770676924.** (RO-355)

एकाउंटेंट/वेल्डर

आवश्यकता है- रायपुर रिश्ता लोहा बाजार में एकाउंटेंट-1 आटोकेड ऑपरेटर-1 वेल्डर-4 हेल्पर-6 टर्नर-2 फिटर-4, सोशल मीडिया ऑपरेटर-2 मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव-4 (लड़का/ लड़की) की आवश्यकता है **सम्पर्क करें- 9893070113.** (RO-37656)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

हाउसकीपिंग

आवश्यकता है- नीलमलाज पावरहाऊस बसस्टेन्ड भिलाई सुबह सफाईकर्मी महिला रुम एवं बाथरूम हाउसकीपिंग सफाई हेतु एवं रात्रि हेतु पुरुष कर्मचारी कार्यकाल समय रात्रि 7 बजे से सुबह 9बजे तक। वेतन 7500 प्रतिमाह **संपर्क:- 98271-93084, 07884216610.** (आरो न.- 7180)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना खाना फ्री, ट्रेनिंग बाद 15,000 से 20000 महीने। **संपर्क करें- 8982690021, 9340613449.** (RO-331)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर लोकल और गेराज में माल सप्लाई के लिए 4 टाटा ऐस / ऑटो ड्राइवर चाहिए अल्ट्राक्लीन होम केयर,सिपेट के पास, भनपुरी **9826850000.** (RO-66)

मिल कार्य

आवश्यकता है- तेल मिल में काम करने के लिए लड़के या लड़कियों की आवश्यकता है कार्य: तेल निर्माण और पैकिंग स्थान: रायपुर, रायपुरा महादेव घाट रोड यदि आप रुचि रखते हैं, तो कृपया **संपर्क करें: 9977067874.** (RO-398)

अन्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ के सभी जिला व. ग्रामीण क्षेत्र से अनुभवी व फ्रेसर Candidate की 8वीं से12 वी पास ग्राउन्ड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्रायवर, सुपरवाइजर, वेतन-18500/- से 55000/- रहना+खाना फ्री **08588080514.** (RO-862)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें - 8935818259.** (RO-861)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें - 8922962153.** (RO-855)

आवश्यकता है- लिमिटेड कंपनी को जरूरी अनपढ़ से 12 वी पास लड़कों की एयरपोर्ट जॉब ग्राउंड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्राइवर, सुपरवाइजर, सिक्योरिटी, डाटा एंट्री, सैलरी 18500/- से 45500/-
(रहना+खाना फ्री पक्की नौकरी) **08920930586.** (RO-856)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- प्लाट साइज- 60x24 = 1440 कंस्ट्रक्शन एरिया- 3550 किराया- 30,000/- माह (तीनफ्लोर) वॉलफोर्ड के समीप रिंग रोड नंबर -01, भाटागांव रायपुर (नए बस स्टैंड के समीप) मूल्य- 90 लाख मो. नंबर **9575086006.**(RO-7313)

मकान बेचना है- दुर्ग रेल्वे स्टेशन से 1.3 किलोमीटर की दूरी पर कर्मचारी नगर से लगा साईं नगर उरला दुर्ग में पूर्व फेस का मकान डबल स्टोरी बिल्डप एरिया 3400वर्गफिट है । सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है मात्र 45लाख रुपए में अधिक जानकारी हेतु **9755907288.**(आरो नं.- 734)

प्लाट/जमीन

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाजा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्व सुविधा युक्त प्लाट - विकसित क्लोज्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। **संपर्क: 7247006610, 7247006609.** (आरो न.- 7175)

क्या आप देना चाहते है...
अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

Education
शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करे:- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(*अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा। **संपर्क:-** *Bharti Education Academy* *Sector-6 Bhilai* Mo.- **9826196515, 9826896515** (आरो न.- 7179)

क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
गुप्त रोगों का सफल ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी
लिंग में छोटापन।
शीघ्र पतन
पेशाब से धातु जाना।
लिंग में ढीलापन,
शुक्राणु की कमी।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
जड़ीबूटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

जैकेट के शेष

40 लाख आवेदनों में

सरकार को, इस समय में हमने मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। हमने अधिकांश बड़े-बड़े वादे पूरे करने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास, किसानों का 31 सौ में धान खरीदने का काम, किसानों को दो साल का बोनस देना, पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच, महतारी वंदन में महिलाओं को एक हजार रुपए देने का काम, तेंदूपत्ता की कीमत बढ़ाई है। बोनस भी दे रहे हैं। हम सुशासन की बात करते हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां पर सुशासन अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। हम पारदर्शी सरकार चलाना चाहते हैं, उसका क्रियान्वयन निचले स्तर से होना चाहिए। इसलिए हम लोग भरी गर्मी में भी गांवों तक जाकर देख रहे हैं। शासन-प्रशासन देख रहा है कि गांव तक योजना किस तरह से पहुंच रही है।

- जब आपने अभियान की योजना तैयार की तो आपके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने क्या कहा?
- भाजपा जो कहती है, वह करती है। पहले भी लगातार 15 साल तक भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह भी सुराज अभियान चलाते थे। डॉ. रमन भी भरी गर्मी में जाते थे, कहीं भी बिना बताए जाते थे। इसका बड़ा फर्क पड़ता है, हम लोग योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने में सफल होते हैं। उसी परंपरा को हम निभा रहे हैं।
- डेढ़ साल में सुशासन के माध्यम से क्या कर पाए जो लगा अब सुशासन तिहार मना सकते हैं?
- सबसे बड़ी बात यह है कि हमने मोदी की गारंटी के सभी बड़े वादे पूरे कर दिए हैं। इसके पहले कांग्रेस की सरकार थी, उसको भी बड़ा जनादेश मिला था। कांग्रेस ने बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन अपने वादों को पूरा नहीं किया। उनके घोषणापत्र में 36 वादे थे, लेकिन इसमें से एक भी वादा पूरा नहीं किया। छत्तीसगढ़ की जनता के साथ धोखा तो किया है, साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बना दिया। भ्रष्टाचार का भी गढ़ बना दिया। उसके पांच साल के शासनकाल में अनेकों घोटाले हुए। कोयला, शराब, महादेव से लेकर घोटाले ही घोटाले किए। उनके कई नेता और सहयोगी आज जेल में हैं। पीएससी के साथ भी खिलवाड़ किया गया। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता का विश्वास खोया, उसी का नतीजा रहा कि 2023 में जनता ने भाजपा पर भरोसा करके उसको ऐतिहासिक जीत दिलाकर सत्ता में वापस आने का मौका दिया। अब हमको जनता के भरोसे पर खरा उतरते हुए अच्छा काम करके दिखाना है।
- कांग्रेस सरकार में जिस तंत्र के रहते घोटाले हुए, उसी तंत्र के अधिकारियों के साथ आपकी सरकार को भी काम करना पड़ रहा है, कितना मुश्किल हो रहा है सुशासन के साथ काम करना?
- इंजन ठीक रहता है तो गाड़ी ठीक चल जाती है। हम लोगों की नीति और नीयत दोनों साफ है। ऐसा नहीं है कि उस समय के सारे अधिकारी भ्रष्ट थे, उस समय भी अच्छे अधिकारी थे। अगुवा लोग ही भ्रष्ट थे, तो बाकी लोगों की भी मजबूरी में करना पड़ता था। लेकिन आज वो बात नहीं है।
- 40 लाख आवेदन आए हैं, उसको लेकर कितने परेशान हैं?
- ज्यादातर आवेदनों में मांग है। सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री आवास की मांग है। गैस सिलेंडर, पेयजल इनकी मांग है। शिकायतें बहुत कम है। यह इस बात का प्रमाण है कि हम लोगों का सुशासन प्रदेश में है। प्रधानमंत्री ने 25-26 के बजट में भी तीन करोड़ मकानों का प्रावधान किया है। 13 मई को हमारे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आ रहे हैं। साढ़े तीन लाख पीएम आवास की सौगात प्रदेश वासियों को मिलेगी। आने वाले समय में प्रधानमंत्री आवास की जो भी मांग आई है, उसको पूरा करने में सफल होंगे। उज्जवला योजना और पेयजल की मांग भी हम पूरी करने वाले हैं। डबल इंजन की सरकार में इसका लाभ मिलेगा।
- पहली उड़ान डॉ. चरण दास महंत के इलाके में इसकी कोई खास वजह?
- इसकी कोई खास वजह नहीं है, विकास तो पूरे प्रदेश का करना है। चाहे वह सक्ती हो, कोरबा हो या बस्तर हो, सभी स्थानों पर जाएंगे।
- खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में क्या करने की योजना है?
- नई उद्योग नीति लाए हैं, बहुत सोच समझकर इसको बनाया गया है। अभी हम बहुत कम जगह ही जा पाए हैं। पांच माह के अंदर ही साढ़े लाख करोड़ के निवेश का न केवल प्रस्ताव मिला है, बल्कि काम भी प्रारंभ हो गया है। खनिज संपदा में छत्तीसगढ़ बहुत संपन्न है, इसका भी लाभ मिलेगा। हम लोग ज्यादा रोजगार पर जोर दे रहे हैं। आबकारी से भी जो पहले पांच हजार करोड़ का राजस्व मिलता था, उसको दस हजार करोड़ का तय किया गया है। खनिज के क्षेत्र में भी राजस्व में इजाफा हुआ है। लिंकेज बंद करके राजस्व बढ़ा रहे हैं।
- नक्सल मोर्चे पर अचानक इतना आक्रामक रूख और आंकड़े सरकार के पक्ष में कैसे दिखाई दे रहे हैं?
- छत्तीसगढ़ के विकास में एक बड़ी बाधा नक्सलवाद है। पहले भी हमारी सरकार लड़ती रही है। अब डबल इंजन की सरकार है तो नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई और मजबूती से लड़ी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ आकर सरकार के साथ जवानों का भी हौसला बढ़ाने का काम किया है तो हमारी सरकार और जवान मजबूती के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। हमारे गृह मंत्री का मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प जरूर पूरा होगा।
- नक्सलियों को स्थानीय स्तर पर मदद मिलने में कोई बदलाव आया है क्या?
- जरूर बदलाव आया है। हम लोग जनता का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। इसका बड़ा प्रमाण है कि बस्तर में ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा कैंप खुल रहे हैं। जहां भी कैंप खुल रहे हैं, वहां उनके अंदर जो भी गांव है, वहां पर सरकार की योजनाओं पहुंचा रहे हैं। नियद नेल्ला नार योजना भी चल रही है। इसका मतलब है आपका सुंदर गांव। सड़कें बन रही है, बिजली, पानी पहुंच रहा है। राशन कार्ड बन रहे हैं। विकास के सारे काम हो रहे हैं वहां पर बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया गया। इसमें एक लाख 65 हजार ने भाग लिया। बस्तर पंडुम महोत्सव में भी 47 हजार ने भाग लिया। यह सब इस बात का प्रमाण है कि क्षेत्र की जनता विश्वास सरकार के प्रति बढ़ा है। नक्सलवाद की समाप्ति बस्तर की जनता भी चाहती है।
- केंद्रीय मंत्री रहे, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे, अब मुख्यमंत्री हैं, असल मजा किसमें आया?
- हमको पार्टी जो भी काम देती है, उसको निष्ठा और ईमानदारी के साथ करते हैं। हम तो गांव के किसान के बेटे हैं, हम तो दस साल में अनाथ हो गए थे। हमारे पिता का निधन हो गया था। हम कभी सोचे नहीं थे, विधायक, सांसद, मंत्री बनेंगे, हम तो सरपंच का कभी नहीं सोचे थे। घर में बड़े थे तो घर परिवार को संभालने के साथ खेती-बारी भी संभालने का काम किया। सोचते थे भाईयों को पढ़ा लिखाकर बड़ा आदमी बनाएंगे। पढ़ाई छोड़कर हम घर में बैठे तो उस समय पंचायत चुनाव चल रहा था तो गांव वालों के हमको पंच बना दिया। पांच साल बाद गांव वालों ने सरपंच बना दिया। विधानसभा का चुनाव आया तो भाजपा ने हमको विधायक का प्रत्याशी बना दिया। मात्र 26 साल की उम्र में हम विधायक बन गए। इसके बाद से ये सफर चल रहा है। विधायक के बाद सांसद, प्रदेशाध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला है। हमको तो आज भी नहीं लगता है कि हम सीएम हैं। हम तो जनता के सेवक हैं। वैसे मुख्यमंत्री के रूप में काम करने में ज्यादा आनंद आ रहा है और संतुष्टि भी हो रही है। मुख्यमंत्री के रूप में हम ज्यादा लोगों की सेवा कर सकते हैं।
- मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा?
- विस्तार तो होना है, समय का ही सवाल है। निगम, मंडल को लेकर भी ऐसी बातें होती थीं, निगम, मंडल का गठन हम लोगों ने कर दिया है। मंत्रिमंडल का विस्तार भी हो ही जाएगा।

कुछ दिन बैसाखी ....

रोज मैदान में घण्टों समय बिताने लगी, फिर जिम ज्वाइन किया। यहां से उनका वेटलिफ्टिंग का जो दौर शुरू हुआ वो अब भी चल रहा है। कमला देवी मंगतानी अब तक 60 से ज्यादा स्पर्धाओं में हिस्सा ले चुकी हैं। देश ही नहीं विदेश में भी कमला ने भारत का झंडा बुलंद करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब तक उन्होंने 120 से ज्यादा मेडल जीते हैं। हाल दुबई में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह में उन्होंने स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग, तवा फेंक और गोला फेंक में भाग लिया. जिनमें तीन गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता।

नर्स की नौकरी से....

जीता। शकुंतला का मानना है कि अगर हमें अपनी मंजिल हासिल करनी है तो उसके लिये हमें खुद को अनुशासित करना होगा। खुद के लिये नियम बनाने होंगे। शकुंतला कहती हैं कि महिलाओं को अपने परिवार का तो ध्यान रखना ही चाहिये लेकिन अगर उनके भीतर कोई विशेष दक्षता है तो उसे निखारने के लिये स्वयं प्रयास करना चाहिये। स्वयं को फिट रखने के लिये नियमित व्यायाम व योग करें। फॉस्ट फूड खाने से बचे। अपने भोजन में हरी सब्जियॉं, सलाद व फलों को जरूर शामिल करें। इसके अलावा शिक्षा पर जरूर ध्यान दें।

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी गुरुर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email ID- bmogurur@yahoo.com

क्र./ लेखा./निविदा/2025 /814 गुरुर, दिनांक 03/05/2025

निविदा निरस्तीकरण सूचना

कार्यालयीन पत्र क्रमांक / लेखा / निविदा / 2025 / 719 गुरूर दिनांक 11.04.2025 के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरूर में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत उपचाररत मरीजों को भोजन, चाय, नाश्ता प्रदाय करने हेतु निविदा आमंत्रित किया गया था। उपरोक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
गुरुर, जिला बालोद (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम) (CIN- U40108CT2003SGC015822) (GSTIN-22AADCC6047K1ZR)
कार्यालय मुख्य अभियंता (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन) सी–1, सी–2 पॉवर कंपनी परिसर, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) – 492013
दूरभाष : 0771-2574626 वेबसाइट : www.cspdcl.co.in ई–मेल आई डी :cecivil.cspdcl@cspc.co.in

क्रमांक : 04–03/ सिविल-डिस्ट्री / कार्य / 194 रायपुर, दिनांक 28.04.2025

ई– निविदा सूचना

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	निविदा विशेषीकरण क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत जीएसटी सहित (रूपए लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र की राशि जीएसटी सहित	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	Contractor's eligibility
1	CEC/D/ W/25-26/04	Strengthening of damaged approach road and culvert including providing of paver block at 33/11 KV S/s and offices premises Balodabazar	6.46 Lacs	Rs. 6500/-	Rs.2000/-	27.05.25 Up to 13:00 Hrs.	27.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
2	CEC/D/ W/25-26 /05	Construction of CC road with pipe culvert at 33/11 KV S/s Somni under O&M Division Rajnandgaon (C.G.)	6.82 Lacs	Rs.6,900/-	Rs.2000/-	27.05.25 Up to 13:00 Hrs.	27.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
3	CEC/D/ W/25-26 /06	Construction of CC road with pipe culvert at 33/11 KV S/s Singhola under O&M Division Rajnandgaon (C.G.)	5.80 Lacs	Rs.5,800/-	Rs.2000/-	27.05.25 Up to 13:00 Hrs.	27.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
4	CEC/D/ W/25-26 /07	Construction of 1.50 m high boundary wall at 33/11 KV S/s Chikhali under (O&M) Division Rajnandgaon	6.91 Lacs	Rs.7,000/-	Rs.2000/-	27.05.25 Up to 13:00 Hrs.	27.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
5	CEC/D/ W/25-26/08	Maintenance of control room and toilet, DC office yard and providing loading/unloading platform at 33/11 KV S/s Pandatarai under O&M Division Pandariya	7.50 Lacs	Rs. 7500/-	Rs.2000/-	27.05.25 Up to 13:00 Hrs.	27.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
6	CEC/D/ W/25-26/09	Construction of 1.5 m high boundary wall at Sadak Chirchari DC under (O&M) Division Dongargarh.	6.69 Lacs	Rs. 6700/-	Rs.2000/-	28.05.25 Up to 13:00 Hrs.	28.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
7	CEC/D/ W/25-26/10	Repairing & Maintenance of Control Room and Toilet, Yard and Strengthening of Approach Road at 33/11 KV S/s Singhanpuri Under (O&M) Dn. Kawardha.	6.94 Lacs	Rs. 7000/-	Rs.2000/-	28.05.25 Up to 13:00 Hrs.	28.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
8	CEC/D/ W/25-26/11	Providing platform for placing transformers at Sub Area Store depot Zone Office premises, Kabirdham (C.G.)	8.56 Lacs	Rs. 8600/-	Rs.2000/-	28.05.25 Up to 13:00 Hrs.	28.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
9	CEC/D/ W/25-26 /12	Repairing & Maintenance of Control Room and Toilet, Yard, Gate, Pipeline for Earthing Pit and Strengthening of approach Road at 33/11 KV S/S Gudha Sonpuri under (O&M) Dn. Kawardha	8.71 Lacs	Rs. 8800/-	Rs.2000/-	28.05.25 Up to 13:00 Hrs.	28.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
10	CEC/D/ W/25-26 /13	Renovation of D-Type quarter at 33/11 KV S/s Bakawand under O&M Division Jagdalpur	5.30 Lacs	Rs. 5300/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
11	CEC/D/ W/25-26 /14	Construction of A-1 type control room i/c internal electrification at 33/11 KV S/s Singhanpur under O&M division Raigarh-1 (C.G.)	11.11 Lacs	Rs. 11200/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-I and above as per eligibility Criteria (Relax PQR)
12	CEC/D/ W/25-26 /15	Repair and maintenance of 04 unit F-type staff quarter functioning as sub division office at Masturi under O&M Dn. CSPDCL Bilaspur (C.G.)	8.42 Lacs	Rs. 8500/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-I and above as per eligibility Criteria (Relax PQR)
13	CEC/D/ W/25-26 /16	Construction of Rural type control room building (On Hard Soil) at 33/11 KV S/s Udaipur under (O&M) CSPDCL Ambikapur (C.G.)	9.96 Lacs	Rs. 10000/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
14	CEC/D/ W/25-26 /17	Construction of Rural type control room building (On Hard Soil) at 33/11 KV S/s Ankira under (O&M) CSPDCL Pathalgaon (C.G.)	9.96 Lacs	Rs. 10000/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-I and above as per eligibility Criteria (Relax PQR)
15	CEC/D/ W/25-26/18	Contruction of Rural type Control Room Building (On Hard Soil) at 33/11 KV S/s Rajpur under O&M CSPDCL Balrampur (C.G.)	9.96 Lacs	Rs. 10000/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria
16	CEC/D/ W/25-26/19	Contruction of 1.5 M High Boundary wall at DC and 33/11 KV S/s Ramanujnagar under O&M Dn. Surajpur (C.G.)	8.41 Lacs	Rs. 8500/-	Rs.2000/-	29.05.25 Up to 13:00 Hrs.	29.05.25 13:15 Hrs. onwards	A-II and above as per eligibility Criteria

नोट – कुल सरल कमांक 01 से 16 प्रकाशन हेतु।
1. उक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट www.Cspdcl.co.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।2.शुद्धिपत्र / निरस्तीकरण / समयवृद्धि की जानकारी कंपनी के ऊपर उल्लेखित वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचनापटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियंता (सिविल–डिस्ट्रीब्यूशन)
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि.,रायपुर

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

पेज एक के शेष

सड़क हादसे के...

अधिसूचना के अनुसार, राज्य सड़क सुरक्षा परिषद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी होगी और निर्दिष्ट अस्पतालों को शामिल करने, पीड़ितों के उपचार, उपचार पर निर्दिष्ट अस्पताल को भुगतान एवं संबंधित मामलों के लिए पोर्टल को अपनाने तथा उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समन्वय करने को लेकर जिम्मेदार होगी। सरकार ने योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सड़क सचिव के अधीन 11-सदस्यीय एक संचालन समिति भी गठित की है। समिति में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सदस्य होंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च, 2024 को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए चंडीगढ़ में एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे बाद में छह राज्यों तक विस्तारित किया गया। हाल में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि 2023 में 4.80 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई।

4 ट्रकों में लाखों का...

इंटेलिजेंस) क्षेत्रीय यूनिट बिलासपुर को सूचना मिली थी कि कई ट्रक बिना वैध कागजात के छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश की ओर जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह माल फर्जी ई-वे बिल और बिना ई-वे बिल के भेजा जा रहा था। क्षेत्रीय यूनिट की टीम ने कवर्धा रोड में ट्रकों की जांच करते हुए अवैध माल को पकड़ा है। जब्त किए गए माल में टीएमटी बार (सरिया), एमएस एंगल और एमएस पाइप जैसे सामान शामिल हैं। टीम ने सभी 4 ट्रकों को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। सभी चार ट्रकों को व्यापार विहार स्थित जीएसटीए भवन के सामने खड़ा किया गया है।

यह है ई वे बिल

अधिकारियों के मुताबिक ई-वे बिल, जिसे इलेक्ट्रॉनिक वे बिल भी कहा जाता है, एक ऐसा दस्तावेज़ है जो 50 हजार रुपए से अधिक मूल्य के माल के परिवहन के लिए आवश्यक है, चाहे वह राज्य के भीतर हो या राज्य के बाहर। ई-वे बिल की सीमा 50हजार रुपए है, जिसका अर्थ है कि ट्रांसपोर्ट किए गए सामान की वैल्यू एक ही इनवॉइस के भीतर 50हजार रुपए से अधिक होने पर ई-वे बिल जनरेट किया जाना चाहिए। ई-वे बिल को पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बनाया जा सकता है। इसका उद्देश्य टैक्स की चोरी को रोकना और टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता लाना है। इस ई-वे बिल में माल का विवरण, परिवहन विवरण, और आपूर्तिकर्ता, प्राप्तकर्ता और परिवहनकर्ता के जीएसटीआईएन सहित महत्वपूर्ण जानकारी शामिल होती है। इसकी वैधता यात्रा की गई दूरी पर निर्भर करती है।

मंडला और जबलपुर जा...

और हेल्पर ने बताया कि चार दिन पहले गाड़ियों को पकड़ा गया है। दोनों ने स्वीकार भी किया कि किसी भी गाड़ी के पास कोई कागजात नहीं है और पहले भी इस तरह के कई ट्रकों में माल रायपुर से मध्यप्रदेश जा चुका है।

दुश्मनों की उड़ेगी...

क्रू को 'तमाल' का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस शिप की डिलीवरी अगले साल जून में होनी थी, लेकिन अब इसकी डिलीवरी इसी महीने के अंत में 28 मई तक की जाएगी। 'तमाल' को रूस के यांतर शिपयार्ड में बनाया जा रहा है। इसे दुनिया की सबसे घातक वॉरशिप में गिना जाता है। इस वॉरशिप से दुनिया की सबसे खतरनाक एंटी शिप मिसाइल ब्रह्मोस को दागा जाएगा। इससे पहले आईएनएस तुशील भारतीय नौसेना में शामिल हो चुका है।

पोप का चुनाव आज से शुरू, 71 देशों के 133 कार्डिनल लेंगे भाग

वेटिकन सिटी। नए पोप के चुनाव के लिए बुधवार से कान्क्लेव शुरू होगी। ऐसा कोई नियम नहीं है कि कार्डिनल राष्ट्रीयता या क्षेत्र के हिसाब से मतदान करें, लेकिन भौगोलिक लिहाज से उनके दृष्टिकोण को समझने से उनकी प्राथमिकताएं पता चलती हैं। यही कारण है कि दुनियाभर के 140 करोड़ कैथोलिक के नए पोप का चुनाव भौगोलिक विविधता के लिहाज से ऐतिहासिक होगा। फिलहाल 71 देशों में 80 वर्ष से कम उम्र के 135 कार्डिनल हैं, जिनमें से दो ने स्वास्थ्य कारणों के चलते मतदान से इन्कार कर दिया है। यानी अब 133 कार्डिनल चुनाव में पहुंचेंगे और बहुमत के लिए दो-तिहाई यानी 89 वोट की जरूरत होगी। इटली में सर्वाधिक 17 कार्डिनल हैं, जिसके बाद अमेरिका (10), ब्राजील (7), फ्रांस और स्पेन (5), अर्जेंटीना, कनाडा, भारत, पोलैंड और पुर्तगाल में चार-चार कार्डिनल हैं।

पाक सेना की गाड़ी पर हमला, एक अधिकारी समेत 6 जवानों की मौत

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान के बोलान क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की एक गाड़ी को निशाना बनाकर उस पर हमला किया गया है। इस ब्लास्ट में एक अधिकारी समेत 6 सैनिक मारे गए हैं, जबकि 5 सैनिक घायल हुए हैं। ये हमला उस समय हुआ जब सेना की गाड़ी एक नियमित गश्त पर थी। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक ये धमाका काफी शक्तिशाली था और इससे गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले की ज़िम्मेदारी अभी तक किसी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका पहले भी कई बार उग्रवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। बता दें कि 10 दिन पहले ही बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के मारगट इलाके में शुक्रवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक बड़ा हमला किया था, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 10 जवान मारे गए है।

गुमशुदा

नाम **अमन जयसवाल,** पिता गोरख जयसवाल, उम्र 23 वर्ष, कद 5'6 इंच रंग गेहुंआ, दिनांक 05/04/2025 को घर से बिना बताए कही चले गया है। अमन जयसवाल तुम जहां कहीं भी हो जल्दी घर वापस आ जाओ, पिताजी बहुत परेशान हो रहे है। किसी सज्जन को कहीं दिखे तो कृपया सूचित करें।

गोरख जयसवाल
पताः ब्लॉक नं. 69/जे, केम्प-1, 18 नं. रोड, चार ब्रेकर के पास, भिलाई
मो- 8319255183

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ETCECONIBBS 2025017, दिनांक : 01.05.2025

कार्य का नाम : खोरधा रोड-बलांगीर नई लाइन परियोजना के व्यापक विद्युतीकरण कार्य के साथ सोनपुर एवं बौद्ध में स्टेशन भवन के विस्तारित अंश का निर्माण एवं सोनपुर, बौद्ध और पुरुणाकटक प्रत्येक में सब-स्टेशन नियंत्रण भवन का निर्माण एवं सोनपुर स्टेशन में व्यापारी कक्ष (Merchant Room), सामग्री कार्यालय, गुड्स लाइन के लिए श्रमिक विश्राम कक्ष, रेल लेवल गुड्स प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म पर सेल्टर, बिटुमेन (Bitumen) सड़क आदि का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1097.79 लाख, EMD : ₹ 6,98,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 10 (दस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 03.06.2025 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फार्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/ भुवनेश्वर
PR-19/CI/25-26

शब्द पहेली - 5859

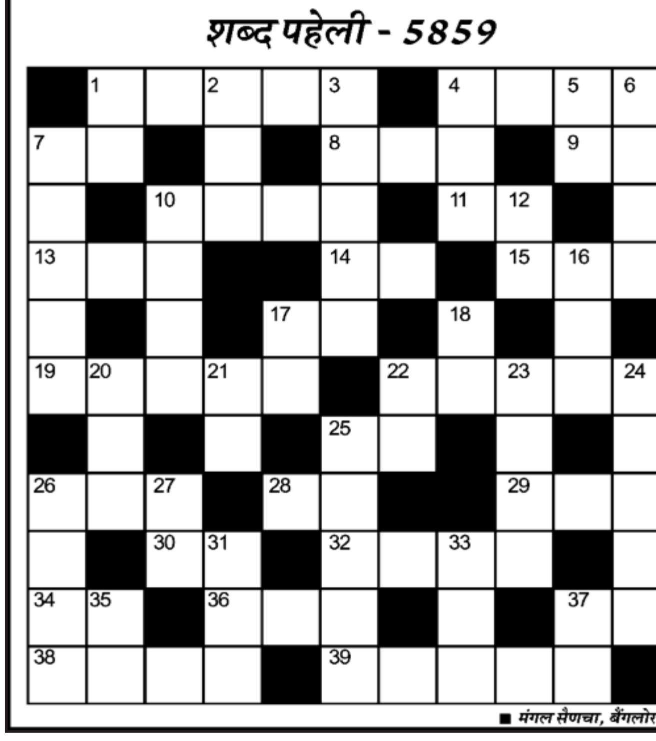

■ मंगल सेनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए-
1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 5858 का हल

सूडोकू नवताल - 5869

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 5868 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

सुरता
डा. डी. पी. देशमुख

सदा के लिए ओझल हो गए आल्हा गायक नारायण चंद्राकर

छत्तीसगढ़ अंचल में दुर्ग जिले के जामगांव आर में 14 दिसंबर 1955 को नारायण प्रसाद चन्द्राकार जी का जन्म हुआ था। आप बी एस पी उ मा वि भिलाई से भूगोल विषय के व्याख्याता के पद पर कार्य करते सेवानिवृत्त हुए। आप जीवन भर शिक्षाविद होने के साथ साथ साहित्यकार और लोक कलाकार के रूप में परिश्रम करते रहे। आपकी छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति जीवटता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि आप अपने पैतृक गांव में किसान और किसानिन की मूर्ति स्थापित किए। सबसे अच्छी बात यह रही कि आपके कार्यों में परिवार का हमेशा सहयोग मिला। आप जहां भी जाते धोती कुर्ता के साथ रंग बिरंगी पगड़ी आपकी विशेष पहचान रहती। आपने साक्षरता पर काम करने के साथ ही छत्तीसगढ़ी वीडियो फिल्म का भी निर्माण किया। आप गद्य और पद्य साहित्य दोनों में ही लेखन करते रहे। आपने कई पुस्तकों का प्रकाशन भी कराया। अंत में लंबे समय आल्हा गायन की शैली में हमारे विभूतियों को जन मानस में चित्रित करते रहे। आप आल्हा से संबंधित मंचीय प्रस्तुति भी देते रहे। आपकी इस प्रस्तुति के कारण आल्हा गायन के रूप में विशेष पहचान बनी। नारायण प्रसाद चन्द्राकार जी अपने जीवन में सरलता के साथ बड़े से बड़े काम को आसानी से निपटा लिया करते थे और इसी सरलता के कारण ही कला और साहित्य जगत में लोकप्रिय हुए। आप वरिष्ठ और कनिष्ठ कलाकार तथा साहित्यकारों के बीच बेहतर संतुलन बनाकर काम करते थे। साहित्यिक और लोक मंचों में आपकी उपस्थिति बराबर देखी जाती थी।

पौराणिक
डा. सत्यभामा आडिल

भानुमति ही कौशल्या नाम से प्रसिद्ध हुई

रामकथा से संबंधित प्राचीन धर्म ग्रंथों में उत्तर और दक्षिण कोसल का वर्णन मिलता है। दक्षिण कोसल प्रदेश में चंद्रखुरी ग्राम स्थित था। वहां के राजा भानुमंत की पुत्री भानुमति थी। भानुमंत का एक नाम सुकौशल और माता का नाम सुबाला था। भानुमति कौशल नरेश सुकौशल की पुत्री होने के कारण कौशल्या कही जाने लगी। अर्थात भानुमति ही कौशल्या नाम से प्रसिद्ध हुई।

विवाह से पूर्व ही कौशल्या ने वेद शास्त्रों और धर्म ग्रंथों का अध्ययन किया था। फलस्वरूप राजकुमारी कौशल्या की प्रसिद्धि चारों ओर फैलने लगी। सम्पूर्ण कोसल प्रदेश में भ्रमण करने वाले विद्वान धर्म पंडितों से युवराज दशरथ के राज्याभिषेक में सभी प्रदेशों के राजाओं के साथ साथ दक्षिण कोसल के राजा भानुमंत यानी सुकौशल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। वे अपनी पुत्री भानुमति कौशल्या के साथ उस राज्याभिषेक में गए।

युवराज दशरथ के राज्याभिषेक समारोह में राजकुमारी भानुमति की तेजस्विता व सौम्य स्वरूप ने उन्हें आकर्षित कर लिया। राज्याभिषेक के बाद युवराज दशरथ ने राजा भानुमंत से भानुमति के साथ विवाह करने का प्रस्ताव रखा, जिसे भानुमंत से सहर्ष स्वीकार कर लिया। इसके बाद वैदिक रीति रिवाज के अनुसार विवाह सम्पन्न हुआ। लोक मान्यता है कि इस विवाह के अवसर पर कौशल्या नरेश ने अपनी पुत्री को स्त्री धन के रूप में दस हजार गांव दान में दिए थे।

गांव की कहानी
बजरंग लोहिया

कई दृष्टिकोण से महत्व का गांव केलेंडा

यह ग्राम वर्तमान सरायपाली से लगभग 22 कि मी दूर पूर्व दिशा में स्थित है। इस ग्राम में कोलडिही नामक एक पुराना बसाहट है जहां राजत्व काल में कोल जाति के लोगों में बीरकोल, परसकोल, कोलबहाल आदि ग्रामों में भी कोल जाति का निवास था। संभवतः इसी कोलडिही के नाम पर ही इस ग्राम का नाम कालान्तर में परिवर्तित होकर केलेंडा पड़ गया होगा। इस ग्राम के समीप पर्वत पर पोड़झरन, बहियाझरन, मुनिझरन प्राकृतिक स्थल है। इस ग्राम में एक जगन्नाथ मंदिर है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्ति है। इस मंदिर के सामने गरुड़जी की एक पाषाण मूर्ति है जो काले पत्थर की बनी हुई है। इस ग्राम में पूर्व जमींदार परिवार के वंशज रहते हैं जो बिंझवार जाति के हैं। इस जमींदार परिवार की सोलह पीढ़ी ने यहां स्वामित्व किया है। इनके अधिकार में 12 ग्राम थे, जिसे बारहपलिया कहा जाता था। इस ग्राम के मिट्टी के पहले घरों को देखने से विचित्र निर्माण प्रतीत होता है जिसमें एक घर में सात आंगन होते थे। जो भूल भुलैया सा प्रतीत होता था। बताया जाता है कि सम्बलपुर से नक्शा लाकर इस तरह के मकान बनाए जाते थे जो अन्यत्र दिखाई नहीं देते।

मुगलों के आक्रमण से भारतीय परंपराएं छिन्न-भिन्न हो गई और यहां के प्रेक्षागृह जीर्ण हो गए। तब नाटकों ने दरबारों में भाण और प्रहसन का रूप ले लिया। लेकिन लोक नाट्य की परंपरा आज भी जीवित है चाहे ढोलामारू, चंदायन या लोरिकियन रूप में हो, आज भी प्रचलित है, उनका समुचित विकास मध्य युग के धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ।

धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ नाट्य कला का विस्तार

मुगलों के आक्रमण के पूर्व भारत के सभी भागों में खासकर राज प्रसादों और मंदिरों में संस्कृत और पाली प्राकृत नाटकों के लेखन और मंथन की परंपरा रही है,लेकिन उनका संबंध अभिजात्य वर्ग तक ही सीमित था। ग्रामीणजन के बीच परंपरागत लोकनाट्य ही प्रचलित थे। मुगलों के आक्रमण से भारतीय परंपराएं छिन्न भिन्न हो गई और यहां के प्रेक्षागृह जीर्ण हो गए। तब नाटकों ने दरबारों में भाण और प्रहसन का रूप ले लिया। लेकिन लोक नाट्य की परंपरा आज भी जीवित है चाहे ढोलामारू, चंदायन या लोरिकियन रूप में हो, आज भी प्रचलित है, उनका समुचित विकास मध्य युग के धार्मिक आंदोलन की छत्र छाया में हुआ। यही युग की सांस्कृतिक चेतना का वाहक बना।

आचार्य रामचंद्र ने राम कथा को और आचार्य बल्लभाचार्य ने कृष्ण लीला को प्रोत्साहित किया। अंचल में लोक नाट्य दो रूपों में विकसित हुआ। एक तो निम्न वर्ग के देवार, नट, भट आदि लोगों में आल्हा ऊदल, ढोलामारू जैसी परंपरा को तथा पंडु, कंवर और संवरा जाति में पंडवानी और पंथी को विकसित किया। छत्तीसगढ़ में इसका प्रचार प्रसार लगभग 16 वीं और 17 वीं शताब्दी के मध्य हुआ। उत्तर भारत के रास लीला और राम लीला मथुरा, वृंदावन, काशी और इलाहाबाद से सतना, रीवा, अमरकंटक होते हुए पेंड्रा, रतनपुर, शिवरीनारायण, अकलतरा, सारंगढ़, किकिरदा, मल्दा, नरियरा, बलौदा,कवर्धा और राजिम में फैल गया। इसीलिए छत्तीसगढ़ी भाषा में अवधी और ब्रज का पुट मिलता है।

लोक नाट्यः गोपाल शर्मा

आस्था : चित्ररेखा डहरिया

लोगों की आस्था माता सरई में

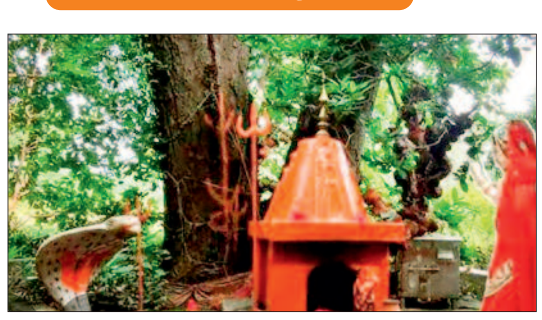

छत्तीसगढ़ का नवगठित जांजगीर चांपा जिला पुरातात्विक और नैसर्गिक कलाकृतियों के लिए प्रसिद्द है। यहां से कोरबा मार्ग पर अनेक ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के देवी देवताओं के मंदिर देखे जा सकते हैं। ऐसे ही मंदिरों में जिला मुख्यालय से लगभग 25 कि मी दूर बलौदा कोरबा मार्ग पर डोंगरी नामक ग्राम के पास माता सरई सिंगारिनी की बगिया है। नाम से ही पता चलता है कि इस स्थान पर सरई पेड़ों का घना जंगल है। इसी घने जंगल में देवी विराजमान है। इस माता में स्थानीय निवासी कई चमत्कारी घटनाओं से भक्तों को अवगत कराते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार यदि कोई इस जंगल की लकड़ी को काटने का प्रयास करता है तो उन्हें किसी न किसी दंड का भागीदारी होना पड़ता है, इस कारण कोई भी इस जंगल में लकड़ी काटने नहीं आता। इस जंगल से गुजरने वाले माता के दरबार में माथा टेकने अवश्य आते हैं। अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए भी भक्त यहां आते रहते हैं। मनोकामना पूरी होने पर भक्त नवरात्रि में जोत जवारा बोते हैं। यहां का वातावरण हरा भरा होने के कारण रमणीय लगता है।

लोक गीत
विश्वनाथ देवांगन

देवों को रिझाने के लिए गाए जाते हैं चाखना गीत

बस्तर अंचल के कांकेर क्षेत्र में धनकुल गायन के समय बीच बीच में एकरसता को तोड़ने और रस परिवर्तन के लिए मुख्य कथा से हट कर कुछ गीत गाए जाते हैं, जिन्हें चाखना गीत कहते हैं। यह गीत दो प्रकार के पहला देव चाखना और दूसरा सादा चाखना होते हैं। देव चाखना में देवी देवताओं से संबंधित गीत होते हैं, जिन पर देवी देवता रीझ जाते हैं और नृत्य करने लगते हैं, जबकि सादा चाखना इससे भिन्न होते हैं और पूरी तरह मनोरंजक। इसी तरह का देव चाखना गीत में देवी देवता से संबंधित गीत गाए जाते हैं। भोजनोपरान्त किशोर किशोरियां गांव से बाहर किसी निर्धारित स्थान पर एकत्र होकर गीत संगीत से मनोरंजन करते हैं। यह गीत प्रायः श्रृंगारिक होते हैं। दोनों पक्षों द्वारा गीत गाते नृत्य भी किया जाता है। इन गीतों को खेल गीत भी कहा जाता है। गीतों की श्रृंखला लगातार चलता रहता है। यह दृश्य काफी मनमोहक होता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

ऐतिहासिक
श्रीमती आशा ध्रुव

बिन्द्रानवागढ़ में राजा मारादेव की कूटनीति

छत्तीसगढ़ के बिन्द्रानवागढ़ अंचल में राजा धुरवा और राजकुमारी कचना के बीच राजा मारादेव दीवार बन कर खड़ा हो गया। मारादेव धरमतराई की राजकुमारी कचना को अपनाना चाहता था। राजकुमार धुरवा ने कचना को अपना बना लिया। इस बात की खबर मारादेव को लगने पर वह राजा धुरवा के खिलाफ उठ खड़ा हुआ।

राजा मारादेव और मारादेव के बीच घमासान युद्ध हुआ और मारादेव को मैदान छोड़ना पड़ा। मारादेव फिर से अपनी शक्ति बटोर कर राजा धुरवा के सामने युद्ध के लिए आ खड़ा हुआ। कई बार मारादेव ने धुरवा की गर्दन पर वार किया पर उसकी गर्दन धड़ से फिर जुड़ जाती। इस तरह बार बार मारादेव और धुरवा के बीच 46 युद्ध हुए। राजा धुरवा को माता जगदम्बा का आशीर्वाद प्राप्त होने व मारादेव राजा धुरवा की मृत्यु का रहस्य नहीं जानता था। मारादेव ने राजा धुरवा की मृत्यु का रहस्य जानने के लिए एक कलारिन को लालच दिया। कलारिन शराब बेचती थी। धन के लोभ में उसने मारादेव का साथ दिया। इधर राजा धुरवा माता जगदम्बा को दिए अपने वचनों को भूल बैठा। एक दिन कलारिन ने राजा धुरवा को शराब के नशे में चूर कर बड़े स्नेह से पूछा कि महाराज - आपका सिर कट कर भी धड़ से जुड़ जाता है, क्या यह सही बात है? शराब के नशे में राजा धुरवा ने कहा -मेरा कोई बाल बांका नहीं कर सकता। क्योंकि मैंने माता जगदम्बा से वरदान प्राप्त किया है, कि मैं न थल में मर सकता हूं न ही जल में। मुझे कोई मारना चाहे तो मेरा सिर थल में हो और धड़ पानी में हो तभी मेरे सिर को काट कर थल में ही रखे और धड़ पानी में डूबा रहे तभी मेरी मृत्यु हो सकती है। मारादेव छिप कर राजा धुरवा और कलारिन की बात को सुन रहा था। उसने धुरवा की मृत्यु का रहस्य जान लिया। अब फिर एक बार मारादेव युद्ध के लिए धुरवा को ललकारा। मारादेव धुरवा को मारने के लिए अपनी योजना में सफल हो गया। उसने अपनी कूटनीति से धुरवा का वध करने के बाद कचना को अपने साथ ले जाना चाहा, परंतु कई कोशिशों के बाद भी कचना को हिलाने में भी सफल नहीं हो सका और अंत में हार कर कचना को छोड़ कर चला गया। रोते बिलखते कचना ने अपने प्राण वहीं त्याग दी।

कार्यालय आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
ब्लाक - 4, भूतल, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर, अटल नगर (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/ EMRS/456/ 2025-26/1160 नवा रायपुर, दिनांक 02/05/2025

-: सूचना ::-

वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कक्षा- 6वीं में प्रवेश हेतु समग्र परीक्षा परिणाम (Over all result & district wise merit list for EMRS 2025-26) की सूचना।

भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति नई दिल्ली द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रदेश में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा - 6वीं में प्रवेश हेतु प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण करते हुए समग्र परीक्षा परिणाम (Over all reult & district wise merit list for EMRS 2025-26) वेबसाईट पर अपलोड की गई है। विद्यार्थी अपने जिले में रैंक- सर्च कर सकते हैं। जिलावार सूची जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को भेजी गई है तथा जिला स्तर पर निर्धारित तिथियों पर काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित हो सकेंगे।

(श्रीमती मेनका चन्द्राकर)
उप-आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
छत्तीसगढ़, नवा रायपुर, अटल नगर

G-252600675/2

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
(ISO 9001:2015 certified)
1s Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur 492006 (CG)
CIN:U45203CT1981SG001853, PAN:AABCM6288N, GST Regn No.:22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000
Website: www.csidc.in, Email :csidc.cg@gov.in, csidc_raipur@yahoo.com

Invitation for Expression of Interest (EOI)

EOI/NIT No. 06/CSIDC/E E/Division-III/2025-26 Raipur, dated 05/05/2025

The Government of Chhattisgarh, through the Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC), invites reputed Agencies to submit Expressions of Interest (EOI) for the "Up gradation, maintenance and operation of Furniture Works Factory, Abhanpur on Public-Private Partnership (PPP)".

The EOI document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from website www.csidc.in from 06/05/2025 and shall be submitted as detailed below:

Key Details:
- Last date for Submission of EOI: 04/06/2025, 4:00 P.M.
- Submission Mode: EOI should be submitted in a sealed envelope, super scribed as: "Expression of Interest (EOI)" for Up gradation, maintenance and operation of Furniture Works Factory, Abhanpur (C.G.), on Public-Private Partnership (PPP)

Address for Submission:
The Managing Director,
Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC),
1* Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No. 01, Telibandha, Raipur (C.G.) 492001

For further information and clarifications, please contact:
- Shri Alok Kumar Trivedi, Executive Director, CSIDC
- Mobile: +91 94252-35401
- Email: csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com

S-43767/3 **Executive Director, CSIDC**

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग
कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि दन्तेवाड़ा वनमण्डल के निम्नलिखित शासकीय वाहनों के निवर्तन हेतु सील बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	विवरण	प्रथम निविदा तिथि		प्रथम निविदा असफल होने की स्थिति में द्वितीय निविदा तिथि		द्वितीय निविदा असफल होने की स्थिति में तृतीय निविदा तिथि	
		दिनांक	समय	दिनांक	समय	दिनांक	समय
1	निविदा फार्म ब्रिकी की अंतिम तिथि	27.05.2025	अपरान्ह 12.00 बजे	20.06.2025	अपरान्ह 12.00 बजे	04.07.2025	अपरान्ह 12.00 बजे
2	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	27.05.2025	अपरान्ह 2.00 बजे	20.06.2025	अपरान्ह 2.00 बजे	04.07.2025	अपरान्ह 2.00 बजे
3	निविदा खोलने की तिथि	27.05.2025	अपरान्ह 4.00 बजे	20.06.2025	अपरान्ह 4.00 बजे	04.07.2025	अपरान्ह 4.00 बजे

// विवरण //

क्र.	मॉडल	वाहन का प्रकार	वाहन क्रमांक	धरोहर की राशि	वर्तमान में वाहन जहां खड़ी है।
		महिन्द्रा बोलेरो	C.G.-02, F-0256	5000.00	वनमण्डल कार्यालय दन्तेवाड़ा
		महिन्द्रा बोलेरो	C.G.-02, F-0054	5000.00	वनमण्डल कार्यालय दन्तेवाड़ा
		महिन्द्रा बोलेरो	C.G.-02, F-0052	5000.00	वनमण्डल कार्यालय दन्तेवाड़ा
		महिन्द्रा बोलेरो कैम्पर	C.G.-02, F-0143	5000.00	वनमण्डल कार्यालय दन्तेवाड़ा

निविदा अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा स्वयं अथवा अधिकृत अधिकारी के द्वारा खोला जावेगा। निविदा खोलने की तिथि को यदि अवकाश रहता है या किसी अन्य कारण से नही खोली जाती है तों उपरोक्त निविदा को आगामी तिथि को खोला जावेगा।

निविदा फार्म सूचना प्रकाशन के पश्चात कार्यालय दिवस / समय पर 200 रूपये जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक निविदाकार को वाहन "जहाँ और जिस स्थिति में है, स्वयं देखना होगा। उक्त वाहन शासकीय वाहन है, जिसका पंजीयन तथा नामान्तरण संभव नही है। धरोहर राशि बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चेक जो वनमण्डलाधिकारी दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा के नाम से देय हो के माध्यम से जमा करना होगा। सफल निविदाकार को स्वीकृति आदेश जारी होने के एक माह के भीतर शेष राशि जमा कर वाहन अपने आधिपत्य में लेना होगा अन्यथा धरोहर राशि के रूप में जमा किये गये बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चेक शासन के पक्ष में राजसात होगा।

टीप:- अन्य विस्तृत जानकारी एवं निविदा के अन्य शर्त वनमण्डलाधिकारी दन्तेवाड़ा के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

वनमंडलाधिकारी
दंतेवाड़ा वनमंडल, दंतेवाड़ा

G- 252600660/3

संचालनालय मछली पालन छत्तीसगढ़
इंद्रावती भवन, ब्लाक - बी, चतुर्थ तल, नवा रायपुर
दूरभाष क्रमांक 0771 - 2443124, फैक्स क्र. 0771-2443067 ई मेल - dirfishery.cg@nic.in

क्र. 378 / म / म. पा. प्र. / 2024 - 25 नवा रायपुर, दिनांक 05/05/2025

विज्ञापन सूचना

संचालक मछली पालन विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य योजना एवं केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत संचालित योजनाओं की वित्तीय वर्ष 2025-26 के स्वीकृत कार्यक्रम हेतु निर्धारित आवेदन पत्र जिलों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के घटक / गतिविधियों के लिए अनुदान प्राप्त करने के लिए इच्छुक मत्स्य कृषक / पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति / संस्था से आमंत्रित किया जाता है। आवेदन संबंधी प्रस्ताव मछली पालन विभाग के जिला कार्यालय में जमा किया जाना है, प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही बजट उपलब्ध होने पर **"प्रथम आओ - प्रथम पाओ"** पर आधारित होगी।

जिन गतिविधियों/घटकों पर अनुदान सहायता दी जानी है उनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	योजना / कार्यक्रम	इकाई लागत रुपये लाख में	शासन द्वारा देय अनुदान
	केन्द्र प्रवर्तित योजना (प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना)		
1	फिन फिश हेचरी की स्थापना	25.00	सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को अधिकतम 40 प्रतिशत एवं महिला / अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को अधिकतम 60 प्रतिशत अथवा स्थापित / निर्मित इकाई की लागत की मूल्यांकन / वास्तविक मूल्य अथवा इकाई लागत अनुदान की सीमा जो कम हो उसके आधार पर अनुदान देय होगा।
2	नवीन संवर्धन पोखर का निर्माण	07.00	
3	नवीन तालाब निर्माण	07.00	
4	एक्वाकल्चर के लिए इनपुट जिसमें कम्पोजिट फिश कल्चर, स्कम्पी, पंगेशियस, तिलापिया आदि	4.00	
5	रिसकुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम एवं बायो फ्लॉक की स्थापना (मिडियम)	25.00	
6	बॉयोफ्लॉक पॉन्ड का निर्माण इनपुट्स सहित	14.00	
7	जलाशयो में केज कल्चर की स्थापना	3.00	
8	कोल्ड स्टोरेज / आईस प्लांट स्थापना (10 टन क्षमता)	40.00	
	राज्य योजना (शिक्षण प्रशिक्षण)		
9	10 दिवसीय प्रशिक्षण	0.0125	शिष्यवृत्ती रु 750/- एवं रू 400/- का नायलोन धागा प्रदान किया जाता है।
10	03 दिवसीय प्रशिक्षण	0.01	रू 450/- शिष्य वृत्ती प्रदान की जाती है।
	राज्य योजना (मत्स्य पालन प्रसार)		
11	मौसमी तालाबों में स्पान संवर्धन	0.30	मत्स्य बीज एवं फीड वस्तु विशेष के रूप में प्रदाय।
12	झींगा सह मछली पालन (बस्तर संभाग हेतु)	4.68	रूपये 2.80 लाख अनुदान प्रति हैक्टर प्रदाय।
13	फुटकर मत्स्य विक्रय हेतु सहायता	0.06	आईस बॉक्स एवं तराजू / बाट आदि वस्तु विशेष के रूप में प्रदाय
14	मछुआरों को मत्स्याखेट हेतु नाव - जाल / जाल प्रदाय	0.10	मत्स्याखेट करने वाले हितग्राहियों को नाव जाल / जाल प्रदाय।
15	50 प्रतिशत अनुदान पर तालाबों में फिंगरलिंग संचयन।	0.02	रूपये 4000/- का फिंगरलिंग शासकीय प्रक्षेत्र से क्रय कर संचय पर रूपये 2000/- का अनुदान वस्तु विशेष के रूप में प्रदाय।

उपरोक्त योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाईट https://agriportal.cg.nic.in/ fisheries/FishHi / तथा मछली पालन विभाग के जिला अधिकारी एवं राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड के वेबसाईड से प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक हितग्राही विभाग द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर समस्त दस्तावेजों सहित संबंधित क्षेत्र के जिला अधिकारी को प्रस्तुत कर सकते है।

संचालक मछली पालन
छत्तीसगढ़

G-252600691/2

धमतरी। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम कपालफोड़ी निवासी हेमंत ध्रुव पिता समारूराम उम्र 45 वर्ष ने अज्ञात कारणों से एक अधेड़ ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर आत्महत्या कर ली है। मृतक खेती-किसानी का काम करता था।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता,
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 167784/निविदा सूचना क्र. 01/वलेलि/2025-26, दुर्ग दिनांक 05.05.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.05.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - बेमेतरा जिले के विकासखण्ड बेरला की तांदुला परियोजना अंतर्गत आनंदगांव माईनर के आर.डी. 0 मी. से 10800 मी. तक रिमाडलिंग एवं आर.डी. 0 मी. से आर.डी. 6000 मी. तक लाईनिंग कार्य साथ ही 01 नग डी.सी., 05 नग व्ही.आर.बी., 01 नग इनलेट एवं 21 नग कोलाबा फिक्सिग कार्य।

अनुमानित लागत - **रू. 384.28 लाख**

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.05.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते, मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, रायपुर. (छ.ग.)

G-252600699/3

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.05.2025 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
167765	04/व.ले. लि / 2025-26 दिनांक 05.05.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर के अंतर्गत टिनमिनी जलाशय का जलद्वार निर्माण एवं मुख्य बांध का मरम्मत कार्य।	208.29	प्रथम आमंत्रण
167766	05/व.ले. लि / 2025-26 दिनांक 05.05.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर के अंतर्गत पुसौर जलाशय का जलद्वार निर्माण एवं मुख्य बांध का मरम्मत कार्य।	227.79	प्रथम आमंत्रण
167767	06/ व.ले. लि / 2025-26 दिनांक 05.05.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड पुसौर के अंतर्गत केशापाली स्टापडेम का निर्माण कार्य।	269.20	प्रथम आमंत्रण
167769	08/व.ले. लि / 2025-26 दिनांक 05.05.2025	रायगढ़ जिले के विकासखण्ड रायगढ़ अंतर्गत सपनई व्यपवर्तन का जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग का निर्माण कार्य।	412.11	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.05.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

G-252600698/2

हत्या का फरार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

शराब पीकर गाली गलौज कर हत्या करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि मोहन ताम्रकार के हत्याकांड मामले में फरार आरोपी डोमेश्वर ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी मृतक के घर के पास बैठकर नशे की हालत में गाली गलौज करता था। इस लेकर मोहन ताम्रकार ने मना किया लेकिन आक्रोश में आकर आरोपी ने शराब की बोतल को पत्थर में तोड़कर वार कर मौत के घटा उतार दिया। घटना 5 मई की शाम की है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने थाना प्रभारी आनंद शुक्ला के नेतृत्व में टीम बनाई गई। आरोपी डोमेश्वर ठाकुर को गिरफ्तार किया गया।

डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन में सैन्य मूव्हमेंट
एक घंटे तक चप्पे-चप्पे पर दिखे आरपीएफ जवान व डॉग स्क्वाड

डोंगरगढ़। मंगलवार 6 मई की सुबह छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक असाधारण नजारा देखने को मिला। अचानक रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और डॉग स्क्वाड की सक्रियता ने आम यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को चौंका दिया। पूरे स्टेशन को सेनेटाइज किया गया। चारों प्लेट फॉर्मों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई और बारीकी से तलाशी अभियान चलाया गया। लोगों में उस वक्त और ज्यादा उत्सुकता बढ़ गई, जब बख्तरबंद सैन्य वाहनें, भारी गोला-बारूद और अन्य सैन्य सामग्री से लदी एक विशेष ट्रेन स्टेशन पर पहुंची। यह ट्रेन रायपुर से नागपुर की ओर जा रही थी, जिसे डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 के बीच की लाइन पर रोका गया। सेना के जवानों और अधिकारियों से घिरी इस ट्रेन के आसपास आम लोगों को फटकने तक नहीं दिया गया। पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। करीब एक घंटे तक यह सैन्य ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान सुरक्षा बलों की सतर्कता चरम पर थी। डॉग स्क्वाड ट्रेन और उसके आसपास के इलाकों की बारीकी से जांच करती रही।

कार्यालय नगर पंचायत मारो, जिला - बेमेतरा (छ.ग.)
E-Mail ID- npmaro@gmail.com

क्रमांक /80/ निविदा/ न.पं./2025-26 मारो दिनांक 01/05/2025

// द्वितीय - ई - निविदा आमंत्रण सूचना //

न.पं. मारो में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा (ई-टेंडर) पद्धति पी.डबल्यू.डी. बिल्डिंग एस.ओ.आर. 01.01.2015 अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.	S.T. No.	कार्य का विवरण	निविदा जमा करने की प्रारम्भिक तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज परीक्षण की तिथि	निविदा खोलने की तिथि	Tender Form.
1	167794	Construction of r.c.c drain w.n.07.13.15 from bus stand to office n.p.maro (CGPWD BUILDING SOR - 01.01.2015) RS-51.35 Lac	02.05.2025/ 18:00 बजे	19.05.2025/ 17:30 बजे	22.05.2025 16:30 बजे	23.05.2025/ 11:30 बजे	"A"

निविदा में भाग लेने वाले ईच्छुक फर्म / ठेकेदार एवं कार्य से सम्बन्धित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं एवं Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in / www.uad.cg.gov.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मारो

Home First Finance Company India Limited
homefirst We'll take you home
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13(2) के तहत मांग सूचना

आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारकों ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को बंधक रखकर ऋण लिया है और आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारक ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/ सह-ऋणधारक जमानतदार के रूप में हैं। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, आपके ऋण खाते को वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत 06-05-2025 को गैर -निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ने आपके द्वारा दिए गए पते पर सरफेसी अधिनियम की धारा 13(13) के साथ धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस 06-05-2025 को जारी किए गए हैं और इन नोटिसों में कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है इसलिए, वर्तमान प्रकाशन सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के प्रावधान और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार सूचित करने के लिए है:-

क्र. सं.	खाता, ऋणधारक (ओं) व जमानतदार (ओं) के खाते का नाम और पता	लागू की जाने वाली सुरक्षा का ब्यौरा	मांग सूचना की तारीख तक कुल बकाया प्लस अतिरिक्त ब्याज और अन्य व्यय (रु. में)
1.	वंशपाल कात्रे, नेहा। कात्रे	फ्लैट-खं. सं. 195/143, खं.सं. 195/64 भाग, प.ह.नं. 105/59, नया खं. 195/143, प.ह.नं. 105/59, मौजा चंगोराभाठा, डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड सं. 67, रा.नि.मं./तहसील जिला रायपुर,छत्तीसगढ़, रायपुर-492013, चौहद्दी-उत्तर- अग्रवाल का प्लॉट, दक्षिण - सड़क, पूर्व - वंशी प्रसाद उपाध्याय का प्लॉट, पश्चिम - देवीलाल बिसेन का प्लॉट।	13,04,035
2.	केशव महानंद, फाल्गुनी महानंदा	प्लॉट- प.ह.नं. 107/23/51, खसरा नंबर 130/180 भाग, प.ह.नं. 00051; रामकृष्ण परमहंस वार्ड नं. 02; बंजारी मंदिर के आगे, निकट- शासकीय ईएसआईसी अस्पताल, बाजार चौक के बगल में, ग्राम-कोटा-III; राज.नि. रायपुर III, कोटा तह. एवं जिला-रायपुर छत्तीसगढ़-492001, चौहद्दी : उत्तर - साहू का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट, पूर्व - सड़क, पश्चिम -तिवारी का प्लॉट।	17,08,846
3.	गुड्डु कुमार, कविता देवी	मकान-खसरा नंबर 511/77, क्षेत्रफल 836 वर्ग. फीट, संपत्ति स्थिति- मौजा उरला, गुरु घासीदास वार्ड, वार्ड नं. 01, प.ह.नं.101/29, रा.नि.मं. रायपुर-21-रावाभाटा (नया) धरसींवा-1 (पुराना), तहसील-धरसींवा (नया)/ रायपुर (पुराना रायपुर), छत्तीसगढ़-492001, चौहद्दी : उत्तर- सड़क, दक्षिण में - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम में - विक्रेता की शेष भूमि।	8,14,434

आपसे अनुरोध है कि आप इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपरोक्त राशि ब्याज और लागत के साथ चुकाएं, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ऋणधारकों, बंधककर्ताओं और जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने सहित सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई करेगी। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपलब्ध शक्तियों में शामिल हैं-(1) ऋणधारकों /जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को कब्जे में लेने की शक्ति जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को जारी करने के लिए पट्टे, बिक्री के असाइनमेंट के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकार शामिल हैं (2) पट्टे, असाइनमेंट या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकारों सहित सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना और सुरक्षित संपत्तियों को प्राप्त करना।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा (आपके व्यवसाय के सामान्य क्रम के अलावा) किसी भी सुरक्षित संपत्ति को होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: रायपुर
दिनांक: 07-05-2025

द्वारा हस्ताक्षरित: प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल कोरबा के प्रस्तावित अंबिका ओपन कॉस्ट परियोजना के ग्राम-करतली के प्रभावित भू-विस्थापितों को एसईसीएल में नौकरी प्रदान करने की प्रक्रिया आरंभ है, जिसमें से निम्नलिखित 06 भू-विस्थापितो/नामांकित व्यक्तियों के नाम में अंतर पाया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है :-

क्रं.	घटते क्रम की सूची क्रमॉक	खातेदार का नाम/पिता का नाम	अर्जित खसरा न.	अर्जित रकबा (एकड़)	नामांकित व्यक्ति का नाम/पिता का नाम नामांकन फार्म में	संबंध	सीबीए स्टटमेंट V	बी-1 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	पी-2 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	नामांकन फार्म में खातेदार का नाम	सहमति/शपथ पत्र	वंशवृक्ष	आधार कार्ड	जाति प्रमाण पत्र	निवास प्रमाण पत्र	शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र
1	118	नैनसिंह पिता रामचरण	586/2	0.72	अमन जगत पिता नैनसिंह	पुत्र	नैनसिंह/रामचरन	नैनसिंह पि. रामचरन	नैनसिंह पि. रामचरन	नैन सिंह पि. रामचरन	अमन जगत पिता नैनसिंह, नैनसिंह पिता राम चरण, विकास जगत पिता नैनसिंह	नैनसिंह पिता रामचरण, अमन जगत, विकास जगत पिता नैनसिंह	नैनसिंह आत्मज रामचरण सिंह, विकास जगत पिता नैनसिंह जगत, अमन जगत पिता नैनसिंह	अमन जगत पिता नैनसिंह	अमन जगत आत्मज नैनसिंह	अमन जगत पिता नैनसिंह
2	38	चमरू पिता रामसिंह	188/24 195/16 168/6 168/13 188/22 188/14	1.71	गजेन्द्रपाल पि. चमरू सिंह	पुत्र	चमरू/रामसिंह	चमरूसिंह व. रामसिंह गौड़	चमरू व. रामसिंह	चमरू सिंह पि. रामसिंह	चमरू सिंह पिता रामसिंह, गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह, गंगा राम फुलेशर पिता चमरू राम फुलेशर, ना. बा. अजीत कुमार, ना. बा. कु. स्नेह, बलीमा झुलबाई पिता चमरू सिंह	चमरू सिंह पिता रामसिंह, गंगाराम फुलेशर, गजेन्द्रपाल, ना. बा. अजित कुमार, ना.बा. कु. स्नेहा पिता चमरू सिंह	गजेन्द्र पाल आत्मज चमरू सिंह, चमरू सिंह आत्मज रामसिंह, गंगा राम फुलेशर पिता चमरू राम फुलेशर, अजीत कुमार आत्मज चमरू सिंह, कु. स्नेहा आत्मज चमरूसिंग	गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह	गजेन्द्रपाल पिता चमरू सिंह	गजेन्द्र पाल पिता चमरू सिंह
3	68	अमृता बाई पति दयाल सिंह	185/3	1.18	अक्षय कुमार/भागवत सिंह	पोता	अमृता बाई/दयाल सिंह	-	अमृताबाई	अमृता बाई पिता स्व. दयाल सिंह	भागवत सिंह, गीता बाई, राधेश्याम, उत्तरा कुमार, अनिता पिता स्व. लक्ष्मण सिंह, लक्ष्मीन बाई, सेवक, संतोषी, सतरूपा पिता भागवत सिंह अक्षय कुमार पिता भगवत सिंह, अमृता बाई पिता स्व. दयाला सिंह	अमृता बाई स्व. दयाल सिंह, भागवत सिंह, गीता बाई, राधेश्याम, उताराकुमार, अनिता मॉं अमृता बाई पि स्व. दयाल सिंह, लक्ष्मीन बाई, सेवक, संतोषी, अक्षय कुमार (नामांकित), सतरूपा पिता भागवत सिंह	अमरिता बाई गोड़ अर्धांगिनी लक्ष्मण सिंह गोड़, अक्षय कुमार आत्मज भागवत सिंह, भागवत सिंह गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह, गीता बाई श्याम अर्धांगिनी चन्दन सिंह श्याम, राधेश्याम गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह गौड़, उत्तरा कुमार गौड़ आत्मज लक्ष्मण सिंह गौड़, अनिता अर्धांगिनी अर्जुन सिंह, लक्ष्मीन बाई अर्धांगिनी हरी सिंह, सतरूपा कुमारी/आशीष कुमार मरकाम, सेवक कोरम आत्मज भागवत कोरम, संतोषी/ विनय कुमार	अक्षय आत्मज भागवत सिंह	अक्षय आत्मज भागवत	अक्षय पिता भागवत सिंह
4	25	हरीभजन सिंह पिता फत्ते सिंह	189/3 558/1 581/1 521/1 529/2	2.05	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	पुत्र	हरि भजन/ फत्ते सिंह	हरिभजनसिंह पिता फत्तेसिंह गौड़	हरिभजन पि. फत्ते सिंह	हरिभजन सिंह पिता फत्ते सिहं (फौत) बने वारिस राहुल सिंह, रामू सिंह/ हरिभजन, चंद्रकली बे, हरिभजन	राहुल सिंह टेकाम पिता स्व. श्री हरिभजन सिंह टेकाम, चंद्रकली पति स्व. श्री हरिभजन सिंह, रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	हरिभजन पिता फत्ते सिंह, राहुल सिंह, रामू सिंह पिता हरिभजन	हरिभजन सिंह टेकाम आत्मज फत्ते सिंह टेकाम, चंद्रकली टेकाम अर्धांगिनी हरिभजन सिंह, राहुल सिंह टेकाम आत्मज हरिभजन	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	रामू सिंह पिता हरिभजन सिंह	रामू सिंह हरिभजन सिंह
5	116	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	168/17 188/2 ग,1 94/7 195/6	0.72	अरविंद कुमार पिता बलराम सिंह	पुत्र	बलराम सिंह/ शिवप्रसाद	बलराम व. शिवप्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद	बलराम पिता श्री शिव प्रसाद, आरती पिता बलराम, ना.बा. माईकलेशबली पिता बलराम, बलराम पिता श्री शिव प्रसाद	बलराम सिंह पिता शिवप्रसाद, आरती, अरविंद कुमार, माईकलेश पिता बलराम सिंह	अरविंद कुमार आत्मज बलराम सिंह, बलराम सिंह आत्मज शिवप्रसाद	अरविन्द कुमार पिता बलराम	अरविन्द कुमार पिता बलराम	अरविन्द कुमार पिता बलराम
6	117	छत्तरपाल सिंह पिता देवचरण	586/3	0.72	वैभव जगत पिता छत्रपाल सिंह	पुत्र	छत्रपाल सिंह पिता देवचरन	छत्रपाल सिंह व. देवचरण	छत्तरपाल सिंह पिता देवचरन	छत्रपाल सिंह पिता देवचरण	वैभव कुमार पिता छत्रपाल सिंह, छत्रपाल सिंह पिता श्री देवरण सिंह, वैष्णवी, वैशाली पिता छत्रपाल जगत, छत्रपाल सिंह पिता श्री देवचरण	छत्रपाल सिंह पिता देवचरण, वैभव, वैष्णवी, वैशाली पिता छत्रपाल सिंह	वैभव कुमार आत्मज छत्रपाल, छत्रपाल सिंह जगत आत्मज देवचरण सिंह, वैष्णवी आत्मजा छत्रपाल, वैशाली आत्मजा छत्रपाल जगत	वैभव कुमार आत्मज छत्रपाल सिंह	वैभव पिता छत्रपाल सिंह	वैभव पिता छत्रपाल सिंह

उपरोक्त वर्णित नामों के अंतर एवं भू-स्वामियों द्वारा रोजगार हेतु नामित उम्मीदवार के संदर्भ में यदि किसी को आपत्ति है तो अपनी आपत्ति प्रकाशन तिथि के सात (07) दिवसों के अंदर इस कार्यालय को सूचित करें। समय-सीमा समाप्त होने पर किसी प्रकार की आपत्तियों को स्वीकार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/30

महाप्रबंधक, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र

भारत टेलीकॉम कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा

एप्पल अपने सभी मोबाइल फोन भारत में बनाएगा और यहीं से खरीदेगा : सिंधिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश करना हर मूल उपकरण विनिर्माता के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। उन्होंने इस संबंध में अमेरिकी स्मार्ट उपकरण कंपनी एप्पल के उस फैसले का उदाहरण दिया जिसमें उसने अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन को भारत में बनाने तथा यहां से खरीदने का निर्णय लिया है।

■ भारत में निवेश करना आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम

'भारत टेलीकॉम' कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में भारत में निवेश केवल सद्भावना का कार्य नहीं है, बल्कि यह हर एक ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माता) के लिए आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। सिंधिया ने कहा, '' एप्पल ने आने वाले वर्षों में अपने सभी मोबाइल फोन भारत में ही बनाने तथा यहीं से खरीदने का निर्णय लिया है। जब आप भारत में निवेश करते हैं, तो आप सामर्थ्य, विश्वसनीयता और मौलिकता का चयन करते हैं।''

खास बातें

- चीन अन्य बाजारों के लिए सर्वाधिक आईफोन बनाना जारी रखेगा
- भारत में एप्पल फोन बनने से 25 हजार नौकरियां हुई सृजन

एप्पल के सीईओ कुक ने कहा, आपूर्ति भारत से होगी

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने हाल ही में कहा था कि जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले अधिकतर आईफोन की आपूर्ति भारत से की जाएगी। वहीं शुल्क दरों पर अनिश्चितता के बीच चीन अन्य बाजारों के लिए सर्वाधिक आईफोन बनाना जारी रखेगा।

भारत का दूरसंचार बाजार कई गुना बढ़ा

सिंधिया ने कहा कि सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित दूरसंचार उपकरण बाजार में कई गुना वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, '' केवल 4,000 करोड़ रुपये, यानी आधा अरब डॉलर के निवेश के परिणामस्वरूप 80,000 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, निर्यात में 16,000 करोड़ रुपये का योगदान रहा और 25,000 नौकरियां सृजित हुई हैं। इसलिए, भारत में दूरसंचार उपकरण बाजार भी कई गुना बढ़ गया है।''

भारत आयातक से बड़ा निर्यातक बना

दूरसंचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि 2014 के आसपास भारत मोबाइल फोन का एक बड़ा आयातक था, लेकिन अब वह मोबाइल फोन का एक बड़ा उत्पादक व निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत का मोबाइल फोन उद्योग 2014 में 60 लाख फोन बनाने और 21 करोड़ मोबाइल फोन आयात करने से बदलकर 2024 में कुल 33 करोड़ मोबाइल फोन का उत्पादन और पांच करोड़ फोन का निर्यात करने वाला बन गया है।

आईफोन उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 15 फीसदी

पेम्मासानी ने कहा, '' इसके अलावा अगर आप वैश्विक स्तर पर आईफोन उत्पादन पर नजर डालें, तो आज उसमें 15 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत की है।'' बाजार अनुसंधान कंपनी आईडीसी के अनुसार, एप्पल ने दुनिया भर में 23.21 करोड़ आईफोन की आपूर्ति की है।

भारतीय जमीन पर चिप का निर्माण

पेम्मासानी ने कहा कि 'सेमीकंडक्टर मिशन'.. भारत को इलेक्ट्रॉनिक, सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदल रहा है। उन्होंने कहा, '' भारतीय जमीन पर सेमीकंडक्टर विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना हमारी प्रौद्योगिकी संप्रभुता में एक महत्वपूर्ण क्षण है।''

भारत, ब्रिटेन के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन ने लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साथ दोहरा अंशदान समझौता भी मंगलवार को पूरा कर लिया। इन समझौतों से दोनों देशों में व्यापार, निवेश, वृद्धि और रोजगार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

■ दोहरे अंशदान करार पर भी बात बनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से फोन पर बात होने के बाद इन समझौतों के संपन्न होने की घोषणा की। यह ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद उसका सबसे बड़ा व्यापारिक समझौता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के रूप में, भारत और ब्रिटेन ने दोहरे अंशदान समझौते के साथ एक महत्वाकांक्षी एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को सफलतापूर्वक संपन्न किया है।' पीएम ने कहा, 'ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन एवं नवोन्मेषण को बढ़ावा देंगे।'' भारत ने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को लेते हुए 'संतुलित, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी' एफटीए के संपन्न होने से द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि, रोजगार के नए अवसर पैदा होने, जीवनस्तर में सुधार और दोनों देशों में नागरिकों की समग्र बेहतरी में सुधार होने की उम्मीद है।

रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा

बयान के मुताबिक, ''यह समझौता दोनों देशों के लिए वैश्विक बाजारों के लिए उत्पादों और सेवाओं को संयुक्त रूप से विकसित करने की नई संभावनाओं के भी द्वार खोलेगा।'' दोनों देशों के नेताओं ने इसे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।

एआई पर भरोसा करने में भारत प्रतिस्पर्धियों से आगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत में 76 प्रतिशत लोग कृत्रिम मेधा (एआई) पर भरोसा करने को तैयार हैं, जो उनके वैश्विक समकक्षों (46 प्रतिशत) की तुलना में कहीं अधिक है। केपीएमजी की हालिया रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 67 प्रतिशत भारतीयों ने महसूस किया कि वे एआई की मदद के बिना अपना काम पूरा नहीं कर सकते हैं, और 97 प्रतिशत भारतीय जानबूझकर काम में इसका इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष बताते हुए, केपीएमजी ने कहा कि एआई उद्योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा और वित्त से लेकर शिक्षा और मनोरंजन तक, विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रहा है। इसमें कहा गया कि एआई प्रौद्योगिकियां दैनिक जीवन में अधिक एकीकृत होती जा रही हैं तो इन प्रणालियों के प्रति जनता के विश्वास और दृष्टिकोण को समझना महत्वपूर्ण है। यह भारत में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां एआई स्वीकार्यता की गति बढ़ रही है, और आर्थिक वृद्धि व सामाजिक लाभ को आगे बढ़ाने के लिए एआई की क्षमता बहुत अधिक है।

■ केपीएमजी की हालिया रिपोर्ट में यह कहा गया है

एआई प्रौद्योगिकी पर विश्वास जताया

अध्ययन में कहा गया, "इसमें पाया गया कि 76 प्रतिशत भारतीय एआई पर भरोसा करने को तैयार हैं, जो वैश्विक औसत 46 प्रतिशत से काफी अधिक है। यह एआई प्रौद्योगिकियों में मजबूत विश्वास को दर्शाता है।" उभरते देशों में पांच में से तीन लोग एआई प्रणालियों पर भरोसा करते हैं, जबकि उन्नत देशों में पांच में से केवल दो लोग ही उन पर भरोसा करते हैं।

सोना 2,400 रुपए उछलकर 99,750 रुपए प्रति 10 ग्राम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की लगातार लिवाली के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 2,400 रुपये बढ़कर 99,750 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 97,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। लगातार तीसरे दिन बढ़त को जारी रखते हुए 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 2,400 रुपये बढ़कर 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 96,900 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एबंस फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए शुल्क लगाने की घोषणा के बाद सुरक्षित निवेश की मांग में तेजी आने से सोने की कीमतों में तेजी आई है।''

■ चांदी में आई 1800 रुपए की तेजी

ब्रुकफील्ड इंडिया रीट की आय 16 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध परिचालन आय 16 प्रतिशत बढ़कर 488.5 करोड़ रुपये हो गई है। एक साल पहले इसी अवधि में उसकी शुद्ध परिचालन आय (एनओआई) 422 करोड़ रुपये रही थी। ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने यूनिटधारकों को 319 करोड़ रुपये वितरित करने की घोषणा की है। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने यूनिटधारकों को 319.1 करोड़ रुपये (5.25 रुपये प्रति यूनिट) वितरित करने की घोषणा की।

आईएचसीएल का लाभ 28 फीसदी बढ़ 562 करोड़

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इंडियन होटल्स कंपनी का मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 28.4 प्रतिशत बढ़कर 562.66 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी होटल कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में एकीकृत आधार पर 438.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन होटल्स ने सोमवार को शेयर बाजार को जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी। नियामकीय सूचना के मुताबिक, मार्च तिमाही में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) का परिचालन राजस्व एक साल पहले के 1,905.34 करोड़ रुपये से 27.3 प्रतिशत बढ़कर 2,425.14 करोड़ रुपये हो गया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विकेता श्री कांशीराम साहू पिता श्री जगदीश साहू निवासी ग्राम अछोली पोस्ट आफिस- भैंसा तहसील आरंग जिला रायपुर छ०ग० से उनके हक, हित, स्वामित्व एंव अधिपत्य की कृषि भूमि वाके मौजा ग्राम अछोली प०ह०नं० 002 रा०नि०म० भैंसा तहसील आरंग जिला रायपुर छ०ग० स्थित भूमि खसरा नंबर 643/1 रकबा 0.5200 हेक्टेयर है उक्त खसरा नंबर 643/1 का भाग रकबा 0.5200 हे. में से रकबा 0.200 हेक्टेयर को क्रय किये जाने का पक्का सौदा किया जाकर विक्रय इकरारनामा निष्पादित कर ब्याने की राशि अदा किया जा चुका है उक्त भूमि के विक्रय विलेख निष्पादन एंव पंजीयन की कार्यवाही शेष है ।

अतः उपर वर्णित भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, व्यक्तियों, शासकीय या अर्द्धशासकीय, संस्थाएं, निकाय, बैंक, साहूकार, आदि को किसी भी प्रकार से उजर दावा या आपत्ति हो तो मेरे निम्नलिखित पते पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर मय दस्तावेज सहित आपत्ति 07 दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकते है समय अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में उपर वर्णित भूमि का विक्रय विलेख का पंजीयन करा लिया जावेगा । तत्पश्चात प्रस्तुत उजर दावा या आपत्ति अवैध एंव प्रभावशून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा

अतः सूचना जानें ।

रायपुर
दिनांक 06/05/2025

भवदीय
एम. के. जांगड़े अधिवक्ता
कार्यालय मकान नं. गौरव प्रोविजन के के पीछे गोरखा कालोनी न्यू शांति नगर रायपुर
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मोबा.:-7987413159, 9926528524

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार से विक्रेता श्री शिरीष कुमार, पिता- बसंतभाई, निवासी- ग्राम- फुंडा, तहसील - पाटन, जिला- दुर्ग, छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि मौजा- ग्राम- फुंडा, प.ह.न. 00022, रा.नि.मं. भिलाई, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग, छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 455/1 रकबा 0.3600हे. भूमि खरीदने का पक्का सौदा भूमि स्वामी के द्वारा किया गया है तथा उक्त भूमि के संबंध में विक्रेता के द्वारा बयाना राशि प्राप्त कर लिया है तथा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

यह कि, उपरोक्त सौदे को लेकर किसी भी व्यक्ति/ संस्था/ शासकीय निकाय/ बैंक/ पक्षकार को किसी भी प्रकार से आपत्ति हो तो कृप्या उपरोक्त खसरे से संबंधित भूमि के समस्त कागजातों के साथ मेरे कार्यालय में 07 दिवस के भीतर अपना दावा प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद के पश्चात किसी प्रकार की दावेदारी उपरोक्त भूमि के संबंध में शून्य माना जावेगा ।

"सो सूचना जाने"

रायपुर छ.ग.
दिनांक- 06/05/2025

भवदीय
कुणाल फरिकार (अधिवक्ता)
रामचंद्र मंदिर के पास, कंकाली पारा, रायपुर, छ.ग. मो.नं.- 9826674118

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 02.05.2025
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग अम्बिकापुर संभाग
03. स.क्र. 01 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 19.05.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	07	जिला सरगुजा के विकासखण्ड लुण्ड्रा के ग्राम सिलसिला में हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (द्वितीय आमंत्रण)	120.18

G-252600688/5

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग धमतरी जिला- धमतरी (छ.ग.)

Phone 07722-236704, (Office) E-mail – ee-res.dhamtari@nic.in

जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्रं. 01

क्रमांक /01/निविदा/ ग्रा.यां.से. /2025-26 धमतरी, दिनांक 02/05/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग धमतरी/ मगरलोड/ नगरी प्रत्येक के लिये लघु /जीर्णोद्धार कार्य भाग-1, 2, 3, 4 एवं 5 अनुमानित लागत प्रत्येक 20.00 लाख रूपये का जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट http://res.cg.gov.in में दिनांक 09.05.2025 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है। निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 23.05.2025 को शाम 5:30 तक है एवं निविदा दिनांक 26.05.2025 को सुबह 11:30 बजे खोली जावेगी ।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग धमतरी
जिला- धमतरी (छ.ग.)

G-252600685/2

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

पत्रांक 402 / ग्रा०वि०वि०प्र०,चतरा, दिनांक–05.05.2025

शुद्धि–पत्र

ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या No.–RDD/SD/CHATRA/05/2024-25/RE-03 में उल्लेखित चतरा जिलान्तर्गत प्रखण्ड पत्थलगडडा पंचायत सिंघानी में परसोनिया नदी में पुल निर्माण कार्य PR No. 351596 के कंडिका क्रमांक 03 में ई–निविदा प्राप्ति की तिथि दिनांक–07.05.2025 से दिनांक–16.05.2025 के स्थान पर दिनांक–07.05.2025 से दिनांक–27.05.2025 तथा कंडिका क्रमांक 5 में ई–निविदा खोलने की तिथि 19.05.2025 के स्थान पर 29.05.2025 पढ़ा जाय।

निविदा की शेष शर्तें पूर्ववत रहेगी।

PR 351710 Rural Development(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
चतरा

EXECUTIVE ENGINEER,
MINOR IRRIGATION DIVISION, BOKARO.

Short e-Re-Tender Reference No.
WRD/MID/BOKARO (DMFT)/F2-01/2025-26 (2nd Call)
Date : 06.05.2025

1. Date of Publication of Tender on website :- 15.05.2025 at 2.00 PM
2. Last date/Time for receipt of bids online bids :- e-Procurement Portal (Jharkhandtenders.gov.in)
   Fee, Security and other documents 22.05.2025 up to 2.00 PM
3. Date of Opening of Tender on website :- 24.05.2025 at 3:00 PM
4. Name & address of office Inviting tender :- Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Bokaro, Camp – II, Qr. No- D/1, B. S. City, Bokaro, Jharkhand, Pin no- 827001
5. (a) Contact no of e-Procurement officer :- 9773661712
   (b) E-mail of e-Procurement officer :- eemidbok-cemr-jhr@nic.in
6. Helpline number of e-Procurement cell :- 9431510092

Gr. No.	Name of the work	Estimated Cost (Rs.)	EMD	Cost of BOQ	Time of Completion
1	Renovation and Beautification of Barka Ahar pond in village- Hosir East, Panchayat- Hosir East, Under Block- Gomia, Bokaro.	2,49,02,150.00	4,98,100.00	10,000.00	6 months

Note :- Only e-Tenders will be accepted. The tender amount may be changed at time of publication on website.Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

PR.NO.351736 Minor Irrigation(25-26):D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Bokaro

कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रथम तल, वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.) भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर)
(ई-मेल-excise.comm.cg@gov.in, फोन नं. 0771-2512612, वेब साईट https://excise.cg.nic.in

क्रमांक / आब./स्था (अराज.)/2025/2877 नवा रायपुर, दिनांक 05/05/2025

// संक्षिप्त विज्ञापन //

आबकारी विभाग के अंतर्गत आबकारी आरक्षक के रिक्त पदों की पूर्ति सीधी भर्ती के माध्यम से किये जाने हेतु छत्तीसगढ़ आबकारी अधीनस्थ तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) सेवा भर्ती नियम, 2018 (यथासंशोधित) एवं शासन द्वारा समय समय पर जारी की गयी अधिसूचनाओं / परिपत्रों में उल्लेखित प्रावधानों के अन्तर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर की वेबसाईट- https://vyapamcg.cgstate.gov.in पर आमंत्रित किये जाते है।

पदनामः - छत्तीसगढ़ आबकारी अधीनस्थ तृतीय श्रेणी (कार्यपालिक) - आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा, 2025

रिक्त पदों का विवरण

क्र.	पद का नाम	वर्गीकरण	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए वर्गवार आरक्षित पद				कुल रिक्तियों में से दिव्यांग जन के लिए आरक्षित पद	योग	वेतन मेट्रिक्स
			अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ.पि. व (गैर क्रीमी लेयर)	अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ.पि. व (गैर क्रीमी लेयर)	अ. ना.	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ.पि. व (गैर क्रीमी लेयर)			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	आबकारी आरक्षक	तृतीय श्रेणी	84	24	64	28	25	7	19	8	8	2	6	2	0	200	वेतन मेट्रिक्स लेवल- 4 (5200-20200 +1900)

टीप :- 1. छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन नया रायपुर द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक एफ 1-21/2014/सक/26 दिनांक 25 सितम्बर 2014 के अनुसार आवेदित पद के लिये निःशक्तता अमान्य की गई है। अतः निःशक्त (दिव्यांग) आवेदक आबकारी आरक्षक पद के लिये आयोजित परीक्षा में आवेदन करने हेतु पात्र नहीं होंगे। 2. विज्ञापित पदों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है। 3. विस्तृत विज्ञापन, पाठ्यक्रम, निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, ऑनलाईन आवेदन, परीक्षा की तिथि, समय एवं केन्द्र तथा अन्य जानकारी व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट- https://vyapamcg.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। 4. उपरोक्त विज्ञापित पदों पर की जाने वाली चयन प्रक्रियायें माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के एस.एल.पी. (सी) क्रमांक 19668/2022 के अंतिम आदेश के अध्यधीन होगा।

-sd-
अपर आयुक्त आबकारी
छत्तीसगढ़

G-252600696/3

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.

(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)(Successor Company of CSEB) CIN U40108CT2003SGC015822
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (PROJECT) GUDHIYARI, RAIPUR E mail ID- ce.project@cspc.co.in
Email ID -ce.project@cspc.co.in; GST Reg No. 22AADCC6047K1ZR

No/02-08/DA -JGUA/TS-109/587 Raipur Date 05.05.2025

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Notice Inviting Tender (NIT) is floating for the Execution of work for electrification of Left-Out House Holds (HHs) including HHs of Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan (DA JGUA) under RDSS in Chhattisgarh state. The Package wise value of NIT is as follows:-

Tender Specification No.	Name of Work	Package wise tender value (Rs. in Crs) Package No/RFX No.	District	Value of NIT Including GST (In Crs)
T S No. 109	Execution of work of electrification of Left-Out House Holds (HHs) including HHs of Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan (DA JGUA) under RDSS in Chhattisgarh state	PKG-1/ Rfx No.- 8100042502	Balrampur	57.87
		PKG-2/ Rfx No.- 8100042503	Korea Manendragarh Chirmiri Bharatpur Surajpur	36.80
		PKG-3/ Rfx No.- 8100042505	Bijapur	34.95
		PKG-4/ Rfx No.- 8100042506	Dantewada	30.11
		PKG-5/ Rfx No.- 8100042508	Bastar Sukma	14.68
		PKG-6/ Rfx No.- 8100042509	Kanker Kondagaon	9.48
			Total	**183.89**

•Cost Schedule and BoQ have been uploaded on the CSPDCL website for ready reference.Note : 1. The tender fees is Rs. 25000/- only for participation.2. The extended due date of bid submission is 15.05.2025 on or before 2:00 PM. 3. Any corrigendum/ addendum/amendment including extension of due date of opening – if any, shall not be published in newspaper. However it will be displayed on CSPDCL website only.4. Price bid shall be submitted through e-bidding only, on or before last date and time of bid submission. For details, please visit our website: www.cspdcl.co.in – tender – tender notices – issued by O/o Chief Engineer (Project) CSPDCL and for bidding www.cspdcl.co.in – e-bidding.

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Project),
CSPDCL: RAIPUR

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.

(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
O/o THE SUPERINTENDING ENGINEER, CC-I, RAIPUR Phone No. 0771-2574800, 2574801Fax No. 0771-2574805
Website - www.cseb.gov.in Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible Electrical contractors. Registered in the O/o E.D. (Project) CSPDCL, Gudhiyari, Raipur for following- work under jurisdiction of S.E. City Circle-I, CSPDCL, Raipur. **Please note that rates quoted shall be exclusive of GST (in both Material and service portions).** The due date for submission/ Opening of the tender is indicated here under: -

S. N	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1.	TR-2025_11 Dt. 06.05.2025 RFX No. 8100043020	**Revised estimate for P/s 11 no. DLF conn. At Madhuban Vihar Ahead Awadhpure Near B.P Steel Bhatagaon (Under Develop Colony) Raipur under Rawanbhata Zone of City Dn. South, Raipur.**	**4,13,429/-**	Dt.27.05.2025 upto 02:30 PM	Dt.27.05.2025 upto 03:00 PM
2.	TR-2025_12 Dt. 06.05.2025 RFX No. 8100043022	**Estimate for Interconnection of LT line at various location, Raipur under Deopuri Zone of City Dn. South, Raipur.**	**6,03,169/-**	Dt. 27.05.2025 upto 02:30 PM	Dt. 27.05.2025 upto 03:00 PM
3.	TR-2025_13 Dt. 06.05.2025 RFX No. 8100043023	**Estimate for Interconnection of LT lines at Various location Raipur under Deopuri Zone under City Dn. South Raipur.**	**4,76,508/-**	Dt. 27.05.2025 upto 02:30 PM	Dt. 27.05.2025 upto 03:00 PM
4.	TR-2025_14 Dt. 06.05.2025 RFX No. 8100043024	**Estimate for 01 no. 400 KVA HT connection on 33 KV M/s. Goyal Health Care Prop. Dr. Shri Vikash Goyal at Plot No. C-141 Sector No. 11A Kamal Vihar Raipur.**	**4,13,374/-**	Dt. 27.05.2025 upto 02:30 PM	Dt. 27.05.2025 upto 03:00 PM
5.	TR-2025_15 Dt. 06.05.2025 RFX No. 8100042905	**Estimate for LILO arrangement of 33 KV Tagore Nagar feeder at 33/11 KV Nagar Nigam S/s. under City Central Dn. Raipur.**	**6,16,972 /-**	Dt. 27.05.2025 upto 02:30 PM	Dt. 27.05.2025 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in.** The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above.The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY

Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

भारत की निगाह फाइनल में जगह बनाने पर, उम्मीद जीवंत रखने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में बुधवार को यहां जब दक्षिण अफ्रीका की टीम से भिड़ेगा तो वह पिछले मैच में श्रीलंका से मिली हार से उबरकर फाइनल में अपनी जगह पक्की करने को उत्सुक होगा। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम का आठ मैचों की जीत का सिलसिला रविवार को मेजबान श्रीलंका से हार के साथ समाप्त हो गया। भारतीय टीम हालांकि अब भी अपने बेहतर रन रेट के कारण फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है लेकिन वह अपने अगले मैच में जीत हासिल करके इस मुकाम पर पहुंचना चाहेगी।

भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर

भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष पर है। वे दूसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से आगे हैं, जिसके भी चार अंक हैं लेकिन उसका नेट रन रेट -0.166 है। भारत का नेट रन रेट 0.433 है। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक कोई मैच नहीं जीता है लेकिन उसे अभी दो मैच खेलने हैं और इनमें जीत हासिल करने पर वह भी फाइनल में जगह बना सकती है।

बल्लेबाजी रही भारत का सकारात्मक पक्ष

इस श्रृंखला में भारत की बल्लेबाजी एक बड़ा सकारात्मक पक्ष रही है। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल दो अर्धशतक सहित 163 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। अन्य बल्लेबाजों ने भी इसमें योगदान दिया है। स्नेह राणा ने तीन मैचों में 4.25 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 11 विकेट लिए हैं। राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में पांच विकेट लिए थे और वह उस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगी। इस मैच में ऑलराउंडर काशवी गौतम केवल पांच ओवर करने के बाद मैदान से बाहर चली गई थी।

दक्षिण अफ्रीका आठ मैच हार चुकी है

जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसकी टीम संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। उसे पिछले नौ एकदिवसीय मैचों में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें इस श्रृंखला के दोनों मैच भी शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने अपने पहले मैच में भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन अगले मैच में उसे श्रीलंका से बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका की भीषण गर्मी से निपटने का संघर्ष उनकी मुसीबतों को और बढ़ा रहा है।

आईपीएल-2025

जीटी ने बारिश से प्रभावित मैच में एमआई को तीन विकेट से हराया

मुंबई। गुजरात टाइटंस ने उतार-चढ़ाव से भरे बारिश से प्रभावित इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच मे मंगलवार को यहां मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराया। इस जीत से टाइटंस की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 155 रन बनाये लेकिन बारिश के कारण टाइटंस को 19 ओवर में 146 रन की चुनौती मिली जो उसने सात विकेट गंवाकर आखिरी गेंद पर हासिल कर ली। टाइटंस के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 43, जोस बटलर ने 30 और शरफेन रदरफोर्ड ने 28 रन का योगदान दिया। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और अश्वनी कुमार ने दो-दो विकेट लिये।

बुमराह नहीं तो कौन होगा उप-कप्तान पंत, गिल या फिर जायसवाल....!

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। यह सीरीज इंग्लैंड के पांच अलग-अलग मैदानों पर खेली जाएगी। इस सीरीज से पहले एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक बीसीसीआई इस दौरे के लिए जसप्रीत बुमराह को नेतृत्व से दूर रखने का फैसला कर सकती है। बोर्ड का मानना है कि बुमराह अपनी पीठ की पुरानी चोट के कारण सभी पांचों टेस्ट मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, इसलिए उन्हें ऐसे उप-कप्तान की जरूरत होगी, जो सभी मैच खेले। ऐसे में बुमराह की जगह कौन इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान होगा फिलहाल अभी यह तय नहीं है फिर भी इन तीन खिलाड़ियों की चर्चा चल रही है।

ऋषभ पंत : साल 2017 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले ऋषभ पंत ने नेशनल टीम के लिए बीते 8 सालों में कमाल का प्रदर्शन किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने साल 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होम टी20I सीरीज में भारत की कप्तानी की हैं। उनके पास 54 बार आईपीएल मैचों में दिल्ली के लिए 43 मैच और लखनऊ के 11 मैच में कप्तानी का अनुभव हैं। लीडरशिप में उनके अनुभव को देखते हुए वह फ्यूचर में भारत का टेस्ट कप्तान बनने के बेहतर विकल्प हैं।

शुभमन गिल : अंडर-19 विश्व कप 2018 में शुभमन गिल ने टीम की कप्तानी की थी। उनके पास भारत की कप्तानी का 5 मैचों का अनुभव हैं। जब पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने पांच टी20I मैचों की कप्तानी की थी और भारत को सीरीज में 4-1 से जीत दिलाई। 2019 में 25 साल के गिल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचंल और हैदराबाद के खिलाफ पंजाब की कप्तानी की।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान बनाया जा सकता हैं। उनके पास किसी भी फॉर्मेट में कप्तानी का अनुभव नहीं हैं, लेकिन साल 2023 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने डेब्यू के बाद जो प्रदर्शन किया, उसकी खूब चर्चा हो रही है। जायसवाल ने भारतीय टेस्ट टीम और टी20 इंटरनेशनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें अब माना जा रहा है कि इंग्लैंड दौरे पर भारत का उप-कप्तान मनाया जा रहा है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	11	8	3	16
बेंगलुरु	11	8	3	16
पंजाब	11	7	3	15
मुंबई	12	7	5	14
दिल्ली	11	6	4	13
कोलकाता	11	5	5	11
लखनऊ	11	5	6	10
हैदराबाद	11	3	7	7
राजस्थान	12	3	9	6
चेन्नई	11	2	9	4

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

विराट कोहली
505 रन
बेंगलुरु

प्रसिद्ध कृष्णा
19 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

जोविक और नवा को फ्रेंच ओपन का वाइल्ड कार्ड

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा)। सत्रह वर्षीय इवा जोविक और 23 वर्षीय एमिलियो नवा को 25 मई से पेरिस में शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। महिलाओं की विश्व रैंकिंग में 120वें स्थान पर काबिज जोविक लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग लेगी। वह पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन और जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में पहुंचीं थी। पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 137वें स्थान पर मौजूद नवा दूसरी बार फ्रेंच ओपन में भाग लेंगे।

नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट लीग में जगह बनाने की उम्मीदें धूमिल

लंदन। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट में क्रिस्टल पैलेस के साथ 1-1 से ड्रा खेला जिससे उसकी चैंपियंस लीग में जगह बनाने की उम्मीदें धूमिल हो गईं। नॉटिंघम फ़ॉरेस्ट की टीम ने साल का अधिकतर समय लीग के शीर्ष तीन में बिताया, लेकिन चार मैच में से केवल एक में जीत दर्ज करने से वह चेल्सी, न्यूकैसल और मैनचेस्टर सिटी से पीछे हो गया है। क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ जीत से वह चेल्सी और न्यूकैसल की बराबरी पर आ जाता लेकिन इस मैच में केवल एक अंक मिलने से वह पहले की तरह छठे नंबर पर ही है।

आईपीएल : कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में मैच आज शाम 7.30 बजे से

चेन्नई के पास खोने को कुछ नहीं, कोलकाता के लिए करो या मरो जैसा आज का मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पांच बार की चैंपियन चेन्नई की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। चेन्नई की टीम के लिए अब खोने के लिए कुछ भी नहीं है और वह इस मैच में अधिक स्वच्छंद होकर खेलेगी लेकिन कोलकाता के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है क्योंकि उसे प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। कोलकाता के अभी 11 अंक हैं और अगले तीनों मैच में जीतने पर उसके 17 अंक हो जाएंगे। यहां पहुंचने पर भी उसकी प्लेऑफ में सीट पक्की हो जाएगी यह कहा नहीं जा सकता क्योंकि अन्य टीमों के परिणाम पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा और ऐसे में नेट रन रेट पर भी मामला अटक सकता है। कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में मैच आज शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

चेन्नई के बाद कोलकाता को सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर मैच खेलने हैं लेकिन फिलहाल वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली एक रन की जीत की लय को कायम रखना चाहेगा।अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली कोलकाता की टीम को वेंकटेश अय्यर से भी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो इस सत्र में अभी तक रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

सीएसके का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों टीमों के बीच मैचों में चेन्नई सुपर किंग्स का पलड़ा भारी रहा है। आईपीएल में ये दोनों टीमें कुल 31 मैचों में आमने-सामने थी, जिसमें से 19 मैच सीएसके ने जीते और 11 मैच केकेआर ने अपने नाम (बेनतीजा-1) किए। आईपीएल 2025 की पहली भिड़ंत में केकेआर ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल 2024 में दोनों टीमें 1 मैच में आपस में भिड़ी थी, जिसमें सीएसके को 7 विकेट से शानदार जीत मिली थी।

कैसा है ईडन गार्डन में पिच का मिजाज?

ईडन गार्डन स्टेडियम में काली मिट्टी की पिच बनाई जाती है। ऐसे में यह बल्लेबाजों को काफी रास आती है। खेल की शुरुआत में यहां तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है। उसके बाद स्पिनर्स हावी होते हैं। इस पिच पर अगर बल्लेबाज की निगाह एक बार जम गई तो आसानी से बड़े-बड़े शॉट्स लगते हैं। यहां की तेज आउटफील्ड भी बल्लेबाजों के पक्ष में जाती है। पहली पारी में यहां का औसत स्कोर 165 रन का रहा है।

इस बार चूकी चेन्नई के नाम सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंचने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में प्लेऑफ की जंग दिलचस्प हो चली है। 54 मैच खेले जा चुके हैं और अब तक सिर्फ दो टीमें- चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है। आठ टीमें अब भी अंतिम-चार में पहुंचने की दौड़ में हैं। अब तक सबसे ज्यादा बार प्लेऑफ में पहुंचने का रिकॉर्ड पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के नाम है, लेकिन यह टीम इस साल सबसे आखिरी 10वें स्थान पर है। वहीं, दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस है। तीसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद और पांचवें स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है। हालांकि, शीर्ष पांच में एक आरसीबी ही है, जिसके नाम अनचाहा रिकॉर्ड है। शीर्ष पांच टीमों में आरसीबी ही एकमात्र टीम है, जिसने अभी तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। सीएसके की टीम आईपीएल के प्लेऑफ में 12 बार पहुंच चुकी है। इनमें से पांच बार टीम ने खिताब भी अपने नाम किया है। टीम 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में खिताब जीत चुकी है।

सुपरबेट क्लासिक शतरंज में चुनौती पेश करेंगे गुकेश

एजेंसी ▶▶| बुकारेस्ट (रोमानिया)

विश्व चैंपियन डी गुकेश बुधवार से शुरू हो रहे सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे जहां यह दिग्गज युवा खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार 2800 रेटिंग का आंकड़ा पार करने के लिए चुनौती पेश करेगा।

यह टूर्नामेंट इस साल ग्रैंड चेस टूर में क्लासिकल शतरंज के तहत पहली प्रतियोगिता है। मेजबान देश के डेक बोगदान-डेनियल को वाइल्ड कार्ड दिया गया है। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी गुकेश की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि सभी नौ टूर प्रतिभागी पहले टूर्नामेंट में एक साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 3,50,000 डॉलर है।

प्रज्ञानानंदा भी टक्कर देने तैयार

विश्व चैंपियन गुकेश के अलावा आर प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एक अन्य भारतीय हैं जो सभी को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हैं। टाटा स्टील मास्टर्स के विजेता प्रज्ञानानंदा ने पोलैंड के वारसॉ में पिछले सुपरबेट रेपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया था। दो भारतीयों के अलावा अमेरिका के फाबियानो करुआना, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा खिताब के अन्य मुख्य दावेदार हैं।

राजस्थान के मयंक ने निशानेबाजी में दूसरा स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। राजस्थान के मयंक चौधरी ने खेलो इंडिया युवा खेलों में मंगलवार को लड़कों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए दो दिन में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। मयंक ने इससे पहले सोमवार को मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। मयंक ने 239.2 अंक हासिल करते हुए चंडीगढ़ के धैर्य पराशर (235.3) को आसानी से पछाड़ा। मध्य प्रदेश के युग प्रताप सिंह राठौर ने 214.8 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता।

लड़कियों में प्राची ने मारी बाजी : प्राची गायकवाड़ ने लड़कियों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन को हराया। अपने दूसरे खेलो इंडिया युवा खेलों में हिस्सा लेते हुए प्राची ने पिछले सत्र के प्रदर्शन में सुधार किया, जहां उन्होंने कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक के पदक विजेता स्वप्निल कुसाले से प्रेरणा लेने वाली महाराष्ट्र की इस निशानेबाज ने तिलोत्तमा के 455.6 अंकों के मुकाबले 458.4 अंक हासिल किए।

टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया तो वनडे और टी-20 में भारत की बादशाहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने टेस्ट, वनडे और टी-20 की सालाना टीम रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम अपना दबदबा कायम रखने में सफल रही है, लेकिन उसकी बढ़त 15 अंकों से गिरकर 13 की ही रह गई है। इसी तरह वनडे और टी-20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम की बादशाहत बरकरार है और वह शीर्ष पर बनी हुई। वनडे रैंकिंग में भारत को 2 अंकों को और फायदा हुआ है।

टेस्ट रैंकिंग में कौन सी टीम किस स्थान पर

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कंगारू टीम 126 अंकों के साथ शीर्ष पर है। पिछले साल चार में से तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इंग्लैंड क्रिकेट टीम 113 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका (111) और भारत (105) एक-एक स्थान की गिरावट के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। शीर्ष 10 में शेष स्थान अपरिवर्तित हैं। न्यूजीलैंड 5वें, श्रीलंका छठे, पाकिस्तान 7वें, वेस्टइंडीज 8वें, बांग्लादेश 9वें और जिम्बाब्वे 10वें पायदान पर हैं।

टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर भारत

टी-20 रैंकिंग में मौजूदा टी-20 विश्व कप चैंपियन भारत शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया टीम दूसरे पायदान पर मौजूद है। इसी तरह इंग्लैंड तीसरे, न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम चौथे, वेस्टइंडीज 5वें, दक्षिण अफ्रीका छठे, श्रीलंका 7वें, पाकिस्तान 8वें और बांग्लादेश 9वें और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम 10वें पायदान पर मौजूद है। इनके अलावा आयरलैंड ने भी अपने खेल में सुधार दिखाया है और वह जिम्बाब्वे के साथ स्थान बदलकर 11वें स्थान पर आ गई है।

वनडे रैंकिंग में पकड़ और मजबूत

वनडे रैंकिंग में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत के दम पर शीर्ष पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़ाकर 124 हो गए हैं। इसी तरह न्यूजीलैंड एक स्थान की बढ़त के साथ दूसरे, ऑस्ट्रेलिया तीसरे, श्रीलंका 5 रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ चौथे, पाकिस्तान 5वें, दक्षिण अफ्रीका छठे, अफगानिस्तान 7वें, इंग्लैंड 8वें, वेस्टइंडीज 9वें और बांग्लादेश की टीम 4 अंकों की गिरावट के साथ 10वें यानी अंतिम पायदान पर है।

बीसीसीआई के बहिष्कार से दोनों देशों पर पड़ेगा

पीसीबी को 220, बीसीबी को 130 करोड़ की चोट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों की खटास और बढ़ गई है। इसका असर खेलों पर भी नजर आ रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब एशिया कप और आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान का बहिष्कार करने की योजना बना रहा है। ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश के साथ भी है। अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान और बांग्लादेश को 350 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

कैसे हो सकता है अधिक नुकसान?

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने दिसंबर 2022 में भारतीय टीम के दौरे से 70-80 करोड़ रुपये कमाए थे, जिसमें 3 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली गई थी। अगर अगस्त में भारतीय टीम बांग्लादेश नहीं आती है तो बांग्लादेश बोर्ड को उतना ही या उससे अधिक नुकसान हो सकता है। इसी तरह दोनों देशों को आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में अगल ग्रुप में रखने से दोनों देशों को प्रति चक्र साझा प्रसारण राजस्व में लगभग 20-30 करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

बीसीसीआई के बहिष्कार से यह होगा नुकसान

बीसीसीआई के बहिष्कार से पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों को भारी वित्तीय नुकसान होगा। बीसीसीआई अकेला आईसीसी के कुल राजस्व का 80 प्रतिशत हिस्सा अर्जित करता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी अपने परिचालन के लिए इसी पर निर्भर हैं। अगर, भारत दोनों के साथ नहीं खेलने का फैसला करता है, तो दोनों देशों को लगभग 350 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इसमें पीसीबी को लगभग 220 करोड़ और बांग्लादेश को 130 करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.), फोन नं. 0771 - 4222611, 4222612
ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

यतः बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित बकायेदारों / जमानतदारों को मांग नोटिस निर्गत की गई थी। उक्त मांग नोटिसों में, वर्णित धनराशि को संबंधित बकाएदारों से, उक्त नोटिसों की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर बैंक को अदा करने की मांग की गई थी, जिसे निम्नलिखित नाम वाले बकायेदार/जमानतदार मांग की गई धनराशि को लौटाने में असफल रहे हैं। अतः एतद् द्वारा संबंधित बकायेदारों/ जमानतदारों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने संबंधित कॉलम में दी गई तिथियों को उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 तथा धारा 14 के साथ पठित उक्त नियमावली के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोलिखित सम्पत्तियों को उनके सम्मुख अंकित दिनांक को अपने कब्जे में ले लिया हैं जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.	शाखा का नाम /फोन नं.	उधारकर्ता / जमानतदार का नाम	प्रतिभूतिकृत संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि राशि एवं सांकेतिक / भौतिक कब्जा तिथि
01	माना शाखा रायपुर 9109993942	श्री जयदेव साहा मकान नं.-बी 147, सेक्टर-1, कमल विहार योजना नंबर- 4, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)	संपत्ति का वह सभी हिस्सा और अभिन्न अंग जिसमें शामिल प.ह.नं. बी-147, भूमि खसरा नं.-675 / 1 (भाग), सेक्टर-01, कुल क्षेत्रफल- 86.25 वर्गफीट, स्थित मौजा टिकरापारा, आरडीए नगर विकास योजना 04, कमल विहार रेसीडेंटियल स्कीम, प.ह.नं.- 115 / 45 / 70, आरआईसी रायपुर-11 (टिकरापारा 13), तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.). सीमाएं: उत्तर: प्लाट नं.- बी 148, दक्षिण: प्लाट नं.- बी 146, पूर्व: प्लाट नं.- बी 135, पश्चिम-रोड.	17.02.2025 रु. 30,91,544.09 + ब्याज + अन्य प्रभार 02.05.2025 सांकेतिक कब्जा

अग्रेतर एतद् द्वारा आम जनता विशेषकर उधारकर्ता एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता हैं कि उपरोक्त संपत्तियों का लेनदेन न करें, उक्त संपत्ति का लेनदेन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रभार के अधीन होगा।
हम ऋणकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन (redeem) के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 की ओर आकर्षित करते हैं.

दिनांक: 07.05.2025, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

पहलगाम हमले के 3 दिन पहले मोदी को भेजी गई थी इंटेलिजेंस रिपोर्ट

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बड़ा दावा, खुफिया रिपोर्ट के चलते रद्द किया था पीएम ने कश्मीर दौरा!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि हमले के तीन दिन पहले ही पीएम मोदी को एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट भेजी गई थी और उस रिपोर्ट के बाद उन्होंने अपना कश्मीर दौरा केंसिल कर दिया था। झारखंड के रांची में संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम हमले को इंटेलिजेंस फेलियर बताया। उन्होंने कहा, सरकार ने इसे माना है और वे इसमें सुधार करेंगे। उन्होंने कहा, अगर उन्हें यह पता था, तो उन्होंने कुछ क्यों नहीं किया? मुझे जानकारी मिली है कि हमले से 3 दिन पहले, प्रधानमंत्री मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी और इसलिए उन्होंने कश्मीर जाने का अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया था। मैंने यह एक अखबार में भी पढ़ा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि जब इंटेलिजेंस आपकी सुरक्षा के लिए ये कहते है कि वहां जाना सही नहीं है तो आप ने वह बात आम लोगों की सुरक्षा के लिए वहां के बॉर्डर फोर्स, पुलिस को क्यों नहीं कही। केंद्र ने आतंकी हमले पर खुफिया रिपोर्ट होने के बाद भी पहलगाम में अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात क्यों नहीं किए।

■ 22 अप्रैल को पहलगाम अटैक में मारे गए थे 26 सैलानी

केंद्र सरकार ने खुद माना था ये इंटेलिजेंस फेलियर

खड़गे ने आगे कहा, जब केंद्र ने खुफिया नाकामी स्वीकार की है तो क्या पहलगाम हमले में लोगों की मौत के लिए उसे जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए। हालांकि उन्होंने ये भी कहा, कांग्रेस पार्टी ने सरकार से कहा है कि आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ इस लड़ाई में हम पूरी तरह से उनके साथ हैं। अगर सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी कदम उठाती है, तो हम उनके साथ खड़े हैं।

नाम और धर्म पूछकर लोगों को मारी थी गोली

बता दें, जम्मू-कश्मीर के मिनी स्वीटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में आतंकियों ने वहां घूमने गए लोगों को उनका नाम और धर्म पूछकर गोली मारी थी। 22 अप्रैल को हुए अटैक में 26 सैलानी मारे गए थे।

भाजपा बोली- यह सुरक्षाबलों का मनोबल कम करना

भाजपा के झारखंड अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, 'खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल गिराने के इरादे से की है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में है।' जब पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया, 'कांग्रेस को गंदी राजनीति में लिप्त नहीं होना चाहिए और खड़गे की टिप्पणी अनुचित है।'

बयान दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायकः रविशंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर कहा , "मल्लिकार्जुन खड़गे क्या-क्या बोल रहे हैं? वे एक तरफ मीटिंग में कहते हैं कि हम देश के साथ खड़े हैं और दूसरी तरफ देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस समय प्रधानमंत्री मोदी के बारे में ऐसा कहना कि वे कश्मीर नहीं गए क्योंकि उन्हें पता था कि हमला होने वाला है। इससे बड़ा कोई गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य नहीं हो सकता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है।

खबर संक्षेप

मुर्मू रचेंगी इतिहास, 19 को जाएंगी सबरीमाला मंदिर

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मई को इतिहास रचने जा रही हैं. वो देश की पहली राष्ट्रपति बनने जा रही हैं जो केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला श्री अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। त्रावणकोर देवस्वम् बोर्ड (टीडीबी) जो कि इस मंदिर का संचालन करता है, उसने राष्ट्रपति के दौरे की पुष्टि करते हुए कहा कि यह मंदिर और देश दोनों के लिए ऐतिहासिक होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का केरल दौरा दो दिनों के लिए होगा। 18 मई को वह केरल जाएंगी और 19 मई को सबरीमाला मंदिर. 18 मई को राष्ट्रपति किसी प्राइवेट समारोह में जाएंगी।

वक्फ बोर्ड को तुरंत भंग करे केंद्रः अविमुक्तेश्वरानंद

हरिद्वार। धार्मिक मामलों में राजनीतिक दलों और सरकार के हस्तक्षेप को तुरंत बंद किए जाने की वकालत करते हुए ज्योतिर्पीठ बदरीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविभमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को केंद्र से वक्फ बोर्ड को तुरंत भंग करने की मांग की। शंकराचार्य ने यहां कनखल स्थित अपने मठ में यह भी कहा कि पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को मुक्त कराने का यह सही समय है।

हवाई हमलों से यमन के मुख्य हवाई अड्डे तबाह

यरूशलम। इजराइली सेना ने मंगलवार को बताया कि बल द्वारा यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किये गये हवाई हमलों में राजधानी सना में देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया। सेना ने यह भी बताया कि हवाई हमलों से क्षेत्र में कई बिजली संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है। इजराइली टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में सना के प्रभावित क्षेत्रों में धुएं का घना काला गुबार उठता हुआ देखा जा सकता है।

यूएनएससी में पाकिस्तान की गजब फजीहत

पहलगाम हमले पर अमेरिका ने लताड़ा, चीन ने भी नहीं दिया साथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य तैयारियों को देखकर पाकिस्तान को हर पल हमले का खौफ सता रहा है। इसी वजह से पाकिस्तान पूरी तरह से बौखलाया हुआ और दुनिया के अन्य देशों से मदद की गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान ने इसी वजह से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में इस मुद्दे पर एक क्लोज डोर मीटिंग बुलाई थी ताकि अपना दुखड़ा रोकर बाकी देशों की सहानुभूति बंटोर सके, लेकिन वहां भी पड़ोसी देश की जमकर फजीहत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र में इस क्लोज डोर मीटिंग के बाद पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने झूठ फैलाते हुए कहा कि इस बैठक से जो हासिल करने का मकसद था वह पूरा हो गया है। उन्होंन यह भी दावा किया कि इस मीटिंग में जम्मू कश्मीर के मुद्दे को सुलझाने पर भी चर्चा हुई है। लेकिन जैसे-जैसे तस्वीर पूरी तरह साफ हुई तो पाकिस्तान की पोल खुलने लगी।

न कोई प्रस्ताव आया, न बयान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इस क्लोज डोर मीटिंग का कुछ भी नतीजा नहीं निकला बल्कि इससे पाकिस्तान की थू-थू जरूर हो गई। इस बैठक के बाद किसी भी देश की ओर से न तो कोई प्रस्ताव लाया गया और न ही किसी ने इस पर कोई बयान दिया है। सिर्फ पाकिस्तान ही है जो दुनिया के सामने झूठ परोसने की विफल कोशिशों में जुटा है।

मीटिंग के बाद खुली पाक की पोल, पहलगाम हमले के बाद है तनावपूर्ण स्थिति

सदस्यों देशों ने बताया इसे द्विपक्षीय मुद्दा

सूत्रों के मुताबिक बैठक में सदस्य देशों की ओर से न सिर्फ पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई, बल्कि धर्म पूछकर पर्यटकों को निशाना बनाने का मुद्दा भी उठाया गया। कुछ देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए मिसाइल टेस्ट और परमाणु हथियारों की धमकी पर भी सवाल उठाए और इसे उकसावे की कार्रवाई बताया है। पाकिस्तान इस मुद्दे पर किसी तीसरे की दखल के अपने पुराने ढर्रे पर चलना चाहता था। लेकिन सदस्यों देशों ने इसे द्विपक्षीय मुद्दा बताते हुए किसी तरह की दखल से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान से पूछे गए थे तीखे सवाल

इस क्लोज डोर मीटिंग में पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान से तीखे सवाल पूछे गए थे। यहां तक कि पहलगाम हमले के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की भूमिका को लेकर भी पाकिस्तान को फटकार लगाई गई है। क्लोज डोर मीटिंग के दौरान यूएनएससी के सदस्य देशों ने भारत को लेकर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे फाल्स फ्लैग नैरेटिव को भी पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसके जरिए पाकिस्तान खुद को विक्टिम दिखाकर भारत पर निशाना साध रहा है।

चीन का भी नहीं मिला साथ

सबसे हैरानी की बात यह रही कि यूएनएससी के स्थाई सदस्य अमेरिका, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन ने पाकिस्तान से तीखे सवाल किए, साथ ही पाकिस्तान के 'दोस्त' चीन ने भी उसका साथ नहीं दिया, जिसके भरोसे पड़ोसी मुल्क उछल रहा था। पाकिस्तान यूएनएससी का अस्थाई सदस्य है और इसी हैसियत से उसने क्लोज डोर मीटिंग बुलाने का आग्रह किया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने की थी अपील

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बीते दिनों दोनों पक्षों से बात कर तनाव कम करने की अपील की थी और इसी के बाद यह क्लोज डोर मीटिंग बुलाई गई थी। दरअसल पाकिस्तान को किसी भी वक्त भारत की ओर से जवाबी हमले के डर सता रहा है। इसी खौफ में सैन्य कार्रवाई से बचने के लिए पाकिस्तान ने आनन-फानन में यूएनएससी की मीटिंग बुलाने की अपील की थी। उसकी कोशिश थी कि क्लोज डोर मीटिंग के जरिए बाकी देश भारत से संयम बरतने के लिए कहेंगे। पाकिस्तान ने साउथ एशिया में पैदा हो रहे तनाव को कम करने का हवाला देकर यह बैठक बुलाई थी।

अमेरिकी संसद के स्पीकर का ऐलान

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को देंगे संसाधन

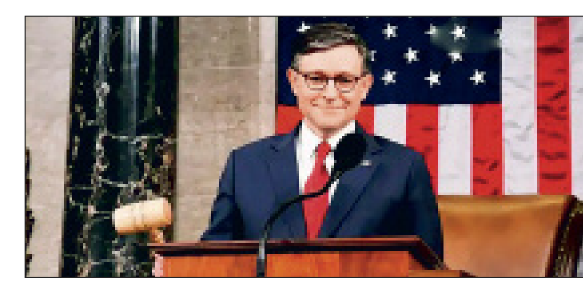

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अमेरिकी संसद के स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा है कि अमेरिका, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का पूरा समर्थन करेगा। उन्होंने भारत को कई मायनों में अमेरिका का 'बहुत महत्वपूर्ण' साथी बताया है। अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में सोमवार को एक ब्रीफिंग में जॉनसन ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर भी बात की और उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता कामयाब होगी। अमेरिकी संसद के स्पीकर से कार्यक्रम के दौरान पूछा गया था कि दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहे भारत के लिए उनका क्या संदेश है? इस सवाल पर माइक जॉनसन ने कहा, 'देखिए, हमें वहां जो हो रहा है उससे बहुत सहानुभूति है और हम अपने सहयोगियों के साथ खड़े रहना चाहते हैं। मुझे लगता है कि भारत कई मायनों में हमारा एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है। यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण रिश्ता है और इतना बड़ा देश है। भारत को भी वहां आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होना होगा।'

ट्रंप प्रशासन करेगा मदद

ट्रंप प्रशासन स्पष्ट रूप से उस रिश्ते के महत्व को समझता है और आतंकवाद के खतरे के महत्व को भी समझता है। इसलिए मुझे लगता है कि अगर वह खतरा बढ़ता है, तो मुझे लगता है कि आप ट्रंप प्रशासन को खड़ा देखेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि 'मेरा मानना है कि वे उस खतरे से निपटने में मदद करने के लिए ज्यादा ऊर्जा, संसाधन और समय के साथ मदद करेंगे, निश्चित रूप से हमारी यही उम्मीद है।' अमेरिकी स्पीकर ने खास तौर पर संसाधन का जिक्र किया, जिसका मतलब हथियारों से होने की संभावना है। अमेरिकी स्पीकर से पहले अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड, एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल भी आतंकवाद के खिलाफ भारत का पूरी तरह से साथ देने का ऐलान कर चुके हैं।

वक्फ धोखाधड़ी मामला : गुजरात में नौ स्थानों पर की छापेमारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईडी ने मंगलवार को गुजरात में कुछ वक्फ संपत्तियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की। एजेंसी ने सलीम खान जुम्मा खान पठान, मोहम्मद यासर अब्दुलहमिया शेख, महमूद खान जुम्मा खान पठान, फेजमोहम्मद पीर मोहम्मद चोबदार और साहिद अहमद याकूभाई शेख के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस की एफआईआर का संज्ञान लिया और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने घोटाले के सिलसिले में 20 अप्रैल को पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। कांच नी मस्जिद ट्रस्ट की जमीन पर बनी संपत्तियों के किराएदार मोहम्मद रफीक अंसारी ने बताया कि आरोपियों में से कोई भी किसी वक्फ या ट्रस्ट का सदस्य नहीं है।

■ ईडी का बड़ा एक्शन

कांच नी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बड़ा कसम ट्रस्ट से जुड़ा है मामला

गायकवाड़ हवेली पुलिस स्टेशन में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने कांच नी मस्जिद ट्रस्ट और शाह बड़ा कसम ट्रस्ट की जमीन पर लगभग 100 घरों और दुकानों से किराया वसूला। दोनों ट्रस्ट गुजरात वक्फ बोर्ड में पंजीकृत हैं। 2008 से 2025 के बीच पठान और अन्य ने कथित तौर पर दोनों ट्रस्टों से संबंधित 5,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध निर्माण किया। लगभग 100 संपत्तियां (घर और दुकानें) बनाईं और किराया वसूला।

हादसा...खाई में बस...

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में मंगलवार को को एक बस ट्रैक्टर से टकराने के बाद सड़क किनारे पानी से भरी खाई में गिर गई, जिसके बाद बचाव कार्य जारी है। इस दुर्घटना में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं।

अब भारत का पानी, भारत के हक में बहेगा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद मंगलवार को अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत के लिए निर्धारित पानी अब देश के भीतर ही रहेगा और उसका इस्तेमाल किया जाएगा। एक निजी न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी, भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।' यह बयान सरकार द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया है। यह विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई एक ऐतिहासिक जल-साझाकरण संधि है, जिस पर 1960 में पाकिस्तान के साथ हस्ताक्षर किए गए है। इसे पहलगाम में हुए एक घातक आतंकवादी हमले के बाद निलंबित कर दिया गया।

■ सिंधु जल संधि निलंबन पर पहली बार बोले प्रधानमंत्री

पहली बार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक

सीजेआई खन्ना के पास है डेढ़ करोड़ की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

न्यायपालिका में पारदर्शिता और जनता का विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की संपत्तियों का ब्योरा पब्लिक कर दिया है। इतिहास में यह पहली बार है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक की गई है। इसी के तहत सीजेआई संजीव खन्ना की संपत्ति की जानकारी भी सामने आई है। उनकी संपत्ति में 55 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट और 1 करोड़ रुपये का पब्लिक प्रोविडेंट फंड शामिल है।

गवई के अकाउंट में इतने रुपए

14 मई को सीजेआई का पदभार संभालने वाले जस्टिस बीआर गवई के बैंक अकाउंट्स में 19.63 लाख रुपये और पीपीएफ खाते में 6.59 लाख रुपये हैं। साथ ही उनकी संपति में साउथ दिल्ली में दो बेडरूम का डीडीए फ्लैट और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में चार बेडरूम का फ्लैट शामिल है। गुरुग्राम में चार बेडरूम के फ्लैट में भी उनकी 56 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी बेटी के पास बाकी 44 फीसदी हिस्सा है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विभाजन से पहले के एक पुश्तैनी घर में भी उनकी हिस्सेदारी है।

जस्टिस गवई को महाराष्ट्र के अमरावती में एक घर के अलावा मुंबई और दिल्ली में आवासीय अपार्टमेंट भी मिले हैं। उन्हें अमरावती और नागपुर में एग्रीकल्चर लैंड भी विरासत में मिली है। उन्होंने 1.3 करोड़ रुपये की देनदारी भी घोषित की है। सोमवार रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर 33 में से 21 जजों की संपति की जानकारी दी गई। इसी तरह, जस्टिस ओका, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस विक्रम नाथ सहित 21 जजों ने संपत्ति का ब्योरा दिया है।

नियुक्ति प्रक्रिया को भी किया सार्वजनिक

सुप्रीम कोर्ट ने एचसी/एससी जजों की नियुक्ति के लिए मूल्यांकन मानदंड ऑनलाइन कर दिया है। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को सार्वजनिक कर दिया है ताकि जनता को जानकारी और जागरूकता मिल सके। 9 नवंबर 2022 से 5 मई 2025 की तक हाईकोर्ट के जजों के रूप में नियुक्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रस्तावों को भी अपलोड किया है।

फ्रेडरिक मर्ज बने जर्मनी के चांसलर

बर्लिन। फ्रेडरिक मर्ज मंगलवार को संसद में दूसरे दौर के मतदान में जीत दर्ज करके जर्मनी के चांसलर बन गए। हालांकि, मतदान के पहले दौर में उन्हें ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। रूढ़िवादी नेता फ्रेडरिक से उम्मीद थी कि वह पहले दौर के मतदान में आसानी से जीत दर्ज करके द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के 10वें चांसलर बनेंगे।

कालड़ा हॉस्पीटल
• प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न केयर
• कटे होंठ एवं तालु का ईलाज
• कॉस्मेटिक सर्जरी
• हेयर ट्रांसप्लांट
• लाइपोसक्शन
• अंगों का प्रत्यारोपण
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड
कल्सर्स माल के पास, रायपुर
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

ओम हॉस्पिटल
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक विभाग
• हर्निया • चर्बी की गांठ • फिस्टुला
• दूरबीन से होने वाली समस्त सर्जरी
• पेट से संबंधित समस्त सर्जरी • पाइल्स
• लेजर द्वारा बवासीर का ईलाज
• दूरबीन से हर्निया व गॉल ब्लैडर सर्जरी
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE के द्वारा ईलाज
मो. 8370008551
मो. 9302734809
मो. 8370008558
मो. 9131753200
मो. 8305948040

SHREE NARAYANA HOSPITAL
रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी
• सर्जरी के तीसरे दिन ही डिस्चार्ज
सभी कार्पोरेट, शासकीय योजनाओं एवं इंश्योरेंस से मान्यता प्राप्त
डॉ. प्रीतम अग्रवाल
Robotic Joint Replacement Surgeon & Arthroscopic Surgeon
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com